# प्रथम न्यूज

PRATHAM NEWS राष्ट्रीय हिंदी दैनिक

Website: www.prathamnews.in email:- dainikprathamnews@gmail.com

Pratham News @dainikprathamnews

जालंधर, वर्ष: 16 अंक : 154 | दिनांक : शुक्रवार, 05 जून 2026 | सम्पादक : विवेक धीर | सम्पर्क: | 97796-00900 | पन्ने- 8 | मूल्य: ₹ 2.00/- | RNI No I PUNHIN/2010/36540


**सुविचार**

जीवन में आने वाली कठिनाइयाँ आपको रोकने नहीं, बल्कि मजबूत बनाने के लिए आती हैं। जो व्यक्ति संघर्षों से सीखता है, वही भविष्य में बड़ी सफलताएँ प्राप्त करता है।

अफगानिस्तान सीरीज से पहले भारत को बड़ा झटका, चोटिल विराट कोहली हुए बाहर...

» पृष्ठ 7 पर

# थर-थर कांपेगा दुश्मन

## प्रधानमंत्री मोदी और डेल्सी रोड्रिगेज में मुलाकात

### भारत और वेनेजुएला में ऊर्जा साझेदारी बनाने पर फैसला

» प्रथम न्यूज । नई दिल्ली

04 जून ( एएम नाथ )

वेनेजुएला की कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज भारत दौरे पर हैं। गुरुवार को उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। इस दौरान दोनों देशों के बीच एनर्जी सेक्टर में सहयोग बढ़ाने का फैसला लिया गया। पश्चिम एशिया में जारी तेल संकट के बीच लिए गए इस फैसले को अहम माना जा रहा है।

पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के बीच भारत की ओर से अप्रैल से वेनेजुएला से कच्चे तेल की खरीद में तेजी आई है। यही नहीं, वेनेजुएला भारत को कच्चे तेल की आपूर्ति करने वाला तीसरा सबसे बड़ा देश बनकर भी उभरा है। हैदराबाद हाउस में हुई प्रधानमंत्री मोदी और डेल्सी रोड्रिगेज के बीच हुई इस बैठक में खनिजों, फार्मा, कृषि और ऑटोमोबाइल सहित कई क्षेत्रों में द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करने पर बातचीत हुई।

इस मुलाकात की जानकारी देते हुए विदेश मंत्रालय के सचिव (ईस्ट) रुद्रेंद्र टंडन ने बताया कि दोनों नेताओं के बीच बातचीत बहुत अहम और बिजनेस जैसी थी। उन्होंने कहा कि वेनेजुएला कई सालों से भारत को ऊर्जा के लिए एक स्थिर मांगकर्ता के तौर पर देखता है।

## भारत को रूस ने भेजा चौथा S-400 सुदर्शन

**400 किमी. दूर से करेगा नेस्तनाबूद, रूस ने बढ़ाई भारत की रक्षा ताकत**

» प्रथम न्यूज । नई दिल्ली

04 जून ( एएम नाथ )

हवाई हमले की सूरत में एयर डिफेंस कितना जरूरी है, इसका उदाहरण ऑपरेशन सिंदूर से लेकर ईरान की जंग में देखने को मिला। यही वजह है कि भारत लगातार अपनी हवाई रक्षा को मजबूत करने में लगा है। इसी कड़ी में भारत के एयर डिफेंस में बड़ा इजाफा हुआ है। भारत को अपना चौथा S-400 'सुदर्शन' एयर डिफेंस सिस्टम मिल गया है। रूस से भेजा गया चौथा एस-400 'सुदर्शन' एयर डिफेंस सिस्टम भारत पहुंच चुका है। माना जा रहा है कि इसे जल्द ही पाकिस्तान से लगती पश्चिमी सीमा पर तैनात किया जा सकता है। यह सिस्टम भारतीय वायुसेना की लंबी दूरी की हवाई सुरक्षा को और मजबूत करेगा। बता दें कि ये वही सिस्टम है जिसने 350 किलोमीटर से भी अधिक दूरी से पाकिस्तान के विमान को मार गिराया था जो अपने आप में एक रिकॉर्ड है।

### पांच में से चौथा सिस्टम भारत को मिला

भारत और रूस के बीच 2018 में एस-400 एयर डिफेंस सिस्टम खरीदने का समझौता हुआ था। इस सौदे के तहत भारत को कुल पांच स्क्वाड्रन मिलने हैं। अब तक तीन सिस्टम भारत को मिल चुके थे। चौथा सिस्टम भी पहुंच गया है। पांचवें और अंतिम सिस्टम के इस साल के अंत तक मिलने की उम्मीद है। रूस-यूक्रेन युद्ध के कारण इसकी डिलीवरी में कुछ देरी हुई थी हालांकि अब सप्लाई फिर से पटरी पर आती दिख रही है।

### पाकिस्तान सीमा पर क्यों है नजर?

शुरुआती योजना के अनुसार, चौथे एस-400 को उत्तरी क्षेत्र में तैनात किया जाना था। लेकिन बदले सुरक्षा हालात के बीच इसकी तैनाती पश्चिमी मोर्चे पर किए जाने की चर्चा है। रक्षा अधिकारियों का मानना है कि पाकिस्तान सीमा से जुड़े कुछ इलाकों में अतिरिक्त एयर डिफेंस कवरेज की जरूरत है। अगर ऐसा होता है तो पश्चिमी क्षेत्र में भारत का हवाई सुरक्षा कवच और मजबूत हो जाएगा।

### क्या है एस-400 सुदर्शन?

एस-400 रूस का बनाया गया एक अत्याधुनिक लंबी दूरी का एयर डिफेंस सिस्टम है। भारत में इसे सुदर्शन नाम दिया गया है। यह लड़ाकू विमान, ड्रोन, क्रूज मिसाइल, बैलिस्टिक मिसाइल और कुछ स्टेल्थ लक्ष्यों को भी निशाना बना सकता है। इसकी सबसे बड़ी ताकत इसकी लंबी दूरी और तेज प्रतिक्रिया क्षमता है।

## संक्षिप्त न्यूज

### भारत-ब्रिटेन फ्री ट्रेड डील में हो सकती है देरी

**ब्रिटेन के मंत्री पीटर काइल ने बताई वजह**

**नई दिल्ली ( ब्यूरो )**- ब्रिटेन के व्यापार मंत्री पीटर काइल ने कहा कि फ्री ट्रेड डील को लागू करने के लिए ब्रिटेन और भारत के बीच बातचीत तेजी से आगे बढ़ रही है और अच्छी चल रही है।

उन्होंने संकेत दिया कि इस्पात विवाद के बाद समझौते पर दोबारा चर्चा नहीं होगी, लेकिन यह उम्मीद से कुछ देरी से लागू हो सकता है। ब्रिटेन और भारत ने मई 2025 में एक फ्री ट्रेड डील पर सहमति जताई थी और दो महीने बाद इस पर हस्ताक्षर किए थे। दोनों देशों की तरफ से समझौते की पुष्टि के बाद इसे लागू किया जाना था, जिसके लगभग एक साल के भीतर होने की उम्मीद थी। मगर अब देर हो रही है।

#### इस्पात विवाद के कारण देरी

भारतीय अधिकारियों ने ब्रिटेन की तरफ से अगले महीने लागू किए जाने वाले इस्पात व्यापार उपायों पर चिंता व्यक्त की है और सुझाव दिया है कि इसके परिणामस्वरूप व्यापार समझौते के कुछ पहलुओं पर फिर से बातचीत की जा सकती है। बुधवार को दिल्ली में हुई वार्ता से लौटने के बाद, काइल ने असहमति को कम करके आंका और अपने भारतीय समकक्ष पीयूष गोयल के इस बयान का हवाला दिया कि बातचीत अच्छी रही। लंदन शहर में एक व्यापारिक रात्रिभोज के बाद पत्रकारों से बात करते हुए काइल ने कहा, हम आगे बढ़ने के लिए उत्सुक हैं। इन चीजों में समय लगता है, लेकिन हम बहुत तेजी से काम कर रहे हैं।

### हिमाचल में कर्मचारियों के तबादलों पर पूर्ण प्रतिबंध, अधिसूचना जारी

**शिमला ( एएम नाथ )** - हिमाचल प्रदेश सरकार ने राज्य कर्मचारियों और अधिकारियों के तबादलों पर लगी पूर्ण रोक को अगले आदेशों तक जारी रखने का फैसला किया है। कार्मिक विभाग द्वारा 3 जून 2026 को जारी आदेश में स्पष्ट किया गया है कि 6 अप्रैल 2026 से लागू ट्रांसफर बैन यथावत प्रभावी रहेगा।

सरकार ने सभी प्रशासनिक सचिवों, विभागाध्यक्षों, उपायुक्तों, मंडलीय आयुक्तों, बोर्डों, निगमों, विश्वविद्यालयों और स्वायत्त संस्थाओं को निर्देश दिए हैं कि बिना सक्षम प्राधिकारी की पूर्व स्वीकृति किसी भी अधिकारी या कर्मचारी का तबादला न किया जाए।

गौरतलब है कि प्रदेश में सरकार ने पहले लगभग 400 तबादलों को विशेष अनुमति के तहत मंजूरी दी थी। अब नए आदेश के बाद सामान्य तबादलों पर पूर्ण प्रतिबंध जारी रहेगा और किसी भी मामले में नियमों के तहत पूर्व अनुमति लेना अनिवार्य होगा।

सरकार ने आदेशों के सख्ती से पालन के निर्देश देते हुए कहा है कि किसी भी प्रकार की अवहेलना को गंभीरता से लिया जाएगा।

## उत्तराखंड के चुनावी रण में कूदे राहुल गांधी

**पूर्व सैनिकों और युवाओं पर रहेगा फोकस**

» प्रथम न्यूज । देहरादून

04 जून ( ब्यूरो )

उत्तराखंड के विधानसभा चुनावों में अभी 7 महीने का समय है और उत्तराखंड में चुनावी शंखनाद का बिल्कुल बन चुका है। भाजपा और कांग्रेस दोनों राजनीतिक दल की सरगर्मियां उत्तराखंड में बढ़ गई हैं। राजनीतिक दलों के नेताओं के दौरे भी उत्तराखंड में तेजी बढे हैं। पीएम मोदी के लगातार कार्यक्रम उत्तराखंड में रहे हैं तो वहीं भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन का हाल ही में 3 दिवसीय दौरा रहा है। अब नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस नेता राहुल गांधी 2 दिन के उत्तराखंड के दौरे पर हैं।

कांग्रेस प्रदेश प्रभारी कुमारी शैलजा लगातार उत्तराखंड के दौरे पर हैं। वहीं केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह भी उत्तराखंड आ चुके हैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी उत्तराखंड लगातार आते रहे हैं। तो वहीं भाजपा के नेताओं के ताबड़तोड़ दौरों के बाद अब उत्तराखंड में लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस नेता राहुल गांधी उत्तराखंड के दो दिवसीय दौरे पर हैं। राहुल गांधी 4 जून को अल्मोड़ा पौड़ी और कोटद्वार में थे। वहीं 5 जून को राहुल गांधी देहरादून में कांग्रेस संगठन के तमाम पदाधिकारी, प्रकोष्ठ, विधायक, पूर्व विधायक और पूर्व मंत्रियों के साथ पार्टी के बड़े नेताओं से मुलाकात करेंगे। राहुल गांधी का यह दौरा कांग्रेस की तरफ से चुनावी शंखनाद है।

राहुल गांधी अल्मोड़ा में एक जनसभा को संबोधित कर रहे हैं। जिसमें वह केंद्र और राज्य सरकार की जन विरोधी नीतियों को लेकर जनता के सामने अपनी बात रखेंगे। वहीं पौड़ी जिले में पूर्व सैनिकों के साथ मुलाकात कर चर्चा करेंगे। इसके अलावा कोटद्वार में राहुल गांधी दीपक कश्यप उर्फ मोहम्मद दीपक के जिम में जाएंगे वहां वर्कआउट करेंगे और मेंबरशिप भी लेंगे।

## कैप्टन अमरिंदर सिंह की होगी घर वापसी

### भूपिंदर हुड्डा के बयान से पंजाब में बढ़ी सियासी हलचल

» प्रथम न्यूज । चंडीगढ़

04 जून ( एएम नाथ )

पंजाब के राजनीतिक गलियारों में पूर्व मुख्यमंत्री और बीजेपी नेता कैप्टन अमरिंदर सिंह की %घर वापसी% की अटकलें तेज हो गई हैं। यानी, कैप्टन अमरिंदर बीजेपी छोड़कर कांग्रेस में वापसी कर सकते हैं। ऐसी अटकलें इसलिए लगाई जा रही हैं, क्योंकि हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के बड़े नेता भूपिंदर सिंह हुड्डा का कहना है कि कैप्टन अमरिंदर सिंह कांग्रेस के संपर्क में हैं।

कैप्टन अमरिंदर सिंह की कांग्रेस वापसी की अटकलें ऐसे समय लगाई जा रही हैं, जब कुछ ही महीनों में पंजाब में विधानसभा चुनाव होने हैं। 2021 के विधानसभा चुनाव से पहले ही कैप्टन अमरिंदर कांग्रेस छोड़कर बीजेपी में चले गए थे।

**क्या वापसी करेंगे कैप्टन?**

अब कैप्टन अमरिंदर सिंह कांग्रेस में एक बार फिर आ सकते हैं। कांग्रेस नेता भूपिंदर हुड्डा ने दावा किया कि कैप्टन अमरिंदर कांग्रेस के संपर्क में हैं। हुड्डा ने कहा, कैप्टन साहब वरिष्ठ नेता रहे हैं कांग्रेस पार्टी के और संपर्क में हैं।

इन अटकलों को और हवा देते हुए पूर्व डिप्टी सीएम और पंजाब कांग्रेस के सीनियर नेता सुखजिंदर सिंह रंधावा ने कहा कि अगर अमरिंदर कांग्रेस में वापस आने का फैसला करते हैं तो उनका खुले दिल से स्वागत किया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि गांधी परिवार ने कैप्टन अमरिंदर सिंह को बहुत मान-सम्मान दिया है और उन्हें मुख्यमंत्री भी बनाया था। इसलिए अगर वह वापसी करते हैं तो पार्टी के नेता उनके इस फैसले का स्वागत करेंगे।

## कांग्रेस ने राज्यसभा की सात सीटों के लिए उम्मीदवारों का किया ऐलान

### पवन खेड़ा की तपस्या हुई पूरी, मल्लिकार्जुन खरगे जाएंगे राज्यसभा

» प्रथम न्यूज । नई दिल्ली

04 जून ( एएम नाथ )

कांग्रेस ने राज्यसभा की सात सीटों के लिए उम्मीदवारों का एलान कर दिया है। कर्नाटक से कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के अलावा पवन खेड़ा और मंसूर अली खान को उम्मीदवार बनाया गया है। मध्य प्रदेश से मीनाक्षी नटराजन, राजस्थान से नीरज डांगी, झारखंड से प्रणव झा और तमिलनाडु से प्रवीण चक्रवाती को कांग्रेस ने उम्मीदवार बनाया है।

मीनाक्षी नटराजन और प्रवीण चक्रवर्ती को राहुल गांधी का करीबी माना जाता है। सात में से चार उम्मीदवार अगड़ी जाति से, दो दलित और एक अल्पसंख्यक समुदाय से है।

राज्यसभा में नेता विपक्ष खरगे शुक्रवार को बेंगलुरु में राज्यसभा चुनाव के लिए नामांकन दाखिल करेंगे। लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी खरगे के नामांकन के मौके पर मौजूद रहेंगे। कर्नाटक में राज्यसभा की चार सीटें खाली हुई हैं जिसमें से कांग्रेस तीन सीटें जीत सकती है।

## हरियाणा में 10,649 गरीब परिवारों को मिलेगा आवास

### सरकार ने तेज किया 'सभी के लिए घर' मिशन : सैनी

» प्रथम न्यूज । चंडीगढ़

04 जून ( एएम नाथ )

हरियाणा में 10 हजार 649 गरीब परिवारों को जल्द ही प्लॉट व फ्लैट मिलेंगे।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने वीरवार को सभी के लिए आवास विभाग की समीक्षा बैठक में निर्देश दिया कि यथाशीघ्र इन प्लॉट व फ्लैट के आबंटन का कार्य पात्र परिवारों को किया जाए। अब तक पांच योजनाओं के तहत प्रदेश में दो लाख 31 हजार 215 परिवारों को आवास उपलब्ध करवाने के लिए 2375 करोड़ रुपये जारी किए जा चुके हैं।

हरियाणा विजन-2047 के तहत विभाग के अगले पांच साल के रोडमैप व कार्ययोजना की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि यदि किसी अपात्र व्यक्ति या परिवार को योजना का लाभ दिया जाता है तो संबंधित अधिकारी-कर्मचारी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

### छत देना सरकार की प्राथमिकता : सैनी

प्रत्येक प्रदेशवासी को रहने के लिए छत देना सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल है और वर्तमान केंद्र व प्रदेश सरकार द्वारा यह कार्य मिशन मोड में किया जा रहा है। सभी के लिए आवास विभाग शेष बचे सभी पात्र परिवारों की पहचान कर उन्हें आवास उपलब्ध करवाने की विस्तृत कार्ययोजना तैयार करे। विभाग के महानिदेशक जे गणेशन ने प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी), प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण), मुख्यमंत्री शहरी आवास योजना, मुख्यमंत्री ग्रामीण आवास योजना 2.0 तथा लाइसेंसी कालोनियों में आर्थिक रूप से कमजोर (ईडब्ल्यूएस) आवासों के वितरण के संबंध में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि विभाग द्वारा आगामी समय में बचे हुए पात्र परिवारों को आवास सुविधाएं उपलब्ध करवाने की कार्ययोजना तैयार की जा रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार की कोशिश है कि हर पात्र परिवार को सरकारी मदद से छत मुहैया करवाई जाए, लेकिन यह भी सुनिश्चित करना आवश्यक है कि योजना का दुरुपयोग न हो।

### अपात्र व्यक्तियों को योजना का लाभ देने पर सख्त कार्रवाई

उन्होंने कहा कि सभी लाभार्थियों की सूची ग्राम पंचायतों में सार्वजनिक की जाए ताकि तसदीक हो सके कि लाभ लेने वाले परिवार वास्तव में योजना के लिए पात्र थे या नहीं।

यदि यह साबित होता है कि अपात्र व्यक्तियों को योजना का लाभ दिया गया है तो संबंधित अधिकारियों-कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने घुमंतू जाति के ऐसे गरीब परिवारों के लिए पंजीकरण शुल्क में रियायत देने के भी निर्देश दिए जिनकी आर्थिक स्थिति खराब है।

**MP से तरुण चुग, राजस्थान से हरियाणा प्रभारी सतीश पूनिया को कैंडिडेट बनाया**

## बीजेपी ने राज्यसभा उम्मीदवारों की घोषणा की लिस्ट

**नई दिल्ली ( एएम नाथ )**- भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) ने 10 राज्यों की 24 राज्यसभा सीटों पर होने वाले द्विवार्षिक चुनाव के लिए अपने उम्मीदवारों की घोषणा की है। गुरुवार (4 जून) को बीजेपी ने मध्य प्रदेश, राजस्थान, गुजरात, अरुणाचल प्रदेश, मणिपुर और ओडिशा से 11 राज्यसभा उम्मीदवारों की लिस्ट जारी की। मध्य प्रदेश से बीजेपी के राष्ट्रीय महासचिव तरुण चुग और रजनीश अग्रवाल को उम्मीदवार घोषित किया गया है। यानि बीजेपी तरुण चुग को अब राज्यसभा भेज रही है। राज्यसभा सांसद बनाए जा रहे तरुण चुग के केंद्र में मंत्री बनने की भी अटकलें हैं।

वहीं बीजेपी ने राजस्थान से हरियाणा प्रदेश प्रभारी डॉ. सतीश पूनिया को राज्यसभा भेजने की तैयारी की है। सतीश पूनिया बीजेपी के राजस्थान प्रदेश अध्यक्ष रह चुके हैं। सतीश पूनिया के साथ-साथ राजस्थान से डॉ. अलका गुर्जर को राज्यसभा उम्मीदवार घोषित किया गया है। इसी तरह गुजरात से राजूभाई शुक्ला, मुकेशभाई राठवा, मानसिंह परमार और जितेंद्र मेघजीभाई कंजरिया को उम्मीदवार बनाया गया है। मणिपुर से ए. शारदा देवी और ओडिशा राज्यसभा उपचुनाव के लिए देबाशीष सामंतराय को कैंडिडेट बनाया गया है।

प्रथम न्यूज़
राष्ट्रीय हिंदी दैनिक
पंजाब न्यूज़
Website : www.prathamnews.in

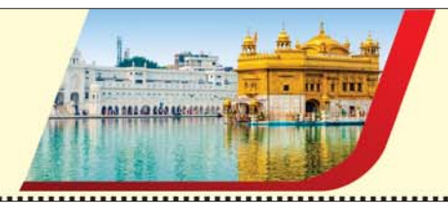

## संक्षिप्त न्यूज

### शक्ति हेल्प डेस्क, गुरदासपुर पुलिस द्वारा छात्रों को किया गया जागरूक

**गुरदासपुर ( संदीप सन्नी )** - एसएसपी गुरदासपुर आदित्य के दिशा-निर्देशों के तहत शक्ति हेल्प डेस्क, गुरदासपुर पुलिस द्वारा सरकारी स्कूल गुरदासपुर में एक जागरूकता सेमिनार का आयोजन किया गया। इस दौरान छात्रों को गुड टच और बैड टच के बारे में जानकारी दी गई और सांझ सेवाओं के साथ-साथ हेल्पलाइन नंबर 112, 1098 और 1930 के बारे में भी जागरूक किया गया।

शक्ति हेल्प डेस्क, गुरदासपुर पुलिस के अधिकारियों ने बताया कि विभिन्न स्कूलों में जाकर छात्रों को जागरूक किया जाता है। जागरूकता सेमिनार के दौरान छात्रों को रोड लाइन व रोड साइन के प्रति जागरूक किया जाता है और हेलमेट व सीट बेल्ट लगाने के बारे में भी जानकारी दी जाती है। इस दौरान छात्रों को नाबालिग बच्चों द्वारा वाहन चलाने के खिलाफ नए कानून और सड़क सुरक्षा नियमों के बारे में विस्तार से बताया गया।

उन्होंने बताया कि जागरूकता सेमिनार में छात्रों को कम उम्र में ड्राइविंग करने पर होने वाली कानूनी कार्रवाई के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। इसके साथ ही छात्रों को नशे के दुष्प्रभावों के बारे में भी जागरूक किया गया। पर्यावरण को साफ-सुथरा रखने के लिए अधिक से अधिक पौधे लगाने और पौधों की उचित देखभाल करने के लिए भी प्रेरित किया गया।

### खालसा कॉलेज माहिलपुर में कुकिंग कैंप का औपचारिक उद्घाटन

**होशियारपुर /माहिलपुर, ( तरसेम दीवाना )** - यहां श्री गुरु गोबिंद सिंह खालसा कॉलेज माहिलपुर में विभिन्न कोर्सों की अकादमिक पढ़ाई के साथ-साथ छात्रों को रोजगार केंद्रित और हुनरमंद कोर्सों से जोड़ने के उपक्रम के तहत चल रहे फूड प्रोडक्शन और केटरिंग मैनेजमेंट विभाग द्वारा छात्रों को गर्मियों के मौसमी खाने-पीने से संबंधित पदार्थों को शुद्धता से तैयार करने संबंधी विशेष समर कुकिंग कैंप का औपचारिक उद्घाटन किया गया। इस कैंप का उद्घाटन कॉलेज के प्रिंसिपल डा. परविंदर सिंह ने किया और कैंप में पहुंचे छात्रों का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि ऐसे कोर्स में दाखिला लेने वाले छात्र खाने-पीने की शुद्ध वस्तुएं तैयार करके जहां स्वस्थ समाज में अपना योगदान दे रहे हैं, वहीं पढ़ाई के साथ-साथ अपना रोजगार भी कायम कर रहे हैं। इस मौके पर फूड प्रोडक्शन और बेकरी विभाग के चीफ इंस्ट्रक्टर अरुण महाजन ने कहा कि यह कैंप 12 जून तक चलेगा और इसके उपरांत दूसरे चरण का कैंप 15 जून से आरंभ होगा जिसमें गर्मियों और बरसात के मौसमी पेय पदार्थ तैयार करने संबंधी प्रशिक्षण दिया जाएगा। उन्होंने छात्रों को अगले कैंप की रजिस्ट्रेशन करवाने का आह्वान किया। इस मौके पर प्रिंसिपल डा. परविंदर सिंह ने बताया कि कॉलेज में तीन महीने की समयावधि वाले सर्टिफिकेट कोर्स इन फूड प्रोडक्शन एंड बेकरी और सर्टिफिकेट कोर्स इन कुकिंग एंड केटरिंग मैनेजमेंट शुरू हैं जिनमें इस सेशन से छात्रों का बहुत कम फीस पर दाखिला आरंभ हो गया है। उन्होंने कहा कि उक्त दोनों सर्टिफिकेट कोर्सों में दाखिले के लिए दसवीं और बारहवीं के बाद के छात्र दाखिला ले सकते हैं और कॉलेज में बारहवीं और अंडरग्रेजुएट कोर्स करने वाले छात्र अपनी पढ़ाई के साथ-साथ भी इस कोर्स में दाखिला ले सकते हैं। इस मौके पर डा. वरिंदर सिंह, डा. राज कुमार, डा. जतिंदर, हरिंदर सनी और अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित थे।

### सुरिंदर सिंह जौरा के अनुसार, आटा-दाल किटों का वितरण परिवार के सदस्यों के आधार पर होना चाहिए

**जीरा, 4 जून ( अंग्रेज बराड़ )** - पंजाब प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सदस्य सरदार सुरिंदर सिंह जौरा ने मांग की है कि पंजाब सरकार आटा-दाल योजना के तहत वितरित किए जा रहे राशन किटों के लिए स्पष्ट मानदंड निर्धारित करे। उन्होंने कहा कि मौजूदा व्यवस्था के अनुसार, एक सदस्य वाले परिवार को भी एक ही किट दी जाती है और दस सदस्यों वाले परिवार को भी वही किट मिलती है, जिससे बड़े परिवारों में असंतोष है। सुरिंदर सिंह जौरा ने कहा कि परिवार के सदस्यों की संख्या को नज़रअंदाज़ करते हुए एक समान राशन बांटना गरीब परिवारों के साथ अन्याय है। उन्होंने कहा कि ये हालात ऊंट के मुंह में जीरा वाली कहावत को सच साबित करते हैं, क्योंकि बड़े परिवारों की ज़रूरतों के मुकाबले दिया जाने वाला राशन बहुत कम है।

उन्होंने कहा कि पिछली सरकारों के दौरान परिवार के सदस्यों की संख्या के आधार पर राशन बांटा जाता था, जिससे लोगों को ज़्यादा राहत मिली थी। उन्होंने पंजाब सरकार से आटा-दाल योजना के मापदंडों की समीक्षा करने और परिवार के सदस्यों के अनुसार राशन की मात्रा तय करने की अपील की, ताकि ज़रूरतमंद परिवारों को सही मायने में मदद मिल सके। सुरिंदर सिंह जौरा ने कहा कि सरकार को गरीब और ज़रूरतमंद परिवारों को पूरा समर्थन देना चाहिए और ऐसे फैसले लेने चाहिए जिनसे लोगों की बुनियादी ज़रूरतें पूरी हो सकें। उन्होंने उम्मीद जताई कि सरकार इस मामले पर गंभीरता से विचार करेगी और जल्द ही उचित फैसला लेगी।

# जालंधर में देवी तालाब मंदिर को बम से उड़ाने की धमकी, सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट पर

## ई-मेल के जरिए मिली धमकी के बाद मंदिर परिसर की सघन तलाशी, स्निफर डॉग और बम निरोधक दस्ता तैनात

**» प्रथम न्यूज । जालंधर**
**04 जून ( डोगरा )**

शहर के प्रसिद्ध शक्तिपीठ देवी तालाब मंदिर और त्रिपुरमालिनी मंदिर को बम से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद पुलिस और सुरक्षा एजेंसियां पूरी तरह सतर्क हो गई हैं। धमकी भरा ई-मेल मिलते ही मंदिर प्रबंधन ने तुरंत पुलिस को सूचित किया, जिसके बाद भारी पुलिस बल मौके पर पहुंच गया और पूरे परिसर में सघन तलाशी अभियान शुरू कर दिया गया।

पुलिस टीमों ने स्निफर डॉग्स और बम निरोधक दस्ते की मदद से मंदिर के चप्पे-चप्पे की जांच की। श्रद्धालुओं की आवाजाही पर भी कड़ी नजर रखी जा रही है, जबकि सुरक्षा के मद्देनजर अतिरिक्त पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। हालांकि खबर लिखे जाने तक किसी भी प्रकार की संदिग्ध वस्तु बरामद नहीं हुई है, जिससे प्रशासन और आम लोगों ने राहत की सांस ली है। गौरतलब है कि एक सप्ताह के भीतर जालंधर

में इस तरह की यह दूसरी धमकी है। इससे पहले जिला कोर्ट कॉम्प्लेक्स को भी बम से उड़ाने की धमकी दी गई थी, जिसके बाद वहां भी व्यापक तलाशी अभियान चलाया गया था।

देवी तालाब मंदिर, जिसे 51वें शक्तिपीठ त्रिपुरमालिनी मंदिर के रूप में भी जाना जाता है, में प्रतिदिन हजारों श्रद्धालु माथा टेकने पहुंचते हैं। ऐसे में इस तरह की धमकी ने न केवल प्रशासन बल्कि आम जनता की चिंता भी बढ़ा दी है।

ई-मेल में खुद को 'खालिस्तान नेशनल आर्मी' बताने वाले संगठन ने पंजाब सचिवालय को दोपहर 1:11 से 3:11 बजे के बीच निशाना बनाने की बात कही है। साथ ही 5 और 6 जून को अंबाला और दिल्ली मार्ग पर यात्रा न करने की चेतावनी भी दी गई है।

धमकी भरे संदेश में 6 जून 1984 को अमृतसर स्थित दरबार साहिब पर हुए सैन्य ऑपरेशन का हवाला देते हुए बदले की बात कही गई है। इसके साथ ही अमृतसर के दुर्गियाणा मंदिर, पठानकोट के मुक्तेश्वर मंदिर, जालंधर के देवी तालाब मंदिर, बठिंडा के माइसर मंदिर और पटियाला के काली देवी मंदिर को निशाना बनाने की खुली धमकी दी गई है।

मामले में एसीपी राकेश शर्मा ने बताया कि सुरक्षा एजेंसियां पूरी सतर्कता के साथ जांच में जुटी हुई हैं। उन्होंने कहा कि यह सुरक्षा जांच नियमित प्रक्रिया का हिस्सा भी है और लोगों को घबराने की आवश्यकता नहीं है। पुलिस हर एंगल से मामले की जांच कर रही है और ई-मेल भेजने वाले की पहचान के प्रयास तेज कर दिए गए हैं। प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि वे किसी भी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान न दें और यदि कोई संदिग्ध गतिविधि नजर आए तो तुरंत पुलिस को सूचित करें। शहर में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर हाई अलर्ट जारी कर दिया गया है।

# पेंशनभोगियों की मांगों के संबंध में पंजाब के मुख्यमंत्री और मंत्री को अनुरोध पत्र भेजा गया: पेंशनभोगी नेता

## 17 जून से पहले पंजाब के मुख्यमंत्री और वित्त मंत्री से मुलाकात का अनुरोध करने वाला मांग पत्र

**» प्रथम न्यूज । फगवाड़ा**
**04 जून ( कुलदीप सिंह )**

पंजाब सरकार पेंशनभोगी संयुक्त मोर्चे ने 1 से 5 जून तक पंजाब के मुख्यमंत्री और वित्त मंत्री को ज्ञापन भेजकर पेंशनभोगियों की जायज और वैध मांगों के समाधान के लिए 17 जून से पहले बैठक की मांग की है। पंजाब सरकार पेंशनभोगी मोर्चा फागवारा, मोहन सिंह भट्टी, हंस राज बंगर, तारा सिंह बीका और हंस राज के नेतृत्व में, अतिरिक्त उपायुक्त फागवारा डॉ. शिखा भगत पीसीएस और तहसीलदार फागवारा श्री वरिंदर भाटिया की अनुपस्थिति में बैठक कर रहा है।

फगवाड़ा संयुक्त मोर्चा के वरिष्ठ पेंशनभोगी नेताओं ज्ञान चंद नैयर, कुलदीप सिंह कौरा, प्रमोद कुमार जोशी, जसविंदर सिंह आदि के माध्यम से पंजाब के मुख्यमंत्री और वित्त मंत्री को एक ज्ञापन भेजा गया। याचिका की मांगों का उल्लेख करते हुए उन्होंने प्रेस को बताया कि पंजाब सरकार द्वारा दिनांक 28/11/2025 को जारी पेंशन विरोधी पत्र को तत्काल वापस लिया जाए, राष्ट्रीय

वेतन निर्धारण सारणी को 05/07/2021 को जारी अधिसूचना में उल्लिखित 2.59 के वेतन मैट्रिक्स के अनुसार तैयार किया जाए, 50 प्रतिशत पेंशन तत्काल जारी की जाए और चिकित्सा भत्ता बढ़ाकर 20 करोड़ रुपये किया जाए।

पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय के दिनांक 08/06/2026 के निर्णय के अनुसार, महंगाई भत्ता (डीए) की 18 प्रतिशत किस्तों और 30/06/2026 तक के बकाया भुगतान के संबंध में, 2000/- रुपये प्रति माह की संशोधित यात्रा सुविधा 01/01/2016 से और 01/01/2016 से 30/06/2021 तक लागू की जानी चाहिए। 1 जून से 5 जून तक पंजाब भर में उपायुक्तों के माध्यम से मांग पत्र भेजे जा रहे हैं ताकि मांग पत्र में उल्लिखित मांगों, जैसे कि बकाया भुगतान, पेंशनभोगियों के पक्ष में समय-समय पर दिए गए न्यायालयी निर्णयों का कार्यान्वयन, का समाधान पेंशनभोगियों के नेताओं के साथ सौहार्दपूर्ण माहौल में द्विपक्षीय वार्ता करके किया जा सके। नेताओं ने पंजाब सरकार को चेतावनी दी कि यदि मांग पत्र मिलने के बाद पंजाब सरकार पेंशनभोगी संयुक्त मोर्चा के नेताओं से 17 जून से पहले बातचीत करने का समय नहीं देती है, तो पंजाब सरकार पेंशनभोगी संयुक्त मोर्चा 17 जून को जालंधर के देश भगत यादगार हॉल में एक भव्य राजकीय सम्मेलन आयोजित करेगा और पंजाब सरकार के हठधर्मी और अड़ियल रवैये के खिलाफ उग्र संघर्ष की घोषणा करेगा। इसके लिए केवल पंजाब सरकार ही व्यक्तिगत रूप से जिम्मेदार होगी।

मांग पत्र भेजने के अवसर पर सतपाल मेहमी, शिव दास, गुरनाम सिंह सैनी, जोगिंदर सिंह, चरण दास, सतपाल यादव, सतपाल सिंह खटकड़, कुलदीप सिंह, राम लुभाया रिहाना जट्टां, प्यारा राम जस्सी, प्यारा सिंह गंभीर, बूटा राम अकालपुर, करनैल सिंह माहलां, भूपिंदर सिंह माही, भाग मल्ल, रतन सिंह गोराया, रतन सिंह खलवाड़ा, विजय कुमार कटारिया, केके पांडे, जोगिंदर सिंह, प्रिंसिपल राम कृष्ण, महिंदर पाल आदि मौजूद थे। लश्कर सिंह, हरी राम चोट, हरदेव सिंह, डॉ. तरलोक सिंह, ज्ञान चंद रत्तू, गुरुमीत सिंह, स्वर्ण सिंह फौजी, बलवीर चंद हरचरण भारती, ज्ञान चंद प्रीत नागर, इत्यादि। पेंशनभोगी साथी भी शामिल हुए।

### तरुण चुग का राज्यसभा नामांकन पंजाब भाजपा कार्यकर्ताओं के लिए गौरव का क्षण : राकेश राठौर

**जालंधर, 4 जून ( शैली अल्बर्ट )** भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय महामंत्री Tarun Chugh को मध्य प्रदेश से राज्यसभा उम्मीदवार बनाए जाने पर भाजपा पंजाब के प्रदेश महामंत्री राकेश राठौर ने हर्ष व्यक्त करते हुए इसे पंजाब और भाजपा कार्यकर्ताओं के लिए गर्व एवं सम्मान का विषय बताया। भाजपा ने आगामी राज्यसभा चुनावों के लिए तरुण चुग को मध्य प्रदेश से उम्मीदवार घोषित किया है। ?

राकेश राठौर ने कहा कि तरुण चुग एक समर्पित, अनुभवी और कर्मठ संगठनकर्ता हैं, जिन्होंने वर्षों से पार्टी संगठन को मजबूत करने और राष्ट्रहित की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उन्होंने कहा कि राज्यसभा के लिए उनका नामांकन भाजपा नेतृत्व के दूरदर्शी निर्णय और उनके लंबे राजनीतिक एवं संगठनात्मक अनुभव का सम्मान है।

राठौर ने कहा कि तरुण चुग का राज्यसभा के लिए नामित होना पंजाब सहित पूरे देश के भाजपा कार्यकर्ताओं के लिए प्रेरणा का स्रोत है। उनके नेतृत्व, अनुभव और संगठनात्मक क्षमता का लाभ अब संसद में भी देश को मिलेगा।

इस अवसर पर राकेश राठौर ने Narendra Modi, Amit Shah तथा भाजपा नेतृत्व का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि पार्टी ने एक योग्य, समर्पित और अनुभवी कार्यकर्ता को महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपकर संगठन के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को पुनः सिद्ध किया है। उन्होंने विश्वास जताया कि तरुण चुग राज्यसभा में जनता की आकांक्षाओं और राष्ट्रहित से जुड़े मुद्दों को मजबूती से उठाते हुए भाजपा की विचारधारा और विकास के संकल्प को और अधिक सशक्त करेंगे।

# गांव पाहड़ा, वार्ड नंबर 2 से मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना के तहत श्रद्धालुओं की बस रवाना

**» प्रथम न्यूज । गुरदासपुर**
**04 जून ( संदीप सन्नी )**

गुरदासपुर के हलका इंचार्ज रमन बहल ने गुरदासपुर के वार्ड नंबर 2, गांव पाहड़ा से मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना के तहत श्रद्धालुओं की बस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया।

इस अवसर पर उन्होंने कहा कि यह देखकर बेहद खुशी हो रही है कि हमारे बुजुर्ग और परिवार अब बिना किसी खर्च के पवित्र धार्मिक स्थलों के दर्शन कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी सरकार का यह प्रयास न केवल लोगों को पावन धार्मिक स्थानों के साथ जोड़ रहा है, बल्कि उनके सपनों को भी हकीकत में बदल रहा है। उन्होंने सभी श्रद्धालुओं को सुखद यात्रा की शुभकामनाएं दीं। इस मौके पर चेयरमैन भारत भूषण शर्मा भी विशेष रूप से उपस्थित थे।

उन्होंने आगे कहा कि मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना के तहत लोगों को विभिन्न धार्मिक स्थलों के दर्शन करवाए जा रहे हैं और लोग पूरी श्रद्धा भावना के साथ यात्रा कर रहे हैं।

उन्होंने बताया कि इस बस के माध्यम से तीन दिनों में श्रद्धालुओं को श्री आनंदपुर साहिब, तख्त श्री केसगढ़ साहिब, विरासत-ए-खालसा, श्री कीरतपुर साहिब और माता नैना देवी के दर्शन करवाए जाएंगे। इस अवसर पर यात्रा पर जा रहे श्रद्धालुओं ने मुख्यमंत्री पंजाब और बहल का धन्यवाद करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना से लोगों में खुशी का माहौल है और वे धार्मिक स्थलों के दर्शन के लिए बेहद उत्साहित हैं।

इस मौके पर मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा कोऑर्डिनेटर गगन महाजन, चेयरमैन ब्लॉक कमेटी रणजीत सिंह राणा, युद्ध नशे विरुद्ध कोऑर्डिनेटर रणजीत सिंह पाहड़ा, गुरमिंदर सिंह गोगा पाहड़ा, सरपंच बलविंदर सिंह खालसा भुल्लेचक, सरपंच गुरजीव सिंह टिंकू बब्बरी, रूपेश कुमार बिट्टू, दविंदर सिंह हैप्पी और बलजिंदर सिंह गिल भी मौजूद थे।

### सरकारी कॉलेज गुरदासपुर की बड़ी उपलब्धि : बीबीए बैंकिंग, फाइनेंशियल सर्विसेज एंड इंश्योरेंस (ऑनर्स) में तीन छात्राओं ने यूनिवर्सिटी में हासिल कीं पहली तीन पोजीशन

**» प्रथम न्यूज । गुरदासपुर**
**04 जून ( संदीप सन्नी )**

सरकारी कॉलेज गुरदासपुर ने एक बार फिर शानदार शैक्षणिक प्रदर्शन करते हुए संस्था का नाम रोशन किया है। कॉलेज की तीन होनहार छात्राओं ने गुरु नानक देव यूनिवर्सिटी के बी.बी.ए. बैंकिंग, फाइनेंशियल सर्विसेज एंड इंश्योरेंस (ऑनर्स) प्रथम वर्ष के परिणामों में यूनिवर्सिटी की पहली तीन पोजीशन हासिल कर कॉलेज, अपने माता-पिता और पूरे क्षेत्र का मान बढ़ाया है। यूनिवर्सिटी के परीक्षा परिणामों में कॉलेज की छात्रा मुस्कान ने 8.16 सीजीपीए प्राप्त कर यूनिवर्सिटी में पहला स्थान हासिल किया। इसी तरह हितिका ने 7.96 सीजीपीए के साथ दूसरा स्थान, जबकि मनप्रीत कौर ने 7.04 सीजीपीए प्राप्त कर तीसरा स्थान हासिल किया।

**रोजगारोन्मुखी शिक्षा को बढ़ावा देने का प्रयास :** यह विशेष रूप से उल्लेखनीय है कि बी.बी.ए. बैंकिंग, फाइनेंशियल सर्विसेज एंड इंश्योरेंस (ऑनर्स) एक प्रोफेशनल और करियर-ओरिएंटेड कोर्स है। विद्यार्थियों में व्यावसायिक और रोजगारोन्मुखी शिक्षा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से सरकारी कॉलेज गुरदासपुर द्वारा शैक्षणिक सत्र 2025-26 के दौरान इस कोर्स की शुरुआत की गई थी। इस कोर्स की शुरुआत कॉलेज के प्रिंसिपल प्रोफेसर डॉ. अश्वनी कुमार भल्ला की दूरदर्शी सोच और प्रयासों के कारण संभव हो सकी, जिसे विद्यार्थियों और शहरवासियों की ओर से भरपूर समर्थन और सराहना मिली।

**विद्यार्थियों में पैदा हुई नई सोच और जोश : प्रिंसिपल**

इस विशेष उपलब्धि के अवसर पर बात करते हुए प्रिंसिपल प्रोफेसर डॉ. अश्वनी कुमार भल्ला ने कहा पिछले वर्ष कॉलेज में शुरू किए गए चार नए प्रोफेशनल कोर्सेज को विद्यार्थियों और अभिभावकों की ओर से बेहद उत्साहजनक प्रतिक्रिया और सराहना मिली है। इन कोर्सेज ने विद्यार्थियों में एक नई सोच, नया जोश और जीवन में आगे बढ़ने की एक नई दिशा पैदा की है, जिससे वे और अधिक आत्मविश्वासी और सफल बन रहे हैं।

# जिला प्रशासन की बड़ी कार्रवाई : जनगणना ड्यूटी से नदारद रहने वालों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की प्रक्रिया शुरू

## ड्यूटी में लापरवाही बरतने वाले कर्मचारियों के खिलाफ जनगणना एक्ट के तहत होगी सख्त कार्रवाई

**» प्रथम न्यूज । गुरदासपुर**
**04 जून ( संदीप सन्नी )**

राष्ट्रीय जनगणना के कार्यों को पूरी गंभीरता से संपन्न करवाने के लिए जिला प्रशासन गुरदासपुर ने एक अत्यंत सख्त रुख अख्तियार कर लिया है। प्रशासन द्वारा उन अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है, जिन्होंने अपनी जनगणना ड्यूटी पर ज्वाइन नहीं किया है या काम करने से कतरा रहे हैं।

इस संबंध में विस्तृत जानकारी देते हुए डिप्टी कमिश्नर-कम-जिला चुनाव अधिकारी, गुरदासपुर आदित्य उप्पल ने एसएसपी गुरदासपुर और एसएसपी बटाला को पत्र जारी कर आदेश दिए हैं।

उन्होंने कहा कि जनगणना में ड्यूटी लगने के बावजूद काम पर न पहुंचने वाले और आदेशों की अवहेलना करने वाले कर्मचारियों के खिलाफ तुरंत प्रभाव से एफआईआर दर्ज की जाए और साथ ही उनके संबंधित विभागों को उनके खिलाफ सख्त विभागीय अनुशासनात्मक कार्रवाई शुरू करने के निर्देश दिए जाएं।

**लापरवाही करने वालों पर कसेगा कानूनी शिकंजा**

डिप्टी कमिश्नर उप्पल ने स्थिति स्पष्ट करते हुए कहा : जनगणना एक बेहद महत्वपूर्ण और अनिवार्य राष्ट्रीय कार्य है। इसमें लगी ड्यूटी से आनाकानी करने वाले या टालमटोल करने वाले किसी भी अधिकारी अथवा कर्मचारी को बख्शा नहीं जाएगा। ड्यूटी में किसी भी प्रकार की लापरवाही या कोताही कतई बर्दाश्त नहीं की जाएगी और ऐसे सभी डिफ़ॉल्टरों के खिलाफ जनगणना एक्ट के तहत सख्त से सख्त कानूनी कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

प्रथम न्यूज
राष्ट्रीय हिंदी दैनिक
हिमाचल न्यूज
Website : www.prathamnews.in

## संक्षिप्त न्यूज

### शलगा गांव में खुली उचित मूल्य की दुकान

**ग्रामीणों को घर द्वार पर मिलेगी राशन की सुविधा**

**पट्टा मेहलोग, 4 जून ( तारा )** – विकास खंड पट्टा की पट्टा नाली पंचायत के गांव शलगा में कृष्णा सहकारी सभा द्वारा उचित मूल्य की दुकान खुलने से ग्रामीणों को बड़ी राहत मिली है। अब पंचायत के गांव शलगा, शेरला, नालग, कुनाना, माली, रुहान, व च्योटा के सैकड़ों लोगों को राशन लेने गांव से बाहर नहीं जाना पड़ेगा। स्थानीय गांव के महेंद्र कुमार, राजू, वार्ड मेंबर रोशन लाल,उप प्रधान भूप सिंह, बीडीसी रमेश कुमार, दया राम, राम रतन, गंगा राम, नानक चंद, गुरबचन सिंह, नीता राम, हंसराज, बाबू राम, विनोद कुमार, ताराचंद, भगवान् दास, रितु , लता सहित लोगों ने बताया कि इससे पहले 40 वर्षों तक ग्रामीण दो किलो मीटर पैदल चल कर बधौनीघाट व पट्टा मेहलोग से राशन लाते थे।लोगों को गर्मी, सर्दी, बरसात व अन्य कठिन परिस्थितियों में राशन लेने के लिए गांव से बाहर जाना पड़ता था,जिससे उन्हें अनेक दिक्कतों का सामना करना पड़ता था।इस समस्या से निजात पाने के लिए गांव के लोगों ने की अध्यक्षता में बैठक कर कृष्णा सहकारी सभा का गठन किया और अपने गांव के मध्य में उचित मूल्य की दुकान खोलने का निर्णय लिया।सभी औपचारिकताएं पूरी करने के बाद सभा द्वारा अब लोगों को राशन वितरण का कार्य शुरू कर दिया है,जो कि एक सराहनीय प्रयास है।

### नई शिक्षा नीति : हिमाचल के 29 सरकारी कॉलेजों में चार वर्षीय डिग्री कोर्स, 91 में रहेगी पुरानी व्यवस्था

**शिमला 04 जून ( बी.शर्मा )** – राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी)-2020 के तहत राज्य सरकार ने सत्र 2026-27 से स्नातक स्तर पर चार वर्षीय डिग्री कार्यक्रम लागू करने की अधिसूचना जारी कर दी है। नई व्यवस्था के तहत 29 सरकारी संस्थानों में चार वर्षीय स्नातक कार्यक्रम लागू होगा जबकि प्रदेश के 91 सरकारी महाविद्यालयों में तीन वर्षीय डिग्री प्रणाली जारी रहेगी। इसके अलावा चार अनुदान प्राप्त महाविद्यालयों को भी चार वर्षीय कार्यक्रम संचालित करने की अनुमति दी गई है। चार वर्षीय कार्यक्रम के लिए चयनित महाविद्यालयों में विषयों की संख्या भी निर्धारित कर दी गई है।

**इन कॉलेजो में शुरू होगी राष्ट्रीय शिक्षा नीति** – राजकीय महाविद्यालय धर्मशाला में 21 विषयों, वल्लभ राजकीय महाविद्यालय मंडी में 19 विषयों, राजकीय महाविद्यालय चंबा में 18 विषयों, राजकीय महाविद्यालय हमीरपुर, पालमपुर और नाहन में 17-17 विषयों में कार्यक्रम संचालित होगा। राजकीय महाविद्यालय ढलियारा, रामपुर, संजौली और नालागढ़ में 16-16 विषयों, राजकीय महाविद्यालय बिलासपुर और सरकाघाट में 15-15 विषयों तथा राजकीय महाविद्यालय देहरी, कुल्लू, जोगिंद्रनगर, चौड़ा मैदान शिमला, सीमा महाविद्यालय रोहडू और पांवटा साहिब में 14-14 विषयों में चार वर्षीय पाठ्यक्रम शुरू किए जाएंगे।

स्वामी विवेकानंद राजकीय महाविद्यालय घुमारवीं, राजकीय महाविद्यालय नादौन और करसोग में 11-11 विषय, राजकीय कन्या महाविद्यालय शिमला में 10 तथा राजकीय महाविद्यालय नगरोटा बगवां में नौ विषयों में यह व्यवस्था लागू होगी। इनके अतिरिक्त सेंट बीड्स कॉलेज शिमला, एमसीएम डीएवी कॉलेज कांगड़ा, एमएलएसएम कॉलेज सुंदरनगर और एसवीएसडी कॉलेज भटोली को चार वर्षीय कार्यक्रम संचालित करने की अनुमति दी गई है। संस्कृत महाविद्यालय फागली, सुंदरनगर और नाहन को भी नई व्यवस्था में शामिल किया गया है।

सरकारी और अनुदान प्राप्त संस्थानों को मिलाकर कुल 33 महाविद्यालयों में नया स्नातक ढांचा लागू होगा।

# सुक्खू सरकार जनादेश को स्वीकार करें, विधानसभा चुनाव में होगा कांग्रेस का सफाया : जयराम ठाकुर

*पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेता प्रतिपक्ष ने द्रंग विधानसभा क्षेत्र के स्रोर मंडल के नवनिर्वाचित जिला परिषद सदस्यों, पंचायत समिति सदस्यों, प्रधानों, उप-प्रधानों एवं भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ की बैठक*

**» प्रथम न्यूज । मंडी**

**04 जून ( एएम नाथ )**

पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने द्रंग विधानसभा क्षेत्र के स्रोर मंडल के नवनिर्वाचित जिला परिषद सदस्यों, पंचायत समिति सदस्यों, प्रधानों, उप-प्रधानों एवं भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ एक महत्वपूर्ण सांगठनिक बैठक की, जिसमें क्षेत्र के विकास, जनहित के ज्वलंत मुद्दों और पंचायतों की भावी कार्ययोजना पर विस्तार से रणनीति तैयार की गई। इस अवसर पर सभी नवनिर्वाचित जनप्रतिनिधियों को बधाई व उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं देते हुए जयराम ठाकुर ने कहा कि जनता ने जो विश्वास आप पर जताया है, उसे पूरी निष्ठा, पारदर्शिता और समर्पण के साथ निभाते हुए अपने-अपने क्षेत्रों के विकास को नई गति दें।

मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू पर तीखा हमला बोलते हुए नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि आज जो आप लोग चुनाव जीतकर आए हैं, उसके

पीछे भारतीय जनता पार्टी का एक लंबा और कड़ा कानूनी संघर्ष रहा है क्योंकि मुख्यमंत्री सुक्खू अपनी तय हार को देखते हुए चुनाव समय पर नहीं करवाना चाहते थे। उन्होंने कहा कि इस तानाशाही रवैये के खिलाफ भाजपा हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट गई, जहां दोनों जगह सुक्खू सरकार को मुंह की खानी पड़ी और अंततः सर्वोच्च अदालत के कड़े निर्देश के बाद 31 मई से पहले यह चुनाव संपन्न कराने पड़े।

जयराम ठाकुर ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री सुक्खू पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की तरह अड़ियल रुख अपनाए हुए हैं और अपनी करारी हार स्वीकार करने के बजाय लगातार झूठ का सहारा लेकर आंकड़े छिपा रहे हैं। उन्होंने कहा कि पहले स्थानीय निकाय चुनावों में हार के बाद मुख्यमंत्री ने झूठे आंकड़े पेश किए, फिर पंचायत चुनावों में 2400 प्रधानों की जीत का सफेद झूठ बोला, लेकिन जब भाजपा ने इसकी सूची मांगी तो सरकार के पास कोई जवाब नहीं था। इसके बाद जिला परिषद और पंचायत समिति चुनावों में भी कांग्रेस ने अपनी हार छिपाई, जबकि भाजपा ने यहां भी प्रचंड जीत के साथ इनसे दो नगर निगम छीनकर तीन जगह बड़ी जीत दर्ज की। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि मुख्यमंत्री की नैतिकता इसी में है कि वे इस प्रचंड जनादेश का सम्मान करें, क्योंकि सत्ता के नशे में चूर होकर वे अपने पद के नैतिक मूल्य पूरी तरह भूल चुके हैं। उन्होंने जीते हुए प्रतिनिधियों से आह्वान किया कि वे लोकतंत्र की सबसे छोटी इकाई की पहली परीक्षा पास कर चुके हैं, इसलिए अगले पांच साल पूरी ईमानदारी से जनता की सेवा करें और सबको साथ लेकर चलें। अब आपसी मनमुटाव भुलाकर संगठन को मजबूत करना बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा कि यह जीत एक पड़ाव मात्र है, हमारी असली मंजिल अभी बाकी है और झूठी गारंटियों वाली इस कांग्रेस सरकार से जनता का विश्वास पूरी तरह उठ चुका है, जिसके चलते आगामी विधानसभा चुनावों में कांग्रेस का पूरी तरह सफाया होना निश्चित है। आपदा के बाद चारों ओर मची तबाही का जिक्र करते हुए जयराम ठाकुर ने प्रशासनिक अधिकारियों को भी सख्त चेतावनी दी कि वे सरकार के दबाव में न आएं और अपनी सीमा में रहकर नवनिर्वाचित जनप्रतिनिधियों को परेशान न करें।

उन्होंने कड़े लहजे में कहा कि यदि सरकारी तंत्र के दबाव में आकर हमारे लोगों के घरों की नाप-नपाई करने की कोशिश की गई, तो समय आने पर हम उनके घरों की नाप-नपाई करने से भी गुरेज नहीं करेंगे। इस महत्वपूर्ण बैठक में बंजार के विधायक सुरेंद्र शौरी, आनी के विधायक लोकेंद्र सिंह और द्रंग के स्थानीय विधायक पूर्ण चंद ठाकुर विशेष रूप से उपस्थित रहे, जबकि इससे पूर्व नगवाईं में बंजार क्षेत्र से जीते जिला परिषद और पंचायत समिति के सदस्यों ने विधायक सुरेंद्र शौरी की अगुवाई में नेता प्रतिपक्ष से मुलाकात कर आगामी विकास कार्यों का खाका तैयार किया।

## राज्यपाल करेंगे अंतर्राष्ट्रीय शिमला समर फेस्टिवल का शुभारंभ, मुख्यमंत्री करेंगे समापन समारोह की अध्यक्षता

**» प्रथम न्यूज । शिमला**

**04 जून ( बी.शर्मा )**

8 से 12 जून, 2026 तक आयोजित किए जा रहे 5अंतर्राष्ट्रीय शिमला समर फेस्टिवल का शुभारंभ राज्यपाल हिमाचल प्रदेश कवीन्द्र गुप्ता करेंगे और महोत्सव का समापन मुख्यमंत्री हिमाचल प्रदेश ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू के कर कमलों द्वारा होगा। इसके अलावा 09 जून को विधायक शिमला शहरी हरीश जनारथा, 10 जून को शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर व 11 जून को उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री महोत्सव की सांस्कृतिक संध्याओं में बतौर मुख्य अतिथि शिरकत करेंगे।

यह जानकारी सरकारी प्रवक्ता ने देते हुए बताया कि हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी अंतर्राष्ट्रीय शिमला ग्रीष्मोत्सव का भव्य आयोजन किया जा रहा है जिसमें रंगा-रंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के अलावा विभिन्न खेल व अन्य प्रतियोगिताएं मुख्य आकर्षण रहेंगे। 8 से 12 जून, 2026 तक आयोजित होने वाली पांच सांस्कृतिक संध्याओं के अंतर्गत प्रथम सांस्कृतिक संध्या मशहूर बॉलीवुड पार्श्व गायक शबाब साबरी, द्वितीय सांस्कृतिक संध्या बॉलीवुड पार्श्व गायक ज्योतिका टांगरी, तृतीय सांस्कृतिक संध्या नाटी किंग कुलदीप शर्मा, चौथी संध्या मशहूर पंजाबी गायक गुरनाम भुल्लर व अंतिम सांस्कृतिक संध्या मशहूर पंजाबी गायक जस्सी गिल व बबल राय के नाम रहेगी।

अन्य आकर्षणों के तहत तिब्बत प्रदर्शन कला संस्थान व उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र पटियाला के कलाकार सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देंगे। इसके अलावा आर्ट फेस्टिवल, माई चैंपियन डॉग शो, हेल्थी बेबी शो, श्यामला मंथन, श्यामला मुशायरा, श्यामला कवि गोष्ठी, एंटी चिट्टा अंडर-21 जिला स्तरीय वॉलीबॉल प्रतियोगिता, लाइव बैंड शो, महा नाटी, छम्म नृत्य, वॉयस ऑफ माउंटेन, फैशन शो, मलखंभ, जुम्बा, शिमला स्वाद महोत्सव, हॉट एयर बैलून शो, हेलीकॉप्टर जाय राइड, शिमला ग्रीष्मोत्सव फिल्म फेस्टिवल, सड़क सुरक्षा पर विशेष जागरूकता अभियान व श्यामला रंग मच उत्सव मुख्य आकर्षण रहेंगे।

## जनगणना-2027 के प्रथम चरण में सभी नागरिक बनें भागीदार : उपायुक्त मुकेश रेपसवाल

**» प्रथम न्यूज । चम्बा**

**04 जून ( एएम नाथ )**

उपायुक्त एवं जिला जनगणना अधिकारी चम्बा मुकेश रेपसवाल ने जिले के सभी नागरिकों से जनगणना-2027 में सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने की अपील की है। उन्होंने कहा कि जनगणना किसी भी देश की सबसे महत्वपूर्ण सांख्यिकीय प्रक्रिया होती है, जो केवल जनसंख्या की गणना तक सीमित नहीं रहती, बल्कि देश की सामाजिक, आर्थिक और जनसांख्यिकीय स्थिति का व्यापक चित्र प्रस्तुत करती है। विकास योजनाओं, सरकारी नीतियों और विभिन्न कल्याणकारी कार्यक्रमों का आधार भी जनगणना से प्राप्त आंकड़े ही होते हैं।

उपायुक्त ने बताया कि जनगणना-2027 देश की पहली पूर्णतः डिजिटल जनगणना होगी, जिसे आधुनिक तकनीक और नागरिक सहभागिता के माध्यम से अधिक सटीक, पारदर्शी और प्रभावी बनाया जाएगा। जनगणना प्रक्रिया दो चरणों में आयोजित होगी। पहले चरण में मकान सूचीकरण एवं आवास जनगणना के तहत भवनों, मकानों और परिवारों से जुड़ी जानकारी एकत्रित की जाएगी। इसमें पेयजल, शौचालय, बिजली, इंटरनेट, ईंधन

तथा अन्य मूलभूत सुविधाओं से संबंधित आंकड़े शामिल होंगे। दूसरे चरण में जनसंख्या गणना की जाएगी, जिसके अंतर्गत प्रत्येक व्यक्ति की आयु, लिंग, शिक्षा, वैवाहिक स्थिति, व्यवसाय, भाषा और प्रवास संबंधी जानकारी दर्ज की जाएगी। इन आंकड़ों के आधार पर सरकार विभिन्न क्षेत्रों की आवश्यकताओं का आकलन कर योजनाएं तैयार करती है।

मुकेश रेपसवाल ने बताया कि जनगणना-2027 की सबसे महत्वपूर्ण विशेषता स्व-गणना (सेल्फ एन्यूमरेशन) सुविधा है। इसके तहत नागरिक 1 जून से 15 जून तक निर्धारित पोर्टल पर स्वयं अपने परिवार की जानकारी ऑनलाइन दर्ज कर सकते हैं। इसके लिए नागरिकों को पोर्टल पर पंजीकरण करना होगा, जहां परिवार के मुखिया का नाम, मोबाइल नंबर और ईमेल आईडी दर्ज करनी होगी। ओटीपी सत्यापन के बाद आवासीय भवन का स्थान डिजिटल मानचित्र पर चिन्हित कर प्रश्नावली भरनी होगी।

उन्होंने बताया कि जानकारी जमा करने से पहले नागरिक उसे जांच और संशोधित भी कर सकेंगे। अंतिम रूप से जानकारी सबमिट करने के बाद एक विशिष्ट सेल्फ एन्यूमरेशन आईडी (एसई आईडी) जारी की जाएगी। बाद में जनगणना कर्मी के आगमन पर यह आईडी प्रस्तुत करनी होगी, जिससे जानकारी का सत्यापन किया जा सकेगा।

उपायुक्त ने स्पष्ट किया कि जनगणना में दी गई सभी जानकारियां पूरी तरह गोपनीय रखी जाती हैं और उनका उपयोग केवल सांख्यिकीय उद्देश्यों के लिए किया जाता है। उन्होंने जिले के सभी नागरिकों से सही एवं पूर्ण जानकारी उपलब्ध कराने तथा इस राष्ट्रीय अभियान को सफल बनाने में सहयोग देने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि सटीक जनगणना ही बेहतर योजनाओं, संतुलित विकास और समृद्ध भविष्य की आधारशिला है।

## देश भर से आए 100 युवा देखेंगे अनूठी किन्नौरी संस्कृति

***विकसित वाइब्रेंट विलेज कार्यक्रम का आगाज, एक सप्ताह के लिए किन्नौर पहुंचे कई राज्यों के युवा प्रतिभागी***

**» प्रथम न्यूज । शिमला**

**04 जून ( बी.शर्मा )**

देश भर से आए करीब 100 युवा हफ्ते भर तक हिमाचल प्रदेश और खासकर किन्नौर की संस्कृति, रहन सहन, खानपान, विरासत, रणनीतिक महत्व और परंपराओं से रूबरू होंगे।

विकसित वाइब्रेंट विलेज कार्यक्रम 2026 के तहत किन्नौर के इस भ्रमण के दौरान युवाओं को यहां के अलग अलग गांवों में जाकर स्थानीय लोगों,पंचायतों, स्थानीय प्रशासन और सुरक्षा कर्मियों से मिलने का अवसर भी मिलेगा। जिससे वे न केवल देश की विविधतापूर्ण संस्कृति से अवगत होंगे बल्कि एक भारत श्रेष्ठ भारत की भावना के विभिन्न आयामों को जान सकेंगे। इस कार्यक्रम का आयोजन युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के अंतर्गत संचालित माई भारत द्वारा किया गया है। विकसित वाइब्रेंट विलेज कार्यक्रम 2026 का शुभारंभ कल भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) के बेस कैंप, रिकांगपिओ (किन्नौर) में हुआ। इस राष्ट्रीय स्तर के कार्यक्रम में बिहार, दमन एवं दीव, झारखंड, महाराष्ट्र, राजस्थान, तमिलनाडु तथा उत्तर प्रदेश सहित कई राज्यों के प्रतिभागी शामिल हुए हैं। शिविर स्थल पर सभी प्रतिभागियों का पारंपरिक हिमाचली रीति-रिवाजों के अनुसार हिमाचली टोपी और खतक भेंट कर स्वागत किया गया।

कार्यक्रम के तहत प्रतिभागियों को कार्यक्रम से संबंधित आवश्यक सामग्री, दिशा-निर्देश पुस्तिका तथा अन्य उपयोगी वस्तुओं से युक्त किट वितरित की गई। पहले दिन प्रतिभागियों को शिविर की रूपरेखा, उद्देश्यों और आगामी गतिविधियों की जानकारी भी दी गई। इस कार्यक्रम के जरिए देश के विभिन्न भौगोलिक और सांस्कृतिक क्षेत्रों से आए युवाओं को आपस में परिचित होने, विचारों का आदान-प्रदान करने और नई मित्रताएं स्थापित करने का अवसर मिल रहा है। प्रतिभागियों ने कार्यक्रम को राष्ट्रीय एकता और सांस्कृतिक समन्वय को मजबूत करने वाला महत्वपूर्ण मंच बताया।

उल्लेखनीय है कि विकसित वाइब्रेंट विलेज कार्यक्रम का उद्देश्य सीमावर्ती गांवों के समग्र विकास, स्थानीय संस्कृति के संरक्षण, युवाओं की सहभागिता तथा राष्ट्र निर्माण में उनकी सक्रिय भूमिका को प्रोत्साहित करना है। कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों को सीमांत क्षेत्रों की सामाजिक, सांस्कृतिक और विकासात्मक गतिविधियों से अवगत कराया जाएगा, जिससे वे ग्रामीण विकास और आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य को समझ सकें।

माई भारत अभियान के मुताबिक यह पहल युवाओं के माध्यम से राष्ट्रीय एकीकरण, सांस्कृतिक आदान-प्रदान, सामाजिक जागरूकता और विकसित भारत के संकल्प को साकार करने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

## एम्स बिलासपुर में 75 डॉक्टरों की होगी भर्ती, 24 विभागों में निकले पद; स्वास्थ्य सेवाओं को मिलेगा नया बल

**बिलासपुर/चंडीगढ़ ( पुनीत महाजन ) :** अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) बिलासपुर ने स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक सुदृढ़ बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए 24 विभिन्न विभागों में 75 डॉक्टरों की भर्ती प्रक्रिया शुरू कर दी है। संस्थान ने योग्य उम्मीदवारों से आवेदन आमंत्रित किए हैं, जिससे अस्पताल में विशेषज्ञ चिकित्सा सेवाओं को और मजबूती मिलेगी। जानकारी के अनुसार भर्ती के माध्यम से विभिन्न क्लीनिकल और नॉन-क्लीनिकल विभागों में फैकल्टी एवं विशेषज्ञ डॉक्टरों के पद भरे जाएंगे। इन नियुक्तियों से मरीजों को बेहतर उपचार सुविधाएं उपलब्ध होंगी और संस्थान की चिकित्सा एवं शोध गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलेगा।

एम्स बिलासपुर देश के प्रमुख स्वास्थ्य संस्थानों में से एक है और यहां लगातार बढ़ रही मरीजों की संख्या को देखते हुए विशेषज्ञ चिकित्सकों की आवश्यकता महसूस की जा रही थी। नई भर्ती के बाद अस्पताल में चिकित्सा सेवाओं की गुणवत्ता और दक्षता में उल्लेखनीय सुधार आने की उम्मीद है।

संस्थान प्रशासन ने इच्छुक और पात्र उम्मीदवारों से निर्धारित प्रक्रिया के तहत आवेदन करने की अपील की है। भर्ती से संबंधित विस्तृत जानकारी, पात्रता शर्तें और आवेदन प्रक्रिया एम्स बिलासपुर की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध कराई गई हैं। स्वास्थ्य क्षेत्र के विशेषज्ञों का मानना है कि इस भर्ती अभियान से न केवल एम्स बिलासपुर की कार्यक्षमता बढ़ेगी, बल्कि हिमाचल प्रदेश और आसपास के राज्यों के मरीजों को भी उच्च स्तरीय स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ मिलेगा।

## श्री राम के नाम से चिढ़ कांग्रेस की सनातन विरोधी मानसिकता का प्रमाण : राकेश जमवाल

**» प्रथम न्यूज । शिमला**

**04 जून ( बी.शर्मा )**

भाजपा के मुख्य प्रवक्ता राकेश जमवाल ने मंत्री जगत सिंह नेगी के हालिया बयान पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि कांग्रेस के नेता लगातार सनातन परंपराओं और हिंदू आस्था पर सवाल खड़े कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि जगत नेगी का बयान उनकी हताशा और राजनीतिक बौखलाहट को दर्शाता है, क्योंकि वे प्रदेश में कांग्रेस की कमजोर होती स्थिति और अपनी राजनीतिक असफलताओं को स्वीकार नहीं कर पा रहे हैं।

जमवाल ने कहा कि भगवान श्री राम करोड़ों भारतीयों की आस्था, संस्कृति और जीवन मूल्यों के प्रतीक हैं। जय श्री राम का उद्घोष किसी राजनीतिक दल का नारा नहीं, बल्कि देश की सांस्कृतिक चेतना का हिस्सा है। यदि कांग्रेस नेताओं को इस उद्घोष से आपत्ति है तो यह उनकी सनातन विरोधी मानसिकता को उजागर करता है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस के कई नेता समय-समय पर हिंदू आस्था और

परंपराओं पर प्रहार करते रहे हैं।

भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि मंत्री नेगी का बयान केवल भाजपा पर हमला नहीं, बल्कि करोड़ों राम भक्तों की भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाला है।

राजनीतिक मतभेद अपनी जगह हैं, लेकिन धार्मिक आस्था से जुड़े विषयों पर इस प्रकार की टिप्पणी दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस को समझना चाहिए कि भगवान श्री राम भारत की आत्मा हैं और उनके प्रति श्रद्धा किसी राजनीतिक सीमा में नहीं बंधी है।

राकेश जमवाल ने प्रदेश सरकार को एंट्री टैक्स के मुद्दे पर भी घेरा। उन्होंने कहा कि राज्य की सीमाओं पर एंट्री टैक्स लगाने का निर्णय कांग्रेस सरकार ने लिया था, जबकि भाजपा ने शुरू से इसका विरोध किया। भाजपा ने सरकार को आगाह किया था कि इस निर्णय का पर्यटन, व्यापार और आम जनता पर नकारात्मक प्रभाव पड़ेगा।

उन्होंने कहा कि अब जब इस फैसले का विरोध हो रहा है तो कांग्रेस सरकार अपनी जिम्मेदारी स्वीकार करने के बजाय भाजपा पर दोष मढ़ने का प्रयास कर रही है। जमवाल ने सवाल उठाया कि एंट्री टैक्स लागू करने की अधिसूचना किस सरकार ने जारी की थी और जनता से वसूली किसने की थी।

उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार आर्थिक कुप्रबंधन, बढ़ते करों और जनविरोधी फैसलों से जनता पर बोझ डाल रही है। भाजपा इन मुद्दों को लगातार जनता के सामने उठाती रहेगी और सरकार की विफलताओं को उजागर करती रहेगी।

## माँ शूलिनी मेला परम्परागत रूप से किया जाएगा आयोजित - डॉ. शांडिल

**» प्रथम न्यूज । शिमला**

**04 जून ( बी.शर्मा )**

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता तथा सैनिक कल्याण मंत्री कर्नल डॉ. धनीराम शांडिल ने कहा कि लोगों की आस्था का प्रतीक माँ शूलिनी मेला इस वर्ष भी परम्परागत रूप से 26, 27 व 28 जून, 2026 को आयोजित किया जाएगा। डॉ. शांडिल आज यहां माँ शूलिनी मेला के आयोजन के सम्बन्ध में शूलिनी मेला समिति की बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे।

डॉ. शांडिल ने संबंधित अधिकारियों को हर वर्ष की भांति पूजा स्थल व माँ शूलिनी की शोभायात्रा से सम्बन्धित सभी तैयारियां समय रहते पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने शोभा यात्रा के दौरान आवागमन की सुचारू व्यवस्था और भीड़ नियंत्रण के लिए विशेष प्रबंध करने को भी कहा। उन्होंने सम्बन्धित अधिकारियों को शूलिनी माता मंदिर से शोभा यात्रा आरम्भ स्थल तक मार्ग की मुरम्मत करने के निर्देश भी दिए।

स्वास्थ्य मंत्री ने मेले से सम्बन्धित विभिन्न समितियां शीघ्र गठित करने के निर्देश दिए।

डॉ. शांडिल ने उपमण्डलाधिकारी सोलन को निर्देश दिए कि विभिन्न स्थानों पर लगने

वाले भण्डारों की समय सारणी सुनिश्चित करें ताकि श्रद्धालु सुव्यवस्थित ढंग से भंडारे का प्रसाद ग्रहण कर सके। उन्होंने मेले के दौरान स्वच्छता का ध्यान रखने और विशेष तौर पर भण्डारा स्थलों के आस-पास साफ-सफाई बनाए रखने के निर्देश भी दिए।

उन्होंने सम्बन्धित अधिकारियों को मेले के दौरान शहर में पेयजल की समुचित व्यवस्था बनाए रखने तथा भण्डारों में जल वितरण के बर्तनों को ढक कर रखवाने के निर्देश भी दिए। उन्होंने हिमाचली लोक संस्कृति को बढ़ावा देने के दृष्टिगत प्रदेश के विभिन्न ज़िलों के सांस्कृतिक दलों को आमंत्रित करने तथा हिमाचली कलाकारों को सांस्कृतिक कार्यक्रमों में उचित स्थान देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी मेले में क्राफ्ट मेला, प्रदर्शनी, कुश्ती, ठोडो, रस्सा कशी, वॉलीबाल, बैडमिंटन, लॉन टेनिस, कबड्डी, शतरंज, टैबल टेनिस, जुडो आदि खेल-कूद गतिविधियां, नारा लेखन प्रतियोगिता, बेबी शो, फ्लावर शो, पैट शो जैसी गतिविधियां आयोजित की जाएंगी।

स्वास्थ्य मंत्री ने क्षेत्रीय प्रबंधक परिवहन अधिकारी सोलन को मेले के समय स्थानीय लोगों की सुविधा के लिए निःशुल्क बस सेवा चलाने के निर्देश भी दिए।

उन्होंने पुलिस विभाग को निर्देश दिए कि मेला अवधि में कानून एवं व्यवस्था तथा सुचारू यातायात बनाए रखने के लिए राष्ट्रीय कैडेट कोर की सेवाएं भी लें।

डॉ. शांडिल ने मेले के अवसर पर स्मारिका के प्रकाशन, मंच व मेला मैदान में बैठने की व्यवस्था, स्टॉल, आवास, परिवहन, प्राथमिक सहायता व स्वागत समिति से सम्बन्धित विभिन्न कार्य समयबद्ध पूरा करने को कहा। उपायुक्त सोलन मनमोहन शर्मा ने स्वास्थ्य मंत्री को विश्वास दिलाया कि उनके निर्देशों की अनुपालना की जाएगी व मेले का सफल आयोजन करवाया जाएगा।

सहायक आयुक्त नीरजा शर्मा ने बैठक की कार्यवाही का संचालन किया।

बैठक में बघाट सहकारी बैंक के अध्यक्ष अरुण शर्मा, जोगिन्द्र केन्द्रीय सहकारी बैंक के अध्यक्ष मुकेश शर्मा, प्रदेश जल प्रबंधन बोर्ड के सदस्य सुरेन्द्र सेठी, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल ठाकुर व रमेश ठाकुर, हिमाचल प्रदेश कांग्रेस के पूर्व सैनिक विभाग के उपाध्यक्ष कर्नल संजय शांडिल, प्रदेश खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति निगम निदेशक मण्डल के सदस्य जतिन साहनी, ज़िला कांग्रेस अध्यक्ष सुभाष बरमानी, खण्ड कांग्रेस अध्यक्ष सोलन मनीष ठाकुर, हिमाचल प्रदेश व्यापार कल्याण बोर्ड के सदस्य शोभित बहल, प्रदेश कांग्रेस समिति के सचिव विकास काल्टा, हिमाचल पथ परिवहन निगम के निदेश बोर्ड के सदस्य अजय वर्मा, उप महाधिवक्ता रोहित शर्मा, अरविंदर गुप्ता, शिव कुमार व संधीरा, शूलिनी माता के कारदार, पंचायती राज संस्थाओं तथा शहरी निकायों के नव निर्वाचित जन प्रतिनिधि, पुलिस अधीक्षक सोलन तिरुमलाराजू एसडी वर्मा, अतिरिक्त उपायुक्त राहुल जैन, नगर निगम आयुक्त एकता कापटा, उप पुलिस अधीक्षक बद्दी अशोक वर्मा सहित अन्य सरकारी व गैर सरकारी सदस्य उपस्थित थे।

प्रथम न्यूज
राष्ट्रीय हिंदी दैनिक
हरियाणा न्यूज
Website : www.prathamnews.in

## संक्षिप्त न्यूज

### खाद्य आपूर्ति विभाग ने घरेलू सिलेंडर की कालाबाजारी को रोकने के लिए 183 जगहों पर की रेड, 104 सिलेंडर किए बरामद

**कुरुक्षेत्र 4 जून ( बृज मोहन )** अतिरिक्त उपायुक्त विवेक आर्य ने कहा कि खाद्य आपूर्ति विभाग की तरफ से सब डिविजन के अनुसार सिलेंडरों की कालाबाजारी को रोकने और निरंतर सप्लाई को सुचारू बनाए रखने के लिए 4 टीमों का गठन किया गया है। इन टीमों ने अब तक 184 जगहों पर रेड की है और 104 सिलेंडर भी जब्त किए है। इस विभाग की टीमें लगातार फील्ड में सक्रिय रहकर गैस एजेंसियों पर निगरानी रख रही हैं। प्रतिदिन एजेंसियों से रिपोर्ट ली जा रही है, जिससे आपूर्ति की स्थिति पर सतत नजर बनी हुई है और उपभोक्ताओं को समय पर गैस उपलब्ध करवाई जा रही है।

उन्होंने कहा कि गैस की कालाबाजारी, जमाखोरी और अनधिकृत उपयोग को रोकने के लिए विशेष निरीक्षण अभियान चलाया जा रहा है। इसके साथ ही अस्पतालों, शिक्षण संस्थानों और विवाह जैसे आयोजनों के लिए व्यवसायिक गैस सिलेंडरों की विशेष व्यवस्था की गई है, जिसके लिए संबंधित कार्यालय में आवेदन किया जा सकता है। जमाखोरी करने वालों पर प्रशासन सख्त कार्रवाई करेगा। उन्होंने कहा कि जिला खाद्य एवं आपूर्ति नियंत्रक कार्यालय द्वारा एलपीजी से संबंधित शिकायतों के त्वरित समाधान के लिए विभिन्न अधिकारियों को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। इसके अलावा, जिला स्तर पर हेल्पलाइन नंबर 01744-294418 जारी किया गया है।

अतिरिक्त उपायुक्त विवेक आर्य ने कहा कि कहा कि जिले में गैस सिलेंडरों सहित पेट्रोल-डीजल की आपूर्ति पूरी तरह सामान्य है और किसी प्रकार की कोई कमी नहीं है। उपभोक्ताओं की मांग के अनुरूप पर्याप्त मात्रा में गैस सिलेंडर उपलब्ध हैं। उन्होंने कहा कि ईंधन की आपूर्ति व्यवस्था को सुचारू बनाए रखा जाए और किसी भी स्तर पर बाधा नहीं आने दी जाए। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि वे केवल आवश्यकता अनुसार ही गैस की बुकिंग करें और अनावश्यक भंडारण से बचें।

### पंचकूला फायरिंग कांड में बड़ा खुलासा, रोहित गोदारा गैंग के दो शूटर गिरफ्तार; घायल रतन लुबाना खतरे से बाहर

**चंडीगढ़ ( पुनीत महाजन )** - पंचकूला में हाल ही में हुई फायरिंग की सनसनीखेज घटना में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। डीसीपी क्राइम अमरिंदर सिंह ने मामले की जानकारी देते हुए बताया कि पुलिस ने इस मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि गिरफ्तार किए गए दोनों आरोपी कुख्यात गैंगस्टर रोहित गोदारा गैंग से जुड़े शूटर हैं।

डीसीपी क्राइम के अनुसार फायरिंग में घायल हुए रतन लुबाना की हालत अब स्थिर है और वह खतरे से बाहर हैं। उनका उपचार अस्पताल में चल रहा है तथा चिकित्सकों की टीम लगातार उनकी निगरानी कर रही है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि घटना के पीछे के कारणों, साजिश और अन्य संभावित आरोपियों की भूमिका की गहन जांच की जा रही है। गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ के आधार पर कई महत्वपूर्ण जानकारियां सामने आने की उम्मीद है। मामले से जुड़े सभी पहलुओं की जांच की जा रही है ताकि घटना के पूरे नेटवर्क का खुलासा किया जा सके। पंचकूला पुलिस ने स्पष्ट किया है कि संगठित अपराध और गैंगस्टर गतिविधियों के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा तथा कानून-व्यवस्था को चुनौती देने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। पुलिस की त्वरित कार्रवाई से मामले में महत्वपूर्ण प्रगति हुई है और आने वाले दिनों में और भी खुलासे होने की संभावना जताई जा रही है। डीसीपी क्राइम अमरिंदर सिंह ने नागरिकों से अपील की है कि किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तुरंत पुलिस को दें, ताकि अपराध पर प्रभावी नियंत्रण रखा जा सके।

# प्रदेश में सभी पात्र परिवारों को दी जाएगी आवास सुविधा: मुख्यमंत्री

## मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने हरियाणा विजन-2047 के तहत हाउसिंग फोर ऑल विभाग के अगले 5 साल के रोडमैप व कार्ययोजना की समीक्षा बैठक में दिए विस्तृत दिशा-निर्देश

**» प्रथम न्यूज । चंडीगढ़**
**04 जून ( मुकेश डोलिया )**

हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रत्येक प्रदेशवासी को रहने के लिए छत देना सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल है और वर्तमान केंद्र व प्रदेश सरकार द्वारा यह कार्य मिशन मोड में किया जा रहा है। उन्होंने हाउसिंग फोर ऑल विभाग को निर्देश दिए कि वे शेष बचे सभी पात्र परिवारों की पहचान कर उन्हें आवास उपलब्ध करवाने की विस्तृत कार्ययोजना तैयार करें। मुख्यमंत्री ने यह निर्देश बृहस्पतिवार को हरियाणा सिविल सचिवालय में हरियाणा विजन-2047 के तहत हाउसिंग फोर ऑल विभाग के अगले 5 साल के रोडमैप व कार्ययोजना की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए दिए। उन्होंने कहा कि यदि किसी अपात्र व्यक्ति या परिवार को योजना का लाभ दिया जाता है तो संबंधित अधिकारी-कर्मचारी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

हाउसिंग फोर ऑल के महानिदेशक श्री जे गणेशन ने प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी), प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण), मुख्यमंत्री शहरी आवास योजना, मुख्यमंत्री ग्रामीण आवास योजना 2.0 तथा लाइसेंसी कालोनियों में ईडब्ल्यूएस आवासों के वितरण के संबंध में विस्तार से जानकारी देते हुए बताया कि मुख्यमंत्री के आदेशानुसार विभाग द्वारा आगामी समय में बचे हुए पात्र परिवारों को आवास सुविधाएं उपलब्ध करवाने की कार्ययोजना तैयार की जा रही है। उन्होंने बताया कि अब तक 5 योजनाओं के तहत प्रदेश में 2,31,215 परिवारों को आवास उपलब्ध करवाने के लिए लगभग 2375 करोड़ रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की जा चुकी है। इनके अलावा 10649 प्लाट व फ्लैट वितरित करने हेतु तैयार है। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि इन प्लाट व फ्लैट के आबंटन का कार्य जल्द पात्र परिवारों को किया जाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार की कोशिश है कि हर पात्र परिवार को सरकारी मदद से छत मुहैया करवाई जाए, लेकिन यह भी सुनिश्चित करना आवश्यक है कि योजना का दुरुपयोग न हो। उन्होंने कहा कि सभी लाभार्थियों की सूची ग्राम पंचायतों में सार्वजनिक की जाए ताकि तसदीक हो सके कि लाभ लेने वाले परिवार वास्तव में योजना के लिए पात्र थे या नहीं। यदि यह साबित होता है कि अपात्र व्यक्तियों को योजना का लाभ दिया गया है तो संबंधित अधिकारियों-कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने घुमंतु जाति के ऐसे गरीब परिवारों के लिए पंजीकरण शुल्क में रियायत देने के भी निर्देश दिए जिनकी आर्थिक स्थिति खराब है। इस अवसर पर मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव श्री अरुण कुमार गुप्ता, डिपार्टमेंट ऑफ फ्यूचर की प्रधान सचिव श्रीमती अमनीत पी कुमार, हाउसिंग फोर ऑल के महानिदेशक श्री जे गणेशन, मुख्यमंत्री के ओएसडी श्री भारत भूषण भारती तथा ओएसडी एवं स्वर्ण जयंती हरियाणा राजकोषीय प्रबंधन संस्थान के महानिदेशक डॉ. राज नेहरू सहित अन्य अधिकारी भी उपस्थित थे।

# पंचकूला में बम धमकी से मचा हड़कंप, मेयर कार्यालय और मंदिरों को उड़ाने की चेतावनी; सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट पर

**» प्रथम न्यूज । चंडीगढ़**
**04 जून ( पुनीत महाजन )**

पंचकूला में उस समय हड़कंप मच गया जब मेयर कार्यालय को एक धमकी भरा ई-मेल प्राप्त हुआ, जिसमें कार्यालय के साथ-साथ शहर के कई प्रमुख मंदिरों को बम से उड़ाने की धमकी दी गई है। इस घटना के सामने आने के बाद प्रशासन और पुलिस विभाग में सतर्कता बढ़ा दी गई है तथा सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत किया जा रहा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार धमकी भरे ई-मेल में शहर के धार्मिक स्थलों को भी निशाना बनाने की बात कही गई है। मामले की गंभीरता को देखते हुए पंचकूला पुलिस, साइबर सेल और अन्य सुरक्षा एजेंसियों ने तत्काल जांच शुरू कर दी है। संबंधित स्थानों पर सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है तथा संदिग्ध गतिविधियों पर विशेष नजर रखी जा रही है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार ई-मेल भेजने वाले की पहचान करने के लिए साइबर विशेषज्ञों की सहायता ली जा रही है। ई-मेल की तकनीकी जांच के साथ-साथ उसके स्रोत और उद्देश्य का भी पता लगाया जा रहा है।

प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि वे किसी भी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान न दें तथा किसी संदिग्ध वस्तु या गतिविधि की जानकारी तुरंत पुलिस को दें। अधिकारियों का कहना है कि फिलहाल स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है और सुरक्षा एजेंसियां हर पहलू पर गंभीरता से काम कर रही हैं।

पंचकूला पुलिस ने आश्वासन दिया है कि मामले की गहन जांच की जा रही है और दोषी व्यक्ति की पहचान कर उसके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

# चंडीगढ़ इंडस्ट्रियल एरिया इलेक्ट्रॉनिक मार्केट में चोरों का आतंक, दिनदहाड़े हो रही चोरियां; व्यापारियों में रोष

**चंडीगढ़, 4 जून ( पुनीत महाजन )** - चंडीगढ़ के इंडस्ट्रियल एरिया स्थित इलेक्ट्रॉनिक मार्केट में लगातार बढ़ रही चोरी की घटनाओं ने व्यापारियों की चिंता बढ़ा दी है। मार्केट में आए दिन चोर दुकानों के बाहर रखे सामान के साथ-साथ दुकानों के अंदर घुसकर भी चोरी की वारदातों को अंजाम दे रहे हैं। व्यापारियों का कहना है कि लगभग हर तीसरे दिन किसी न किसी दुकान में चोरी की घटना सामने आ रही है, जिससे कारोबारियों में भय और असुरक्षा का माहौल बना हुआ है।

ताजा घटना कल शाम की है, जब प्लॉट नंबर 398 स्थित एक दुकान में एक चोर दुकानदार की मौजूदगी के बावजूद अंदर घुस गया और मौका देखकर कीमती सामान उठाकर फरार हो गया। पूरी घटना इतनी तेजी से हुई कि दुकानदार को इसकी भनक तक नहीं लगी। बाद में सामान गायब होने पर सीसीटीवी फुटेज की जांच में चोरी की वारदात का पता चला।

मार्केट के व्यापारियों ने प्रशासन और पुलिस विभाग से मांग की है कि इंडस्ट्रियल एरिया इलेक्ट्रॉनिक मार्केट में पुलिस गश्त बढ़ाई जाए तथा चोरी की घटनाओं पर रोक लगाने के लिए प्रभावी कदम उठाए जाएं। व्यापारियों का कहना है कि यदि समय रहते सख्त कार्रवाई नहीं की गई तो चोरों के हौसले और बढ़ सकते हैं तथा व्यापारियों को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ सकता है।

व्यापारियों ने चेतावनी दी है कि यदि चोरी की घटनाओं पर जल्द अंकुश नहीं लगाया गया तो वे सामूहिक रूप से प्रशासन के समक्ष अपना विरोध दर्ज कराने को मजबूर होंगे।

# चोरी के मामले में चंडीगढ़ पुलिस को बड़ी सफलता, दो आरोपी गिरफ्तार, 100% चोरीशुदा सामान बरामद

**» प्रथम न्यूज । चंडीगढ़**
**04 जून ( पुनीत महाजन )**

चंडीगढ़ पुलिस ने घर में घुसकर चोरी (हाउस लर्किंग एवं थेफ्ट) के एक मामले में बड़ी सफलता हासिल करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपियों की गिरफ्तारी के साथ चोरी किए गए सोने-चांदी के आभूषणों की शत-प्रतिशत बरामदगी भी कर ली है। इस कार्रवाई से मामले का सफलतापूर्वक खुलासा हो गया है।

पुलिस अधीक्षक (एसपी) के.एम. प्रियंका के निर्देशन तथा एसडीपीओ सेंट्रल दलबीर सिंह एवं थाना प्रभारी सारंगपुर इंस्पेक्टर अशोक कुमार की निगरानी में गठित विशेष टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपियों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार किया।

मामले के अनुसार 2 जून 2026 को थाना सारंगपुर में धानास निवासी नंदिनी के बयान पर मामला दर्ज किया गया था। शिकायतकर्ता ने बताया कि वह 22 मई को अपने परिवार सहित बिहार गई हुई थी। इस दौरान पड़ोसियों ने उनके घर में चोरी होने की सूचना दी। घर लौटने पर उन्होंने पाया कि मकान का ताला टूटा हुआ था और घर से करीब 14 तोला सोना तथा चांदी के आभूषण, जिनमें पायल, झुमके एवं नोज पिन आदि शामिल थे, चोरी हो चुके थे।

मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने जांच शुरू की और कुछ ही समय में दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान गौरव उर्फ बिल्ला (18 वर्ष) निवासी स्मॉल फ्लैट्स, धानास तथा धरम कुमार (19 वर्ष) निवासी ईडब्ल्यूएस कॉलोनी, धानास के रूप में हुई है।

पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी किए गए सभी सोने एवं चांदी के आभूषण बरामद कर लिए हैं। इसके साथ ही मामले में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की अतिरिक्त धाराएं भी जोड़ी गई हैं। पुलिस के अनुसार जांच अभी जारी है और मामले से जुड़े अन्य पहलुओं की भी पड़ताल की जा रही है।

पुलिस जांच में यह भी सामने आया है कि आरोपी चोरी से पहले संभावित मकानों की रेकी करते थे और फिर सुनसान समय में वारदात को अंजाम देते थे। प्रारंभिक पूछताछ में यह भी पता चला है कि आरोपी अपनी नशे एवं अन्य व्यक्तिगत जरूरतों को पूरा करने के लिए चोरी की घटनाओं को अंजाम देते थे। चंडीगढ़ पुलिस ने इस सफलता को टीमवर्क और पेशेवर जांच का परिणाम बताते हुए नागरिकों से भी सतर्क रहने तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को देने की अपील की है।

# एमडब्ल्यूबी द्वारा हिमाचल प्रदेश के पत्रकारों के लिए 10-10 लाख रुपये की निःशुल्क एक्सीडेंटल पॉलिसी का शुभारंभ 9 जून को

**» प्रथम न्यूज । चंडीगढ़**
**04 जून ( मुकेश डोलिया/पुनीत महाजन )**

मीडिया वेल-बीइंग एसोसिएशन (एमडब्ल्यूबी) उत्तर भारत की हिमाचल प्रदेश इकाई द्वारा पत्रकारों के कल्याण, सुरक्षा और सम्मान के उद्देश्य से 9 जून 2026 को शिमला में एक विशेष समारोह का आयोजन किया जा रहा है। होटल हॉली डे होम (हाईकोर्ट के निकट), शिमला में आयोजित इस कार्यक्रम में प्रदेश के पत्रकारों के लिए 10-10 लाख रुपये की निःशुल्क एक्सीडेंटल इंश्योरेंस पॉलिसी का शुभारंभ एवं वितरण किया जाएगा।

एमडब्ल्यूबी उत्तर भारत के अध्यक्ष चंद्रशेखर धरणी ने बताया कि कार्यक्रम के मुख्य अतिथि हिमाचल प्रदेश के पंचायती राज एवं ग्रामीण विकास मंत्री अनिरुद्ध सिंह होंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता मुख्यमंत्री के प्रधान मीडिया सलाहकार नरेश चौहान करेंगे, जबकि शिमला नगर निगम के मेयर सुरेंद्र चौहान गेस्ट ऑफ ऑनर के रूप में उपस्थित रहेंगे।

शिमला शहरी विधायक हरीश जनारथा सम्माननीय अतिथि के रूप में समारोह की शोभा बढ़ाएंगे। धरणी ने बताया कि एमडब्ल्यूबी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष एवं हिमाचल प्रदेश प्रभारी संजय भूटानी की पहल पर यह महत्वपूर्ण योजना शुरू की जा रही है।

हिमाचल प्रदेश इकाई के अध्यक्ष विशाल सूद को इस कार्यक्रम का संयोजक बनाया गया है। कार्यक्रम में संगठन के महासचिव डॉ. सुरेंद्र

मेहता, कोषाध्यक्ष तरुण कपूर, उपाध्यक्ष पवन चोपड़ा तथा संगठन मंत्री मेवा सिंह राणा सहित कई पदाधिकारी भाग लेंगे।

डॉ. सुरेंद्र मेहता ने कहा कि मीडिया वेल-बीइंग एसोसिएशन पत्रकारों की सामाजिक, आर्थिक और स्वास्थ्य सुरक्षा के क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभा रही है। यह देश की पहली संस्था है, जिसने अपने संस्थापक सदस्यों को परिवार सहित कैशलेस हेल्थ इंश्योरेंस की सुविधा प्रदान की है। पिछले पांच वर्षों से संगठन पत्रकारों और उनके परिवारों की सुरक्षा के लिए निरंतर कार्य कर रहा है।

उन्होंने बताया कि विभिन्न राज्यों में सैकड़ों पत्रकारों को 10-10 लाख रुपये की टर्म इंश्योरेंस और एक्सीडेंटल इंश्योरेंस पॉलिसियां निःशुल्क उपलब्ध करवाई जा रही हैं। इसके अलावा चंडीगढ़ में पहली बार कैमरामैन के रूप में कार्यरत पत्रकारों को भी 10 लाख रुपये की दुर्घटना बीमा पॉलिसी प्रदान की जा रही है।

एमडब्ल्यूबी के अनुसार पत्रकारिता आज जोखिम भरा और चुनौतीपूर्ण पेशा बन चुकी है। ऐसे में पत्रकारों और उनके परिवारों को सुरक्षा प्रदान करना समय की आवश्यकता है। संगठन स्वास्थ्य सुरक्षा, बीमा, कानूनी सहायता, तकनीकी प्रशिक्षण और अन्य कल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से पत्रकारों के लिए मजबूत सामाजिक सुरक्षा तंत्र विकसित करने की दिशा में कार्य कर रहा है। यही कारण है कि आज एमडब्ल्यूबी पत्रकार कल्याण का एक सशक्त राष्ट्रीय मंच बनकर उभरा है।

# मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में प्रदेश निरंतर विकास के पथ पर बढ़ रहा है आगे : सुमन सैनी

## -उपाध्यक्षा सुमन सैनी ने ब्राह्मण समाज को 11 लाख रुपए और भाजपा वरिष्ठ नेता जयभगवान शर्मा डीडी ने 5 लाख रुपए देने की करी घोषणा

**» प्रथम न्यूज । कुरुक्षेत्र**
**04 जून ( बृज मोहन )**

हरियाणा राज्य बाल कल्याण परिषद उपाध्यक्षा सुमन सैनी ने कहा कि हरियाणा प्रदेश की पहचान भी हमारी संस्कृति, परंपराओं और आपसी भाईचारे से है। आज मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में प्रदेश निरंतर विकास के पथ पर आगे बढ़ रहा है। सरकार का प्रयास है कि समाज के हर वर्ग तक विकास पहुंचे, चाहे वह गरीब हो, किसान हो, मजदूर हो या महिला-हर किसी को आगे बढने का समान अवसर मिले। उन्होंने कहा कि भगवान विष्णु के छठे अवतार भगवान परशुराम जी का जीवन साहस, त्याग, तपस्या और धर्म की रक्षा का प्रतीक है। उन्होंने यह संदेश दिया कि जब समाज में अन्याय और अधर्म बढ़ जाए, तब चुप रहना उचित नहीं, बल्कि उसके खिलाफ खड़े होना ही सच्चा धर्म है। उनके जीवन की यह शिक्षा आज भी हमारे लिए उतनी ही महत्वपूर्ण है जितनी हजारों साल पहले थी।

हरियाणा राज्य बाल कल्याण परिषद उपाध्यक्षा सुमन सैनी रविवार को बाबैन में आयोजित भगवान परशुराम जन्मोत्सव समारोह में बतौर मुख्यातिथि बोल रही थी। उपाध्यक्षा सुमन सैनी ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। उपाध्यक्षा सुमन सैनी को ब्राह्मण समाज ने स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। उपाध्यक्षा सुमन सैनी ने ब्राह्मण समाज को 11 लाख रुपए और भाजपा वरिष्ठ नेता जयभगवान शर्मा डीडी ने 5 लाख रुपए देने की घोषणा की। इसके साथ ही आश्वासन देते हुए कहा कि ब्राह्मण समाज की सभी मांगों को मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से पूरा करवाया जाएगा। कार्यक्रम के अंत में ब्राह्मण समाज के उत्कृष्ट कार्य करने वाले युवा व युवतियों को पुरस्कार भी दिए।

उपाध्यक्षा सुमन सैनी ने कहा कि यह पावन अवसर हम सभी के लिए अत्यंत गौरव और आस्था का विषय है। यह दिन केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि हमारे जीवन को नई दिशा देने वाला, हमें अपने कर्तव्यों और मूल्यों की याद दिलाने वाला विशेष दिन है। उन्होंने कहा कि आज के समय में हम देख रहे हैं कि समाज तेजी से बदल रहा है। आधुनिकता के इस दौर में हम कहीं न कहीं अपने संस्कारों और परंपराओं से दूर होते जा रहे हैं। ऐसे समय में भगवान परशुराम जी का जीवन हमें यह सिखाता है कि चाहे समय कितना भी बदल जाए, हमें अपने मूल्यों को कभी नहीं छोड़ना चाहिए। सच्चाई, ईमानदारी और न्याय, ये ऐसे सिद्धांत हैं जो हमेशा हमें सही रास्ते पर ले जाते हैं।

उपाध्यक्षा सुमन सैनी ने युवाओं से कहा कि वे अपने इतिहास को जानें, अपने महापुरुषों के जीवन से प्रेरणा लें और अपने जीवन में अनुशासन और परिश्रम को अपनाएं। युवा शक्ति किसी भी समाज की सबसे बड़ी ताकत होती है। अगर युवा सही दिशा में आगे बढ़ेगा, तो देश का भविष्य भी उज्जवल होगा। उन्होंने कहा कि हरियाणा की महिलाएं आज हर क्षेत्र में आगे बढ़ रही हैं। चाहे वह शिक्षा हो, खेल हो, या समाज सेवा-महिलाएं अपनी एक अलग पहचान बना रही हैं, लेकिन इसके साथ-साथ हमारी जिम्मेदारी भी बढ़ जाती है कि हम अपने परिवार और समाज को सही दिशा में आगे बढ़ाएं।

उपाध्यक्षा सुमन सैनी ने कहा कि माताओं और बहनों का समाज निर्माण में बहुत बड़ा योगदान होता है। हम अपने बच्चों को जो संस्कार देते हैं, वही उनके जीवन की नींव बनते हैं। इसलिए हमें यह सुनिश्चित करना चाहिए कि हम अपने बच्चों को अच्छे संस्कार, नैतिक मूल्य और देशभक्ति की भावना सिखाएं। उन्होंने कहा कि आज का यह कार्यक्रम हमें एकता और भाईचारे का संदेश भी देता है। हम सब अलग-अलग पृष्ठभूमियों से आते हैं, लेकिन हमारी संस्कृति और हमारे मूल्य हमें एक सूत्र में बांधते हैं। हमें किसी भी प्रकार के भेदभाव से ऊपर उठकर एक-दूसरे का सम्मान करना चाहिए और मिल-जुलकर समाज को आगे बढ़ाना चाहिए।

उपाध्यक्षा सुमन सैनी ने कहा कि भगवान परशुराम जी ने हमें यह भी सिखाया कि शक्ति का उपयोग हमेशा अच्छे कार्यों के लिए होना चाहिए। आज के समय में हमें यह समझना होगा कि शिक्षा, ज्ञान और तकनीक हमारी सबसे बड़ी ताकत हैं, और इनका उपयोग हमें समाज के विकास के लिए करना चाहिए। ऐसे आयोजन न केवल हमारी संस्कृति को जीवित रखते हैं, बल्कि नई पीढ़ी को भी अपने इतिहास और परंपराओं से जोड़ते हैं। उन्होंने कहा कि सभी को भगवान परशुराम जी के आदर्शों को अपने जीवन में अपनाने का संकल्प लेना चाहिए। इससे हम सच्चाई और न्याय के मार्ग पर चलेंगे, अपने समाज में प्रेम, भाईचारा और एकता को बढ़ावा देंगे और एक मजबूत, समृद्ध और संस्कारित समाज के निर्माण में अपना योगदान देंगे।

इस मौके पर मुख्यमंत्री कार्यालय के प्रभारी कैलाश सैनी, सीएम मीडिया कॉर्डिनेटर तुषार सैनी, भाजपा वरिष्ठ नेता जयभगवान शर्मा डीडी, मार्केट कमेटी चेयरमैन डॉ. गणेश दत्त, चेयरमैन जसविंदर जस्सी, मंडल अध्यक्ष विकास शर्मा, मंडल अध्यक्ष शिव गुप्ता, मंडल अध्यक्ष नरेंद्र दबखेड़ा, मंडल अध्यक्ष अमरेंद्र सिंह, पूर्व मंत्री देवेंद्र शर्मा, सरपंच संजीव गोल्डी, कदम शर्मा, प्रधान सोम प्रकाश, डॉ. लोहित, आनंद जालखेड़ी, बबलू शर्मा, फकीर चंद सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

## आज का संपादकीय

# पर्यावरण दिवस : एक औपचारिकता या हमारी वास्तविक जिम्मेदारी?



**कनुप्रिया**
**(नूरपुर, हिमाचल प्रदेश)**

हर वर्ष पाँच जून को विश्व पर्यावरण दिवस बड़े उत्साह के साथ मनाया जाता है। विद्यालयों में भाषण प्रतियोगिताएँ होती हैं, रैलियाँ निकाली जाती हैं, पौधारोपण किए जाते हैं और पर्यावरण संरक्षण के बड़े-बड़े संदेश दिए जाते हैं। विभिन्न विभागों में सर्कुलर जारी होते हैं कि इस दिवस को विशेष रूप से मनाया जाए। कुछ समय के लिए ऐसा प्रतीत होता है मानो पूरा समाज प्रकृति के प्रति अत्यंत संवेदनशील हो उठा हो।

लेकिन सबसे बड़ा प्रश्न यही है कि क्या पर्यावरण दिवस केवल एक औपचारिकता बनकर रह गया है?

क्या एक दिन पौधा लगाकर और अगले ही दिन उसे भूल जाना वास्तव में पर्यावरण संरक्षण कहलाता है?

पर्यावरण दिवस का वास्तविक अर्थ केवल कार्यक्रम आयोजित करना नहीं, बल्कि प्रकृति के प्रति सचेत और जिम्मेदार बनना है। हमारे आसपास मौजूद पेड़-पौधे, नदियाँ, पहाड़, पशु-पक्षी और जलस्रोत इस धरती के संतुलन की महत्वपूर्ण कड़ियाँ हैं। यदि इनमें से एक भी कड़ी कमजोर होती है, तो उसका प्रभाव सम्पूर्ण जीवन पर पड़ता है।

आज विकास के नाम पर जिस प्रकार जंगलों की कटाई हो रही है, वह अत्यंत चिंताजनक है। प्रतिदिन समाचार पत्रों में कहीं न कहीं हजारों पेड़ों के काटे जाने की खबर दिखाई देती है। सड़कें चौड़ी हो रही हैं, भवन ऊँचे हो रहे हैं, लेकिन जंगल छोटे होते जा रहे हैं। सवाल यह है कि क्या ऐसा विकास वास्तव में मानवता के हित में है?

हाल ही में हिमाचल प्रदेश के ऊना जिले में लगभग एक हजार कीमती खैर के पेड़ों को काटे जाने की घटना सामने आई। कौन दोषी है और कौन नहीं, यह बाद की बहस का विषय हो सकता है, लेकिन कटे हुए पेड़ वापस नहीं लौटेंगे। एक पेड़ को बड़ा होने में वर्षों लगते हैं, जबकि उसे काटने में केवल कुछ मिनट। धरती का तापमान लगातार बढ़ रहा है। जलस्रोत सूख रहे हैं, नदियाँ सिकुड़ रही हैं और मौसम का संतुलन बिगड़ता जा रहा है। हिमालयी क्षेत्रों की अनेक जलधाराएँ समाप्त हो चुकी हैं, फिर भी यह चिंता समाज के केंद्र में दिखाई नहीं देती। दूसरी ओर बड़े-बड़े होटलों के स्विमिंग पूल पानी से भरे रहते हैं, जबकि लाखों लोग आज भी पीने के पानी के लिए कई किलोमीटर का सफर तय करने को मजबूर हैं।

हम बातें तो बहुत करते हैं-प्लास्टिक बंद होना चाहिए, जल संरक्षण होना चाहिए, पेड़ बचाने चाहिए-लेकिन व्यवहार में वही लापरवाही दिखाई देती है। यही हमारे समय की सबसे बड़ी विडंबना है कि हम पर्यावरण पर चर्चा अधिक करते हैं और संरक्षण कम।

भारतीय संस्कृति ने सदैव प्रकृति को पूजनीय माना है। नदियों को माँ कहा गया, वृक्षों को देवतुल्य माना गया और पृथ्वी को जीवनदाता। फिर आधुनिकता की दौड़ में हम अपनी ही धरोहरों को क्यों नष्ट कर रहे हैं?

आज सबसे अधिक आवश्यकता युवाओं को जागरूक करने की है।

युवा शक्ति यदि ठान ले, तो समाज और देश दोनों बदल सकते हैं। सोशल मीडिया पर अनेक युवा जलस्रोतों को बचाने, जंगलों को संरक्षित करने और स्वच्छता अभियानों में सक्रिय दिखाई देते हैं। यदि यही युवा एकजुट होकर राष्ट्रीय स्तर पर पर्यावरण संरक्षण का अभियान चलाएँ, तो धरती का स्वरूप बदल सकता है।

पर्यावरण दिवस तभी सार्थक होगा, जब यह केवल एक दिन का आयोजन न रह जाए, बल्कि हमारी आदतों और जीवनशैली का हिस्सा बन जाए। क्योंकि प्रकृति सुरक्षित रहेगी, तभी मानव जीवन सुरक्षित रहेगा।

पेड़ केवल लकड़ी नहीं, आने वाली पीढ़ियों की साँसें हैं; और जो समाज अपनी साँसें काटता है, उसका भविष्य कभी हरा-भरा नहीं रह सकता।

# पर्यावरण दिवस विशेष : औपचारिकता मत निभाओ, पर्यावरण को स्वच्छ बनाओ



**नरेन्द्र भारती**
**वरिष्ठ पत्रकार**

हर साल 5 जून को जब विश्व पर्यावरण दिवस आता है तो ऐसा लगता है जैसे हम सब एक दिन के लिए पर्यावरण प्रेमी बन जाते हैं। स्कूलों में निबंध लिखे जाते हैं, सरकारी दफ्तरों में भाषण होते हैं, संगठनों की रैलियाँ निकलती हैं, अखबारों में विशेष अंक छपते हैं और सोशल मीडिया पर हरे-भरे जंगलों और बहती नदियों की तस्वीरें लगाकर लोग लिखते हैं कि धरती बचानी है, पर्यावरण बचाना है। लेकिन 6 जून की सुबह सब कुछ फिर वही हो जाता है। सड़क पर वही प्लास्टिक की थैली पड़ी मिलती है, नदी में वही गंदगी बहती है, हवा में वही धुआँ घुला होता है। ऐसा लगता है जैसे पर्यावरण दिवस अब एक दिन की औपचारिकता बनकर रह गया है और यही औपचारिकता अब पर्यावरण के लिए सबसे बड़ा खतरा बन चुकी है।

समस्या यह नहीं है कि हम पर्यावरण के बारे में बात नहीं करते। बात तो बहुत होती है, बड़े-बड़े मंचों पर होती है, अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों में होती है। कार्बन उत्सर्जन घटाने के लक्ष्य तय होते हैं, ग्लोबल वार्मिंग रोकने की कसम खाई जाती है, जैव विविधता बचाने के प्रस्ताव पास होते हैं। लेकिन ज़मीन पर नतीजा वही ढाक के तीन पात। भारत में हर साल लाखों टन प्लास्टिक कचरा पैदा होता है और उसका बड़ा हिस्सा नदियों और समंदर में चला जाता है। दिल्ली-एनसीआर में सर्दियों के आते ही सांस लेना मुश्किल हो जाता है। गंगा, यमुना जैसी नदियाँ आज भी प्रदूषण से कराह रही हैं। पहाड़ों में जंगल कट रहे हैं, मैदानों में भूजल लगातार घट रहा है। कारण साफ है, हमने पर्यावरण को एक प्रोजेक्ट समझ लिया है, एक दिन का कार्यक्रम समझ लिया है, जबकि यह जीवन का सवाल है। जिस हवा में हम साँस लेते हैं, जिस पानी को पीते हैं, जिस मिट्टी पर फसल उगती है, वही अगर ज़हरीली हो जाए तो भाषणों और नारों का क्या फायदा।

औपचारिकता की सबसे बड़ी खराबी यह है कि वह हमारी संवेदना को मार देती है। जब हम हर साल एक दिन पेड़ लगाकर फोटो खिंचवा लेते हैं तो हमें लगता है हमने अपना कर्तव्य निभा दिया। लेकिन पेड़ लगाना उतना जरूरी नहीं है जितना लगाए हुए पेड़ को बचाना है। शहरों में हर साल हज़ारों पौधे लगाए जाते हैं लेकिन उनमें से आधे सूख जाते हैं क्योंकि किसी को पानी देने की फुर्सत नहीं होती। स्कूलों में बच्चे पर्यावरण पर भाषण देते हैं और घर जाकर प्लास्टिक का कचरा सड़क पर फेंक देते हैं। दफ्तरों में गो ग्रीन की मुहिम चलती है लेकिन कागज की बर्बादी और बिजली की बर्बादी वैसे ही चलती रहती है। यह दोहरापन ही सबसे खतरनाक है। हम पर्यावरण को बाहर की कोई चीज समझते हैं जबकि हम खुद प्रकृति का हिस्सा हैं। जब नदी गंदी होती है तो बीमारी हमारे घर आती है। जब हवा खराब होती है तो अस्थमा हमारे बच्चों को होता है। जब जंगल कटते हैं तो बाढ़ और सूखा हमारे खेतों को बर्बाद करता है।

अगर पर्यावरण को बचाना है तो बदलाव बड़े मंचों से नहीं, रोज़मर्रा की ज़िंदगी से शुरू करना होगा। सरकारें नीतियाँ बनाएँगी, उद्योग प्रदूषण कम करेंगे, यह उनकी ज़िम्मेदारी है। लेकिन आम नागरिक भी इससे अछूता नहीं है। सबसे आसान काम है प्लास्टिक कम करना। बाजार जाते समय कपड़े का थैला ले जाएँ, पानी की बोतल घर से भरकर ले जाएँ, खाने-पीने की चीजें स्टील या काँच के डिब्बे में रखें। यह छोटा लगता है लेकिन अगर करोड़ों लोग ऐसा करें तो लाखों टन प्लास्टिक कम हो जाएगा। दूसरा काम है कचरे का प्रबंधन। गीला और सूखा कचरा अलग करें। गीले कचरे से खाद बन सकती है, सूखे कचरे को रीसायकल किया जा सकता है। लेकिन जब सब कुछ एक ही कूड़ेदान में चला जाता है तो न खाद बनती है न रीसायकल होता है, सिर्फ कचरे के पहाड़ बढ़ते हैं। तीसरा काम है पानी और बिजली की बचत। नल खुला छोड़ देना, एसी 16 डिग्री पर चलाना, दिन में भी बत्तियाँ जलाए रखना, ये आदतें पर्यावरण पर सीधा असर डालती हैं। बिजली बनाने के लिए कोयला जलता है, कोयला जलने से हवा खराब होती है। पानी बर्बाद करने से भूजल घटता है। चौथा काम है हरियाली बढ़ाना। पेड़ लगाना जरूरी है लेकिन उससे भी जरूरी है लगे हुए पेड़ को बचाना। एक पेड़ 20 साल में बड़ा होता है लेकिन उसे काटने में 20 मिनट लगते हैं। अगर हर व्यक्ति अपने घर, गली, मोहल्ले में एक पेड़ की जिम्मेदारी ले तो शहरों का तापमान कम हो सकता है और हवा साफ हो सकती है।

प्रकृति का नियम बहुत साफ है, लेना उतना ही जितना लौटा सको। आदिवासी समाज सदियों से यही करते आए हैं। वे जंगल से लकड़ी लेते हैं लेकिन बीज भी बोते हैं। नदी से मछली लेते हैं लेकिन प्रजनन का समय छोड़ देते हैं। लेकिन आधुनिक समाज ने इस संतुलन को तोड़ दिया। हमने सोचा कि संसाधन असीमित हैं और नतीजा सामने है। ग्लेशियर पिघल रहे हैं, समुद्र का स्तर बढ़ रहा है, मौसम का मिज़ाज बिगड़ रहा है। गर्मी असहनीय हो रही है, बारिश अनियमित हो रही है। विज्ञान कहता है कि अगर तापमान 2 डिग्री से ज्यादा बढ़ा तो दुनिया के कई हिस्से रहने लायक नहीं रहेंगे। यह कोई दूर की बात नहीं है। भारत में ही हर साल हीटवेव से सैकड़ों लोग मरते हैं, फसलें बर्बाद होती हैं और सबसे ज्यादा मार गरीब पर पड़ती है।

अक्सर हम कहते हैं कि सरकार कुछ नहीं करती। यह सच भी है और आधा सच भी। सरकार की नीतियाँ महत्वपूर्ण हैं। प्रदूषण फैलाने वाली फैक्ट्रियों पर कार्रवाई होनी चाहिए, जंगलों की कटाई रोकी जानी चाहिए, सार्वजनिक परिवहन बेहतर होना चाहिए ताकि लोग निजी गाड़ी कम इस्तेमाल करें। लेकिन अगर नागरिक खुद जागरूक न हों तो कोई भी कानून काम नहीं करेगा। कानून डर पैदा करता है, आदत बदलाव लाती है और आदत घर से बनती है। माता-पिता अगर बच्चों को सिखाएँ कि कचरा कूड़ेदान में डालना है, पानी बर्बाद नहीं करना है, पेड़ लगाना है, तो अगली पीढ़ी अलग होगी। स्कूलों में पर्यावरण को सिर्फ किताबी विषय न बनाकर व्यवहार का हिस्सा बनाना होगा।

पर्यावरण दिवस का मतलब सेल्फी लेना नहीं है। इसका मतलब है रुककर सोचना कि मैं प्रकृति के लिए क्या कर रहा हूँ। क्या मैं उपभोक्ता बनकर सिर्फ ले रहा हूँ या संरक्षक बनकर कुछ लौटा भी रहा हूँ। इस दिन प्रण लें कि अगले साल तक अपने जीवन में कम से कम तीन बदलाव लाऊँगा। प्लास्टिक कम करूँगा, पानी बचाऊँगा, एक पेड़ की जिम्मेदारी लूँगा। अगर हर व्यक्ति ऐसा करे तो बदलाव दिखेगा। पर्यावरण कोई ह्लह्ल का प्रोजेक्ट नहीं है। यह आपका, मेरा, हम सबका घर है और घर को साफ रखना किसी और की जिम्मेदारी नहीं हो सकती।

औपचारिकता ने हमें सुस्त बना दिया है। हम सोचते हैं कि कोई और आएगा और सब ठीक कर देगा। लेकिन कोई और नहीं आएगा। प्रकृति इंतजार नहीं करती। वह प्रतिक्रिया देती है, कभी बाढ़ के रूप में, कभी सूखे के रूप में, कभी महामारी के रूप में। इस पर्यावरण दिवस पर कसम खाएँ कि हम भाषण कम करेंगे, काम ज्यादा करेंगे। फोटो कम खिंचवाएँगे, पेड़ ज्यादा लगाएँगे। नारे कम लगाएँगे, कचरा कम फैलाएँगे। क्योंकि अगर आज नहीं बदले तो कल बच्चों को सिर्फ तस्वीरों में साफ नदी, हरी वादियाँ और खुली हवा दिखानी पड़ेगी और तब कोई माफ नहीं करेगा। पर्यावरण को स्वच्छ बनाना है तो शुरुआत खुद से करनी होगी। यही असली पर्यावरण दिवस है और यही असली देशभक्ति है।



# विश्व पर्यावरण दिवस इतिहास, विषय वस्तु, चुनौतियां और समाधान...

### पर्यावरण की रक्षा, मानवता की सुरक्षा।

विश्व पर्यावरण दिवस हर वर्ष 5 जून को मनाया जाने वाला संयुक्त राष्ट्र का सबसे बड़ा पर्यावरणीय जन-जागरूकता अभियान है। इसकी शुरुआत 1972 में हुई थी और 1973 से इसका नियमित आयोजन किया जा रहा है। इसका उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण के प्रति लोगों, सरकारों और संस्थाओं को सक्रिय करना है।

वर्ष 2026 की वैश्विक थीम प्रकृति से प्रेरित, जलवायु के लिए, हमारे भविष्य के लिए रखी गई है। यह थीम स्पष्ट संदेश देती है कि जलवायु संकट का समाधान केवल तकनीकी उपायों से नहीं बल्कि प्रकृति के संरक्षण और पुनर्स्थापन से भी संभव है। जंगल, नदियां, आर्द्रभूमियां, मैंग्रोव वन और जैव विविधता पृथ्वी की प्राकृतिक सुरक्षा प्रणाली हैं। जलवायु परिवर्तन, जैव विविधता के क्षरण, प्रदूषण और प्राकृतिक संसाधनों के अत्यधिक दोहन जैसी गंभीर पर्यावरणीय चुनौतियों के प्रति विश्व समुदाय को जागरूक करना है। संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (ह्वश्वक्क) के नेतृत्व में आयोजित यह दिवस दुनिया भर के देशों, संस्थाओं और नागरिकों को प्रकृति-आधारित समाधानों को अपनाने के लिए प्रेरित करता है।

वर्ष 2026 में वैश्विक मेजबानी अजरबैजान द्वारा की जा रही है। मुख्य कार्यक्रम राजधानी बाकू में आयोजित हो रहे हैं। विश्व पर्यावरण दिवस वर्तमान में दुनिया के 150 से अधिक देशों में मनाया जाता है। विभिन्न देशों में रैलियां, वृक्षारोपण अभियान, स्वच्छता कार्यक्रम, पर्यावरण सम्मेलन और जन-जागरूकता गतिविधियां आयोजित की जाती हैं।

### आज पृथ्वी तीन बड़े पर्यावरणीय संकटों से घिरी हुई है

1. जलवायु परिवर्तन : ग्रीनहाउस गैसों के बढ़ते उत्सर्जन से पृथ्वी का औसत तापमान बढ़ रहा है।
2. जैव विविधता संकट : पौधों और जीव-जंतुओं की हजारों प्रजातियां विलुप्ति के कगार पर पहुंच चुकी हैं।
3. प्रदूषण संकट : वायु, जल, मिट्टी और ध्वनि प्रदूषण मानव स्वास्थ्य और पर्यावरण दोनों को प्रभावित कर रहे हैं।

यदि वर्तमान स्थिति जारी रही तो मानव समाज को निम्नलिखित चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है-

खाद्य संकट,पेयजल संकट,समुद्री तटों का डूबना ,स्वास्थ्य संबंधी गंभीर समस्याएं, कृषि उत्पादन में गिरावट,पर्यावरणीय विस्थापन,आर्थिक अस्थिरता प्राकृतिक आपदाओं की बढ़ती आवृत्ति

इसके लिए प्रकृति आधारित समाधान अपनाना होगा जैसेवनों का संरक्षण, वृक्षारोपण, जल संरक्षण, आर्द्रभूमियों का पुनर्जीवन,,जलवायु-अनुकूल जीवनशैली,ऊर्जा बचत सौर ऊर्जा का उपयोग,सार्वजनिक परिवहन,कार्बन उत्सर्जन में



कमी,सामुदायिक भागीदारी।

स्थानीय पर्यावरण अभियानों में भागीदारी, स्कूल एवं कॉलेज स्तर पर जागरूकता कार्यक्रम।

### विश्व पर्यावरण दिवस 2026 : इतिहास

विश्व पर्यावरण दिवस की जड़ें पर्यावरण कूटनीति के एक महत्वपूर्ण मोड़ से जुड़ी हैं- 5 जून, 1972 को स्टॉकहोम में मानव पर्यावरण पर आयोजित सम्मेलन। यह संयुक्त राष्ट्र का पहला बड़ा सम्मेलन था जो अंतरराष्ट्रीय पर्यावरण मुद्दों और जलवायु परिवर्तन पर केंद्रित था।

1972 : संयुक्त राष्ट्र महासभा ने आधिकारिक तौर पर 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस के रूप में नामित किया।

1973 : पर्यावरण संबंधी मामलों पर वैश्विक प्राधिकरण के रूप में कार्य करने के लिए संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (यूएनईपी) की स्थापना की गई।

1974 : विश्व पर्यावरण दिवस का पहला आयोजन केवल एक पृथ्वी की चिरस्थायी थीम के साथ मनाया गया।

1972 : संयुक्त राष्ट्र महासभा ने आधिकारिक तौर पर 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस के रूप में नामित किया।

1973 : पर्यावरण संबंधी मामलों पर वैश्विक प्राधिकरण के रूप में कार्य करने के लिए संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (यूएनईपी) की स्थापना की गई।

तब से इस आयोजन में अम्लीय वर्षा, ओजोन परत का क्षरण, जहरीले रसायन और चल रहे जलवायु संकट सहित कई बड़े वैश्विक खतरों से निपटा गया है।

मिट्टी पृथ्वी पर सबसे अधिक जैव विविधता वाला आवास है, जो सभी जीवित प्रजातियों के 59% से अधिक को आश्रय देती है। फिर भी, प्रकृति को केवल 3 सेंटीमीटर ऊपरी मिट्टी बनाने में 1,000 साल तक लग जाते हैं , जबकि हर 5 सेकंड में फुटबॉल मैदान के आकार की मिट्टी का कटाव हो जाता है।

मरुस्थलीकरण से निपटने के लिए ग्रेट ग्रीन वॉल इनिशिएटिव के तहत 22 अफ्रीकी देश अफ्रीका की पूरी चौड़ाई में 8,000 किलोमीटर लंबी वृक्षों की दीवार का निर्माण कर रहे हैं। इस नीति का उद्देश्य 2030 तक 10 करोड़ हेक्टेयर बंजर भूमि को पुनर्स्थापित करना है।

30 से अधिक देशों ने एकल-उपयोग वाले प्लास्टिक पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया है। इसके अतिरिक्त, यूरोपीय संघ ने ऐतिहासिक मरम्मत का अधिकार% कानून पारित किया है, जो निर्माताओं को इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को मरम्मत योग्य बनाने के लिए बाध्य करता है ताकि वैश्विक ई-कचरे को काफी हद तक कम किया जा सके।

भारत की लाइफस्टाइल फॉर एनवायरनमेंट (LiFE) एक शीर्ष-स्तरीय सरकारी जनादेश है जो जमीनी स्तर पर नागरिक आंदोलनों को बढ़ावा देता है, जिसमें व्यक्तियों को पानी बचाने और प्लास्टिक कचरे को कम करने जैसी टिकाऊ दैनिक आदतों को अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।

भारत ने 2030 तक 500 गीगावाट गैर-जीवाश्म ईंधन क्षमता के लक्ष्य के साथ दुनिया के सबसे बड़े नवीकरणीय ऊर्जा कार्यक्रमों में से एक की शुरुआत की है, जो भादला सोलर पार्क (दुनिया की सबसे बड़ी सौर स्थापना) और भारी उद्योगों को स्वच्छ बनाने के लिए राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन जैसी पहलों से जुड़ा है।

विश्व पर्यावरण दिवस 2026 हमें याद दिलाता है कि हमारी धरती की रक्षा करना अब कोई विकल्प नहीं बल्कि मानव अस्तित्व का प्रश्न है।

हम निष्क्रिय दर्शक से सक्रिय संरक्षक बन सकते हैं, क्योंकि यही एकमात्र घर हमारा है।

जल बचाओ, जंगल बचाओ, पर्यावरण को स्वच्छ बनाओ।

**शशि पाल**
**प्रवक्ता इतिहास**

# भारत का आगे का रास्ता : धार्मिक पहचान और राष्ट्रीय जुड़ाव में संतुलन

**सुरिन्दर पाल चौहान**
**चंडीगढ़**

भारत कभी भी एक जैसी सभ्यता पर बना नहीं रहा है। यह एक ऐसी ज़मीन है जहाँ सदियों से अनगिनत धर्म, भाषाएँ, रीति-रिवाज और परंपराएँ एक साथ रही हैं और इसने एक अनोखी सभ्यता की सोच बनाई है जो अलग-थलग करने के बजाय सबको साथ लेकर चलने पर आधारित है। सम्राट अशोक की पुरानी शिक्षाओं से, जिन्होंने कलिंग युद्ध के बाद सभी पंथों का सम्मान करने की बात कही थी, कबीर और गुरु नानक जैसे संतों की सबको साथ लेकर चलने वाली आध्यात्मिक परंपराओं तक, भारत का इतिहास आस्था और सबके साथ के बीच लगातार बातचीत को दिखाता है। भारत का विचार कभी भी धार्मिक पहचान को मिटाने के लिए नहीं था; बल्कि, इसने एक साझा राष्ट्रीय सोच के अंदर अलग-अलग तरह की चीज़ों को एक साथ लाने की कोशिश की।

लेकिन, आजकल धर्म और राष्ट्रवाद से जुड़े सवाल बहुत ज़्यादा सेंसिटिव हो गए हैं। पब्लिक बातचीत अक्सर पॉलिटिकल बयानबाजी, गलत जानकारी और सोशल मीडिया की कहानियों से बंट जाती है, जो धार्मिक पहचान और देश के प्रति वफादारी को एक-दूसरे से अलग दिखाने की कोशिश करती हैं। ऐसी बाइनरी उस नींव को ही कमज़ोर करती है जिस पर मॉडर्न इंडिया बना था। बी. आर. अंबेडकर जैसे दूर की सोचने वालों की लीडरशिप में बने भारतीय संविधान ने जानबूझकर एक धर्म के विचार को खारिज कर दिया और इसके बजाय हर नागरिक को देश के डेमोक्रेटिक ढांचे में बराबर का हिस्सा बने रहते हुए धर्म को मानने और फैलाने की आज़ादी की गारंटी दी।

आज भारत के सामने चुनौती धर्म और राष्ट्र के बीच चुनने की नहीं है, बल्कि यह पक्का करना है कि दोनों एक साथ रहें, जिससे सामाजिक मेलजोल, संवैधानिक नैतिकता और राष्ट्रीय एकता मज़बूत हो। भारत की मिली-जुली संस्कृति ठीक यही रास्ता दिखाती है। राष्ट्र के बारे में भारत की समझ ऐतिहासिक रूप से दुनिया के कई हिस्सों में देखी जाने वाली पहचान की पक्की सोच से अलग रही है। भारतीय सभ्यता सांस्कृतिक लेन-देन, माइग्रेशन और आध्यात्मिक मेलजोल से विकसित हुई। पुराने व्यापार के रास्ते यहूदियों, ईसाइयों और पारसियों को कई नए राष्ट्र-राज्यों के बनने से बहुत पहले भारतीय तटों पर लाए थे। ज़ुल्म के बजाय, इन समुदायों को अपनापन और सुरक्षा मिली। इस्लाम के आने से आर्किटेक्चर, संगीत, साहित्य, भाषा और आध्यात्मिकता के ज़रिए भारत का सांस्कृतिक माहौल और भी बेहतर हुआ। उत्तर भारत में गंगा-जमुनी तहज़ीब का उभरना परंपराओं के इस मेल का प्रतीक था, जहाँ अलग-अलग धर्मों के लोग एक-दूसरे की सामाजिक और सांस्कृतिक ज़िंदगी में हिस्सा लेते थे। भक्ति और सूफी आंदोलनों ने मिलकर रहने की इस भावना को बढ़ावा देने में एक बड़ा बदलाव लाने वाला रोल निभाया। मोइनुद्दीन चिश्ती, निज़ामुद्दीन औलिया और कबीर जैसे संतों ने कट्टर सांप्रदायिक सीमाओं से परे दया, विनम्रता और भक्ति का उपदेश दिया। उनकी शिक्षाएं आम भारतीयों के दिलों में उतर गईं क्योंकि उन्होंने बंटवारे के बजाय इंसानियत पर ज़ोर दिया। आज़ादी की लड़ाई के दौरान भी, अलग-अलग धार्मिक बैकग्राउंड के नेता कॉलोनियलिज़्म के खिलाफ़ एक साथ खड़े हुए। महात्मा गांधी ने बार-बार कहा कि धर्म को नैतिक आचरण को गाइड करना चाहिए, न कि नफ़रत को बढ़ावा देना चाहिए। इसी तरह, मौलाना अबुल कलाम आज़ाद जैसे नेताओं ने तर्क दिया कि गहरा मुस्लिम होना और गहरा भारतीय होना एक-दूसरे से अलग पहचान नहीं हैं, बल्कि एक-दूसरे को पूरा करने वाली पहचान हैं। आज़ाद भारत ने संवैधानिक सुरक्षा उपायों के ज़रिए इस सोच को संस्थागत बनाया। संविधान के आर्टिकल 25 से 28 धर्म की आज़ादी की गारंटी देते हैं, जिससे हर नागरिक आज़ादी से अपने धर्म को मान सकता है और उसका पालन कर सकता है। साथ ही, आर्टिकल 14, 15 और 16 कानून के सामने बराबरी पक्का करते हैं और धर्म, जाति, लिंग या जन्म की जगह के आधार पर भेदभाव पर रोक लगाते हैं। इस तरह संविधान एक बैलेंस बनाता है जहाँ धार्मिक पहचान का सम्मान किया जाता है, लेकिन नागरिकता ही आम बाध्यकारी ताकत बनी रहती है। खास बात यह है कि आर्टिकल 32 के तहत संवैधानिक उपाय नागरिकों को यह अधिकार देते हैं कि जब भी बुनियादी अधिकारों का उल्लंघन हो तो वे सुप्रीम कोर्ट जा सकें, जिससे संवैधानिक सुरक्षा सिर्फ़ दिखावटी नहीं बल्कि लागू करने लायक बन जाती है।

फिर भी, सिर्फ़ संवैधानिक गारंटी काफ़ी नहीं हैं, जब तक कि समाज मिलकर भरोसा और हमदर्दी न बढ़ाए। आज का भारत डिजिटल गलत जानकारी, इतिहास की चुनी हुई व्याख्याओं और राजनीतिक ध्रुवीकरण से बढ़ते सांप्रदायिक शक की चुनौती का सामना कर रहा है। धार्मिक पहचान का इस्तेमाल कभी-कभी चुनावी फ़ायदे के लिए किया जाता है, जिससे नागरिकों को देश की तरक्की में बराबर का हिस्सा मानने के बजाय सांप्रदायिक कैटेगरी में डाल दिया जाता है। ऐसे ये रुझान उस सामाजिक ताने-बाने के लिए खतरा हैं जिसने ऐतिहासिक रूप से भारत को अलग-थलग करने वाले समाजों से अलग रखा है।

साथ ही, ऐसे अनगिनत उदाहरण हैं जो भारत की मिली-जुली संस्कृति को और पक्का करते हैं। पूरे देश में, हिंदू ईद मनाते हैं, मुसलमान गुरुपर्व पर लंगर बांटते हैं, सिख मुश्किल समय में मंदिरों और मस्जिदों की रक्षा करते हैं, और ईसाई धर्म की परवाह किए बिना लोगों की सेवा करने वाले एजुकेशनल और हेल्थकेयर इंस्टीट्यूशन चलाते हैं। प्राकृतिक आपदाओं और देश की इमरजेंसी के दौरान, आम भारतीय बार-बार दिखाते हैं कि दया धर्म की सीमाओं से परे होती है। भारतीय सेना भी विविधता में एकता का एक मज़बूत उदाहरण बनी हुई है, जहाँ अलग-अलग धर्मों के सैनिक एक ही तिरंगे की रक्षा बराबर लगन से करते हैं।

भारत की असली ताकत एक ही समय में कई पहचानों को जगह देने की उसकी काबिलियत में है। एक इंसान एक ही समय में गर्व से धार्मिक और गर्व से भारतीय हो सकता है। संविधान नागरिकों से अपनी मान्यताओं को मिटाने के लिए नहीं कहता; यह उनसे न्याय, आज़ादी, बराबरी और भाईचारे को बनाए रखने के लिए कहता है। ये मूल्य आस्था के खिलाफ नहीं हैं। असल में, ज़्यादातर धार्मिक परंपराएं दया, ईमानदारी और साथ रहने को ऐसे सिद्धांतों के तौर पर सपोर्ट करती हैं जो डेमोक्रेसी को कमज़ोर करने के बजाय मज़बूत करते हैं।

भारत का भविष्य धार्मिक पहचान और देश से जुड़ाव के बीच नाजुक लेकिन मज़बूत बैलेंस बनाए रखने पर निर्भर करता है। देश की सभ्यता की यात्रा दिखाती है कि डाइवर्सिटी कभी भी इसकी कमज़ोरी नहीं रही; यह हमेशा इसकी सबसे बड़ी ताकत रही है। ऐसे कई लोगों वाले समाज पर एक जैसापन थोपने की कोशिशों से भारत की आत्मा को ही नुकसान पहुंचने का खतरा है। देश की एकता डर या शक से नहीं बन सकती; यह आपसी सम्मान, कानूनी भरोसे और मिली-जुली ज़िम्मेदारी से ही आनी चाहिए। भारत की मिली-जुली संस्कृति; जो सदियों से साथ रहने से बनी है, इसकी सबसे कीमती विरासत है। दुनिया भर में बंटवारे के दौर में, भारत एक ऐसे मॉडल के तौर पर खड़ा रह सकता है जहाँ आस्था और देश एक-दूसरे से टकराते नहीं हैं, बल्कि साथ-साथ रहते हैं। सच में भारतीय होने का मतलब अपनी धार्मिक पहचान को नकारना नहीं है, बल्कि इस बड़े विचार को अपनाना है कि बहुत ज़्यादा अलग-अलग होने के बावजूद भी एकता मुमकिन है

प्रथम न्यूज
राष्ट्रीय हिंदी दैनिक
हिमाचल न्यूज
Website : www.prathamnews.in

## संक्षिप्त न्यूज

### ठाकुर कुश्ती अकादमी चांदपुर के पहलवान सौरव का भारतीय कुश्ती टीम में चयन

**बरठी, 4 जून (देशराज)** ठाकुर कुश्ती अकादमी चांदपुर के होनहार युवा पहलवान सौरव का चयन भारतीय अंडर-15 ग्रीको रोमन कुश्ती टीम में हुआ है। सौरव ने लखनऊ उत्तर प्रदेश में आयोजित ट्रायल में शानदार और एकतरफा प्रदर्शन करते हुए 38 किलोग्राम भार वर्ग में भारतीय टीम में अपना स्थान पक्का किया। सौरव अब थाईलैंड के पटाया में आयोजित होने वाली अंडर-15 एशियन कुश्ती चैंपियनशिप में भारत का प्रतिनिधित्व करेगा। विशेष बात यह है कि सौरव अंडर-15 आयु वर्ग में भारत का प्रतिनिधित्व करने वाला हिमाचल प्रदेश का पहला पहलवान बन गया है, जिससे पूरे प्रदेश में खुशी की लहर है। अकादमी के संचालक व कोच विवेक ठाकुर ने बताया कि सौरव ने अपनी मेहनत, अनुशासन और लगन के दम पर यह मुकाम हासिल किया है। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि न केवल सौरव और उसके परिवार के लिए, बल्कि पूरे हिमाचल प्रदेश तथा ठाकुर कुश्ती अकादमी के लिए गौरव का विषय है। उन्होंने विश्वास जताया कि सौरव एशियन चैंपियनशिप में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन कर देश और प्रदेश का नाम रोशन करेगा। सौरव की इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर हिमाचल प्रदेश कुश्ती संघ, खेल प्रेमियों, अकादमी के प्रशिक्षकों, अभिभावकों तथा क्षेत्रवासियों ने उसे बधाई देते हुए उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी हैं।

### बीडीओ कार्यालय बिलासपुर में मासिक बैठक एवं स्वच्छता अभियान आयोजित

**बिलासपुर, (जितेंद्र गौतम/धर्मपाल)**- बी.डी.ओ. सदर बिलासपुर विजय कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि आज कार्यालय परिसर में मासिक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में ग्राम पंचायतों में चल रहे विभिन्न विकास कार्यों पर चर्चा की गई। बैठक में विभिन्न ग्राम पंचायतों के सचिव, ग्राम रोजगार सेवक तथा तकनीकी सहायकों ने भाग लिया। उन्होंने बताया कि इस दौरान कार्यालय परिसर में स्वच्छ भारत अभियान के अंतर्गत स्वच्छता गतिविधियों का भी आयोजन किया गया। जिसके तहत कार्यालय परिसर की सफाई, पानी के टैंकों के साथ-साथ पानी के मुख्य स्रोतों की भी साफ-सफाई की गई। उन्होंने जिला प्रशासन के निर्देशों की अनुपालना के तहत सभी कर्मचारियों को अपने आसपास तथा पंचायत स्तर पर समुचित साफ-सफाई सुनिश्चित बनाने तथा जन भागीदारी पर बल दिया।

### हिमाचल के पांच जिलों में अंधड़ और ओलावृष्टि का अलर्ट, शिमला में दोपहर बाद भारी बारिश की चेतावनी

**शिमला/चंडीगढ़(पुनीत महाजन)**- हिमाचल प्रदेश में मौसम ने एक बार फिर करवट ली है। मौसम विभाग ने प्रदेश के पांच जिलों में तेज अंधड़, ओलावृष्टि और भारी बारिश को लेकर अलर्ट जारी किया है। विभाग के अनुसार शिमला सहित कई क्षेत्रों में दोपहर 1 बजे के बाद मौसम के अचानक बिगड़ने की संभावना है।

मौसम विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि तेज हवाओं के साथ भारी बारिश और ओलावृष्टि से जनजीवन प्रभावित हो सकता है। किसानों और बागवानों को विशेष सतर्कता बरतने की सलाह दी गई है, क्योंकि खराब मौसम से फसलों और फलों को नुकसान पहुंचने की आशंका है। प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि खराब मौसम के दौरान अनावश्यक यात्रा से बचें तथा पहाड़ी और संवेदनशील क्षेत्रों में विशेष सावधानी बरतें। पर्यटकों को भी मौसम की ताजा जानकारी लेकर ही यात्रा करने की सलाह दी गई है। मौसम विभाग के अनुसार आगामी कुछ घंटों में शिमला, मंडी, कुल्लू, चंबा और कांगड़ा सहित कई क्षेत्रों में गरज-चमक के साथ बारिश हो सकती है। विभाग लगातार मौसम की निगरानी कर रहा है और स्थिति के अनुसार आगे के अपडेट जारी किए जाएंगे। प्रदेशवासियों से अपील की गई है कि वे मौसम विभाग द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करें और किसी भी आपात स्थिति में स्थानीय प्रशासन से संपर्क करें।

### एंटी चिट्टा अंतर-जिला वॉलीबॉल चैंपियनशिप (बॉयज) के लिए चयन परीक्षण कल

**शिमला, (बी. शर्मा)**- अतिरिक्त जिला दंडाधिकारी (कानून एवं व्यवस्था) पंकज शर्मा ने बताया कि अन्तर्राष्ट्रीय शिमला समर फेस्टिवल-2026 में पहली एंटी चिट्टा अंडर-21 जिला स्तरीय वॉलीबॉल चैंपियनशिप (बॉयज) का आयोजन किया जा रहा है जिसके लिए चयन परीक्षण 05 जून, 2026 को एम.सी ग्राउंड संजौली में प्रात: 10 बजे से आरम्भ होगा। चयन परीक्षण के लिए खिलाड़ियों को जन्म तिथि का मूल प्रमाण व आधार कार्ड साथ लाना अनिवार्य होगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि चयन परीक्षण के लिए खिलाड़ियों को यात्रा भत्ता प्रदान नहीं किया जाएगा, प्रतिभागी जिला शिमला का निवासी होना चाहिए और प्रतिभागी का जन्म 01 जनवरी, 2005 को या उसके उपरांत होना चाहिए। चैंपियनशिप के लिए अच्छी भागीदारी और सबसे अच्छे टैलेंट का चुनाव पक्का करने के लिए, सिलेक्शन ट्रायल आयोजित करवाए जा रहे हैं ताकि तीन डिस्ट्रिक्ट वॉलीबॉल टीमें बनाई जा सके जो इस मशहूर टूर्नामेंट में शिमला जिला का प्रतिनिधित्व करेंगी। पंकज शर्मा ने बताया कि प्रदेश के युवाओं को नशे से दूर रखने और चिट्टे जैसे जानलेवा नशे के दुष्प्रभावों के प्रति युवाओं को जागरूक करने के लिए एंटी चिट्टा अभियान आरम्भ किया गया है जिसके तहत इस प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि वॉलीबॉल प्रतियोगिता की विजेता टीम को 1 लाख रुपये, रनर अप टीम को 50 हज़ार और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाली टीम को 25 हजार रुपए की राशि ट्रॉफी व मेडल प्रदान किए जाएंगे। इसके अलावा 05 क्वार्टरफाइनल की टीमों को 20 हजार रुपए (प्रत्येक टीम) और प्रतियोगिता में सर्वश्रेष्ठ अटैकर, ब्लॉकर, सैटर व लिबेरो को 5 हजार रुपए (प्रत्येक खिलाडी) व स्मृति चिन्ह प्रदान किये जाएंगे।

# जनादेश सुक्खू सरकार की जनविरोधी नीतियों, वादाखिलाफी और कुशासन के खिलाफ : जयराम ठाकुर

## कहा, मुख्यमंत्री अपने गृह जिला हमीरपुर और गृह क्षेत्र नादौन में जिला परिषद के तीन सदस्यों को जीत नहीं दिला सके

**» प्रथम न्यूज। कुल्लू**
**04 जून (एएम नाथ)**

पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने भाजपा प्रदेश प्रभारी श्रीकांत शर्मा और प्रदेश संगठन मंत्री सिद्धार्थन की गरिमामयी उपस्थिति में कुल्लू में आयोजित पंचायती राज संस्थाओं एवं नगर निकायों के नवनिर्वाचित जनप्रतिनिधियों के सम्मान समारोह में शिरकत की, जहाँ उन्होंने सभी विजयी प्रत्याशियों को बधाई देते हुए कहा कि जनता द्वारा व्यक्त किया गया यह विश्वास क्षेत्र के विकास और जनसेवा के प्रति उनकी जिम्मेदारी को और अधिक बढ़ाता है। इस अवसर पर जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने वर्तमान कांग्रेस सरकार पर जमकर निशाना साधा और कहा कि यह जनादेश सुक्खू सरकार की जनविरोधी नीतियों, वादाखिलाफी और कुशासन के खिलाफ जनता की स्पष्ट नाराजगी को दर्शाता है, जिसने स्थानीय निकाय चुनावों में कांग्रेस को पूरी तरह आईना दिखाने का काम किया है। इस दौरान भुन्तर की नगर पंचायत पार्षद सोनी शर्मा, नगर ब्लॉक समिति कुल्लू के पूर्व अध्यक्ष शशिपाल ठाकुर समेत अन्य लोग भाजपा में शामिल हुए।

जयराम ठाकुर ने दावा किया कि यह जनभावना आगामी 2027 के विधानसभा चुनावों में और अधिक प्रबल होगी तथा प्रदेश की जनता इस विकास-विरोधी सरकार को सत्ता से बाहर का रास्ता दिखाएगी, जिसके लिए सभी कार्यकर्ताओं को पूरी तत्परता से सरकार के गलत फैसलों के खिलाफ आवाज उठानी होगी। मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू पर सीधा हमला बोलते हुए उन्होंने कहा कि चुनावों के इन विपरीत परिणामों से मुख्यमंत्री पूरी तरह बौखलाहट में हैं, क्योंकि जो मुख्यमंत्री अपने गृह जिला हमीरपुर और स्वयं के गृह क्षेत्र नादौन में जिला परिषद के तीन सदस्यों को जीत नहीं दिला सके, उन्हें पूरे प्रदेश में जीत के खोखले दावे करने का कोई नैतिक अधिकार नहीं है और वे केवल झूठे दावों के सहारे हाईकमान की नजरों में अपनी बड़ी असफलता को छिपाने का प्रयास कर रहे हैं। तंज कसते हुए नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि देश में दो ऐसे कांग्रेस नेता हैं जिनके जाने से भाजपा को सीधा फायदा होता है।

एक राहुल गांधी जिनके जाते ही भाजपा की जीत सुनिश्चित हो जाती है, और दूसरे मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू जिनकी मौजूदगी में कांग्रेस प्रत्याशियों की जमानत तक जब्त हो जाती है, जैसा कि पश्चिम बंगाल के प्रचार में देखा गया जहाँ कांग्रेस प्रत्याशी को मात्र 650 वोट मिले।

उन्होंने मंडी नगर निगम चुनाव का उदाहरण देते हुए आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री ने हार के डर से पार्षदों को पचास लाख से एक करोड़ रुपये तक का प्रलोभन देकर कांग्रेस प्रत्याशी को जिताने की अपील की थी, परंतु जागरूक जनता ने उनके 14 में से केवल एक प्रत्याशी को जिताया, और यही हाल धर्मशाला व सोलन में भी हुआ जहाँ भाजपा ने प्रचंड बहुमत के साथ नगर निगमों पर कब्जा कर लिया। ठाकुर ने कहा कि इन ऐतिहासिक परिणामों का गहरा प्रभाव साल 2027 तक रहेगा और स्थिति यह हो चुकी है कि हार के डर से मुख्यमंत्री अभी से अपने लिए सुरक्षित सीट की तलाश कर रहे हैं, लेकिन उन्हें कोई सीट देने को तैयार नहीं है, और जब खुद मुख्यमंत्री ही सुरक्षित नहीं हैं तो उनके मंत्रियों का बचना नामुमकिन है। बाद में मीडिया के सवालों का जवाब देते हुए पूर्व मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि सुक्खू सरकार के अब तक के सभी फैसलों ने प्रदेश का केवल आर्थिक और सामाजिक नुकसान ही किया है। विशेष रूप से बाहरी राज्यों से आने वाले वाहनों के लिए एंट्री टैक्स को 70 रुपये से बढ़ाकर सीधे 170 रुपये करने के अविवेकपूर्ण फैसले से राज्य के अपने लोग और पर्यटन व्यवसाय बुरी तरह प्रभावित हो रहे हैं।

इसके साथ ही पंजाब सीमा पर लगने वाले खालसा टैक्स की वसूली के गंभीर मुद्दे पर मुख्यमंत्री की ढिलाई की आलोचना करते हुए उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री को इस विषय पर तत्काल पंजाब सरकार और वहाँ के मुख्यमंत्री से सीधी बात करनी चाहिए थी, क्योंकि हिमाचल प्रदेश एक प्रमुख पर्यटन राज्य है और ऐसे दुर्भाग्यपूर्ण एवं विवादित फैसलों से राज्य की छवि तथा पर्यटन उद्योग को क्षति पहुँचेगी। इस अवसर पर कुल्लू के प्रभारी बिहारी लाल शर्मा, पूर्व मंत्री गोविंद सिंह ठाकुर, विधायक सुरेंद्र शौरी, लोकेंद्र सिंह, जिलाध्यक्ष अमित सूद भी उपस्थित रहे।

### जयराम ठाकुर बोले, हिमकेयर योजना को चरणबद्ध तरीके से किया जा रहा बंद

पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने आरोप लगाया है कि सरकार जनता को लाभ पहुंचाने वाली लोकप्रिय हिमकेयर योजना को चरणबद्ध तरीके से खत्म करने की साजिश रच रही है। सरकार द्वारा जारी नई अधिसूचना की आलोचना करते हुए उन्होंने कहा कि हिमकेयर के तहत अब सरकारी अस्पतालों में रजिस्ट्रेशन फीस, सामान्य वार्ड बेड शुल्क, नर्सिंग व बोर्डिंग चार्ज, डॉक्टरों व सर्जनों की फीस, ऑपरेशन थियेटर शुल्क, सर्जिकल उपकरण, दवाएं, एक्सरे, और एमआरआई, सीटी स्कैन सहित पैथोलॉजी व रेडियोलॉजी जांच के खर्च को क्लेम से बाहर कर दिया गया है, जबकि खाने का खर्च सरकार पहले ही बंद कर चुकी है। जयराम ठाकुर ने सवाल उठाया कि जब इलाज और जांच से जुड़ी ये तमाम बुनियादी सुविधाएं ही नहीं मिलेंगी, तो आखिर जनता को इस योजना से क्या हासिल होगा।

उन्होंने कहा कि हिमकेयर योजना की लोकप्रियता मुख्यमंत्री को पहले दिन से ही खटक रही थी, लेकिन इसके सीधे बंद होने के राजनीतिक नुकसान से डरकर सरकार अब इसे किस्तों में खत्म कर बदनाम करने की कोशिश कर रही है। नेता प्रतिपक्ष ने चेतावनी दी कि लोगों की जान बचाने वाली इस कल्याणकारी योजना को बंद करने और जनता की जिंदगी से खिलवाड़ करने की सुक्खू सरकार को भारी कीमत चुकानी पड़ेगी।

# प्राइम स्टील उद्योग ने सीएसआर के तहत बरोटीवाला स्कूल में लगवाया ट्यूबवेल

## 1320 विद्यार्थियों और स्टाफ को मिलेगा स्वच्छ पेयजल, उद्योग ने किया बोरवेल निर्माण

**» प्रथम न्यूज। बरोटीवाला**
**04 जून (तारा)**

बरोटीवाला स्थित राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में छात्रों और शिक्षकों को पर्याप्त एवं स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने के उद्देश्य से प्राइम स्टील उद्योग ने अपने कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व (सीएसआर) कार्यक्रम के तहत विद्यालय परिसर में नया ट्यूबवेल (बोरवेल) स्थापित किया है। इस सुविधा से विद्यालय के लगभग 1260 विद्यार्थियों तथा 60 शिक्षकों एवं कर्मचारियों सहित कुल 1320 लोगों को लाभ मिलेगा। कंपनी के महाप्रबंधक परमजीत सिंह मनकू ने बताया कि क्षेत्र के सबसे बड़े विद्यालयों में शामिल इस स्कूल में पेयजल और बागवानी संबंधी समस्याओं को देखते हुए कंपनी ने सीएसआर के तहत यह पहल की है। उन्होंने कहा कि विद्यालय उद्योग के निकट

स्थित होने के कारण कंपनी की प्राथमिकताओं में शामिल था। सामाजिक सरोकारों के तहत कंपनी शिक्षा एवं स्वास्थ्य क्षेत्र के बुनियादी ढांचे को मजबूत बनाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने बताया कि भविष्य में स्कूल प्रबंधन के सहयोग से जल संरक्षण एवं वर्षा जल संचयन पर भी विशेष ध्यान दिया जाएगा, ताकि भूजल स्तर को संतुलित बनाए रखा जा सके। कंपनी का उद्देश्य केवल पेयजल उपलब्ध कराना ही नहीं, बल्कि जल संसाधनों के संरक्षण के प्रति भी जागरूकता बढ़ाना है। इस अवसर पर कंपनी के प्रबंध निदेशक मेघ राज गर्ग, फार्मेसी अधिकारी प्रीतपाल कौंडल, सिविल इंजीनियर शुभम शर्मा, विद्यालय के प्राचार्य डॉ. शिव कुमार शर्मा, सीएचटी राम सिंह कुंडल्स तथा लक्ष्मी दत्त शास्त्री सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। विद्यालय के प्राचार्य डॉ. शिव कुमार शर्मा ने बताया कि उन्होंने हाल ही में विद्यालय का कार्यभार संभाला है और स्कूल में पेयजल समस्या के समाधान के लिए कंपनी से सहयोग का अनुरोध किया था। कंपनी ने उनके अनुरोध पर त्वरित कार्रवाई करते हुए ट्यूबवेल स्थापित किया। उन्होंने इस जनहितकारी कार्य के लिए कंपनी प्रबंधन का आभार व्यक्त किया।

# अंतरराष्ट्रीय पहलवान मनदीप को मिला यूनाइटेड वर्ल्ड रेसलिंग का लाइसेंस

**पट्टा मेहलोग, 4 जून (तारा)** - विकास खंड पट्टा की जगजीत नगर पंचायत के शील गांव के अंतरराष्ट्रीय पहलवान मनदीप मनु ने एक और बड़ी उपलब्धि अपने नाम कर क्षेत्र और प्रदेश का नाम रोशन किया है। मनदीप मनु को दुनिया की सबसे प्रतिष्ठित कुश्ती संस्था यूनाइटेड वर्ल्ड रेसलिंग का लाइसेंस प्राप्त हुआ है। यह संस्था ओलिम्पिक और विश्व चैंपियनशिप जैसे आयोजनों में कुश्ती की देखरेख और संचालन करती है।

मनदीप ने बताया कि यह उपलब्धि न केवल उनके खेल जीवन मे एक महत्वपूर्ण पड़ाव है बल्कि क्षेत्र के युवा खिलाड़ियों के लिए भी प्रेरणा का स्रोत बनेगी। मनदीप लंबे समय से कुश्ती के क्षेत्र में काफी सक्रिय है और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर चुके हैं। उनकी मेहनत,लग्न व खेल के प्रति समर्पण का ही परिणाम है कि उन्हें यह महत्वपूर्ण लाइसेंस प्राप्त हुआ है। उन्होंने बताया कि लाइसेंस मिलने से उन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर की विभिन्न प्रतियोगिताओं और गतिविधियों में भाग लेने के नए अवसर प्राप्त होंगे। जगजीत नगर पंचायत व पूरे क्षेत्र में इस उपलब्धि को लेकर खुशी का माहौल है।

# सभी विभागों के समन्वित प्रयासों से जिला बिलासपुर को बनाएंगे कुपोषण मुक्त

## उपायुक्त राहुल कुमार की अध्यक्षता में जिला स्तरीय पोषण समिति की बैठक आयोजित

**» प्रथम न्यूज। बिलासपुर**
**04 जून (जितेंद्र गौतम)**

उपायुक्त राहुल कुमार की अध्यक्षता में आज बचत भवन बिलासपुर में जिला स्तरीय पोषण समिति (डिस्ट्रिक्ट न्यूट्रिशन कमेटी) की बैठक आयोजित हुई। बैठक में शिशुओं, बच्चों, धात्री माताओं एवं गर्भवती महिलाओं के पोषण स्तर में व्यापक सुधार लाने के लिए विभिन्न विभागों के मध्य प्रभावी अभिसरण (कन्वर्जेन्स) को मजबूत बनाने पर विस्तार से चर्चा की गई।

इस अवसर पर उपायुक्त राहुल कुमार ने कहा कि कुपोषण विषय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण तथा महिला एवं बाल विकास विभाग तक ही सीमित नहीं है, बल्कि आयुर्वेद, शिक्षा, कृषि, बागवानी, जल एवं स्वच्छता, ग्रामीण विकास तथा सामाजिक जागरूकता से जुड़ा एक बहुआयामी विषय है। ऐसे में सभी विभागों के समन्वित प्रयासों से ही जिला बिलासपुर को

कुपोषण मुक्त बनाने के लक्ष्य को हासिल किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि जिला पोषण समिति विभिन्न विभागों के मध्य बेहतर तालमेल स्थापित कर पोषण संबंधी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन को सुनिश्चित करेगी।

उन्होंने कहा कि जिला पोषण समिति के गठन का उद्देश्य जिला में पोषण संबंधी गतिविधियों की नियमित निगरानी, पोषण संकेतकों की समीक्षा, विभागीय समन्वय को सुदृढ़ करना तथा पोषण योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन को सुनिश्चित बनाना है। समिति बच्चों में स्टंटिंग, वेस्टिंग एवं अल्पवजन जैसे संकेतकों की निगरानी करेगी तथा एनीमिया और कुपोषण की रोकथाम के लिए प्रभावी कदम उठाएगी। इसके अतिरिक्त पूरक पोषण आहार की गुणवत्ता, टेक-होम राशन की जांच, आंगनवाड़ी केन्द्रों में गुणवत्तापूर्ण भोजन की उपलब्धता तथा पोषण संबंधी जागरूकता गतिविधियों की भी नियमित समीक्षा की जाएगी।

उपायुक्त ने सभी विभागों को पोषण अभियान को जनभागीदारी से जोड़ते हुए इसे जन आंदोलन का स्वरूप देने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि सभी विभागों के समन्वित प्रयासों, नियमित निगरानी, सामुदायिक सहभागिता और प्रभावी क्रियान्वयन के माध्यम से जिला बिलासपुर को कुपोषण मुक्त बनाने के लक्ष्य को हासिल करने में मदद मिलेगी। बैठक में समिति ने गर्भवती महिलाओं के बेहतर पोषण के लिए विशेष न्यूट्रिशन किट तैयार करने का फैसला किया। उपायुक्त ने निर्देश दिए कि यह किट पोषण विशेषज्ञों की सलाह एवं वैज्ञानिक मानकों के अनुरूप तैयार की जाए ताकि गर्भवती महिलाओं को गर्भावस्था के दौरान आवश्यक पोषक तत्व पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध हो सकें। उन्होंने कहा कि मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य को सुदृढ़ बनाने की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण पहल होगी और इससे पोषण संबंधी कमियों को दूर करने में सहायता मिलेगी। बैठक में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग को कुपोषित एवं अति कुपोषित बच्चों के बेहतर प्रबंधन, आयरन-फोलिक एसिड वितरण, पोषण पुनर्वास केन्द्रों में भर्ती तथा स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित बनाने के निर्देश दिए। साथ ही कृषि विभाग को पोषण युक्त कृषि को बढ़ावा देने, स्थानीय स्तर पर पोषण वाटिकाओं के विकास तथा पौष्टिक फल एवं सब्जियों के उत्पादन को प्रोत्साहित करने जबकि जिला योजना अधिकारी को जिला स्तरीय पोषण कार्ययोजना तैयार करने, कार्यक्रमों की निगरानी एवं मूल्यांकन तथा राज्य एवं राष्ट्रीय पोषण नीतियों के अनुरूप योजनाओं के क्रियान्वयन पर कार्य करने के निर्देश दिए। बैठक का संचालन जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग नरेंद्र कुमार ने किया। इस अवसर पर अतिरिक्त उपायुक्त ओम कांत ठाकुर सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

### अफगानिस्तान सीरीज से पहले भारत को बड़ा झटका

# चोटिल विराट कोहली हुए बाहर

अफगानिस्तान के खिलाफ आगामी तीन मैचों की वनडे सीरीज से पहले भारतीय टीम को बड़ा झटका लगा है। पूर्व कप्तान विराट कोहली हैमस्ट्रिंग चोट के कारण इस सीरीज से बाहर हो गए हैं। हाल ही में आईपीएल 2026 में शानदार प्रदर्शन करने वाले कोहली की गैरमौजूदगी टीम इंडिया के लिए चिंता का विषय मानी जा रही है।

मामले से जुड़े सूत्रों ने समाचार एजेंसी पीटीआई को बताया कि चोट के चलते कोहली अफगानिस्तान के खिलाफ वनडे सीरीज में हिस्सा नहीं ले पाएंगे। भारत और अफगानिस्तान के बीच पहला वनडे 14 जून को धर्मशाला में खेला जाएगा। इसके बाद दूसरा मुकाबला 17 जून को लखनऊ और तीसरा मैच 20 जून को चेन्नई में आयोजित होगा।

आईपीएल 2026 के फाइनल में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) को लगातार दूसरी बार खिताब दिलाने में कोहली ने अहम भूमिका निभाई थी। गुजरात टाइटन्स के खिलाफ फाइनल

मुकाबले में उन्होंने 42 गेंदों पर नाबाद 75 रन की मैच जिताऊ पारी खेली थी। हालांकि, मैच के अंतिम ओवरों के दौरान कोहली दौड़ते समय असहज नजर आए थे। इसके बावजूद उन्होंने मैदान नहीं छोड़ा और टीम को जीत दिलाने के बाद ही बाहर गए। फाइनल के बाद हुई मेडिकल जांच में हैमस्ट्रिंग चोट की पुष्टि हुई। हालांकि, चोट की गंभीरता को लेकर अभी तक कोई आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है।

कोहली आईपीएल 2026 में बेहतरीन फॉर्म में थे। उन्होंने 16 मैचों में 675 रन बनाए। इस दौरान उनका औसत 56.25 और स्ट्राइक रेट 165.85 रहा। पूरे सीजन में उनकी बल्लेबाजी आरसीबी की सफलता की प्रमुख वजहों में से एक रही।

**अफगानिस्तान के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए भारतीय टीम :** शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, श्रेयस अय्यर (उप-कप्तान), के एल राहुल (विकेटकीपर), ईशान किशन (विकेटकीपर), हार्दिक पंड्या, नीतीश कुमार रेड्डी, वॉशिंगटन सुंदर, कुलदीप यादव, अर्शदीप सिंह, प्रसिद्ध कृष्णा, प्रिंस यादव, गुरनूर बरार और हर्ष दुबे।

## डस्काटे ने तीसरे स्थान पर अधिक प्रयोग नहीं करने के दिए संकेत, सुदर्शन या पडिक्कल; किसे मिलेगा मौका

आईपीएल 2026 के बाद अब भारतीय खिलाड़ी राष्ट्रीय टीम की प्रतिबद्धता को पूरा करने में लगे हैं। भारत और अफगानिस्तान के बीच छह जून से मुल्लांपुर में टेस्ट मैच होना है। भारत ने इसकी तैयारी शुरू कर दी है। इस बीच भारत के लिए एक बार फिर तीसरे स्थान पर किसे भेजना है, ये एक चुनौती है और टीम के सहायक कोच रेयान टेन डस्काटे ने भी स्वीकार किया है कि इस स्थान पर अधिक प्रयोग नहीं करने हैं।

**पुजारा के बाद कई खिलाड़ियों को तीसरे स्थान पर आजमाया गया**

डस्काटे ने स्वीकार किया कि चेतेश्वर पुजारा के संन्यास लेने के बाद टीम ने तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने के लिए कई खिलाड़ियों को आजमाया है और अब समय आ गया है जबकि साई सुदर्शन या देवदत्त पडिक्कल को बल्लेबाजी के इस महत्वपूर्ण स्थान पर लंबी अवधि तक मौका दिया जाए। पुजारा ने 2025 में संन्यास की घोषणा की थी, लेकिन उन्होंने भारत की तरफ से अपना अंतिम टेस्ट मैच 2023 में विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के फाइनल के रूप में खेला था। इसके बाद से शुभमन गिल, पडिक्कल, सुदर्शन, करुण नायर और वाशिंगटन सुंदर को इस नंबर पर आजमाया जा चुका है। सुदर्शन ने छह टेस्ट मैच खेले हैं लेकिन वह अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाए और उनका औसत 27 से थोड़ा अधिक रहा है। सुदर्शन और पडिक्कल दोनों ने नेट पर जमकर अभ्यास किया है लेकिन डस्काटे ने यह खुलासा नहीं किया कि इनमें से किस को मौका मिलेगा। डस्काटे ने गुरुवार को कहा, तीसरे नंबर पर कई बल्लेबाजों को आजमाया गया है जो आदर्श स्थिति नहीं है। हमें उस नंबर के दावेदारों पर विचार करना चाहिए और किसी एक को लंबे समय तक उस पर बनाए रखना चाहिए।

**अभ्यास के दौरान भी सुदर्शन के हाथ से छूटा बल्ला :** स्लिप में फील्डिंग पर गौर करने पर भी यह स्पष्ट नहीं हो पाया कि इनमें से किस खिलाड़ी को चुना जाएगा। पडिक्कल पहले केएल राहुल और कप्तान शुभमन गिल के साथ स्लिप में खड़े नज़र आए। राहुल के नेट पर जाने के बाद उनकी जगह सुदर्शन ने स्लिप में कैच का अभ्यास किया। नेट पर अभ्यास के दौरान सुदर्शन का फिर से अपने बल्ले पर नियंत्रण नहीं रहा और वह उनके हाथ से छूटकर पीछे चला गया। आईपीएल में दो बार वह इस तरह से हिटविकेट हो गए थे।

डस्काटे ने कहा, यह बल्लेबाजी क्रम में बेहद मुश्किल लेकिन महत्वपूर्ण स्थान है। पडिक्कल घरेलू क्रिकेट में सभी प्रारूपों में ढेरों रन बनाकर आए हैं और साई ने भी आईपीएल में गुजरात के लिए शानदार प्रदर्शन किया है। इसलिए दोनों ही अच्छी फॉर्म में हैं। जिस बल्लेबाज को भी इस नंबर के लिए चुना जाएगा, हमें उस पर भरोसा करना होगा। अभी हमें एक ही टेस्ट मैच खेलना है और फिर दो महीने तक कोई टेस्ट मैच नहीं है। उसके बाद दो टेस्ट मैच हैं और फिर कुछ समय तक कोई मैच नहीं है। ऐसे में स्थिति मुश्किल हो जाती है और हमें इस बात को ध्यान में रखना होगा।

**डस्काटे बोले- सिराज पूरी तरह फिट**

तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज के कार्यभार प्रबंधन पर भी चर्चा चल रही थी लेकिन डस्काटे ने कहा कि वह पूरी तरह से फिट हैं। उन्होंने कहा, %सिराज ने कल गेंदबाजी की, वह बिल्कुल ठीक लग रहे थे।% डस्काटे ने इसके साथ ही कहा कि मानव सुथार और हर्ष दुबे में से कोई एक ही कुलदीप यादव और वाशिंगटन सुंदर के साथ तीसरे स्पिनर के रूप में खेलेगा।

## भारतीय टी20 टीम में अभी वैभव सूर्यवंशी को जगह मिलना मुश्किल

आईपीएल 2026 में धमाकेदार प्रदर्शन के बाद 15 वर्षीय बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को भारतीय टी20 इंटरनेशनल टीम में शामिल करने की मांग उठ रही है।

हालांकि पूर्व क्रिकेटर आकाश चोपड़ा का मानना है कि अभी वैभव को टी20 टीम में जगह मिल पाना मुश्किल है। आकाश चोपड़ा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर शेयर किए गए वीडियो में बताया कि संजू सैमसन और अभिषेक शर्मा की मौजूदगी में वैभव को भारत की टी20 टीम में जगह मिल पाना मुश्किल है।

आकाश ने कहा कि सैमसन का प्रदर्शन टी20 विश्व कप 2026 में लाजवाब रहा था और वह 'प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट'

रहे थे।

ऐसे में सैमसन की जगह पर वैभव को टीम में लाना उचित नहीं होगा। पूर्व क्रिकेटर ने कहा कि अभिषेक शर्मा भी क्रिकेट के सबसे छोटे फॉर्मेट में लगातार शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं। अभिषेक लंबे समय से टी20 में दुनिया के नंबर एक बल्लेबाज बने हुए हैं। यही वजह है कि उनकी जगह पर वैभव को टीम में अभी मौका देना सही नहीं होगा।

आकाश चोपड़ा ने माना कि 15 वर्षीय बल्लेबाज वैभव होनदार और शानदार बल्लेबाज हैं, लेकिन अभी उन्हें भारतीय टी20 टीम में आने के लिए थोड़ा इंतजार करना होगा। गौरतलब है कि वैभव को श्रीलंका में होने वाली त्रिकोणीय सीरीज के लिए भारतीय टीम में शामिल किया गया है। इस सीरीज की शुरुआत 9 जून से होगी, जबकि फाइनल मुकाबला 21 जून को खेला जाना है। यह देखना दिलचस्प होगा कि इस सीरीज में वैभव का प्रदर्शन कैसा रहता है।

आईपीएल 2026 में वैभव का बल्ला खूब गरजा और उन्होंने 16 मुकाबलों में 237 के स्ट्राइक रेट से खेलते हुए 776 रन बनाए। वह ऑरेंज कैप जीतने वाले सबसे युवा खिलाड़ी बने।

उन्होंने एलिमिनेटर और फिर दूसरे क्वालीफायर मुकाबले में शानदार बल्लेबाजी की। वैभव ने टूर्नामेंट के दौरान क्रिस गेल का रिकॉर्ड तोड़ा और वह एक सीजन में सर्वाधिक छक्के लगाने वाले बल्लेबाज बने। वैभव ने आईपीएल 2026 में 72 छक्के लगाए।



## नीतिका जम्वाल व सुरेंद्र सिंह चाडक के नेतृत्व में विकास को मिलेगी नई गति : कुलदीप सिंह पठानिया

» प्रथम न्यूज । चंबा (चुवाड़ी)

04 जून (एएम नाथ)

नगर पंचायत चुवाड़ी के नवनिर्वाचित अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष को लेकर क्षेत्र में उत्साह का माहौल है। इस अवसर पर हिमाचल प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानिया ने नगर पंचायत अध्यक्षा नीतिका जम्वाल तथा उपाध्यक्ष सुरेंद्र सिंह चाडक को उनके निर्वाचन पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। कुलदीप सिंह पठानिया ने अपने शुभकामना संदेश में कहा कि नीतिका जम्वाल और सुरेंद्र सिंह चाडक को जनता के अपार समर्थन और विश्वास के साथ यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिली है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि दोनों जनप्रतिनिधि अपने अनुभव, नेतृत्व क्षमता और जनसेवा के प्रति समर्पण के बल पर नगर पंचायत क्षेत्र के विकास को नई दिशा देंगे।

उन्होंने कहा कि नगर पंचायत में विकास कार्यों को गति देने, स्वच्छता व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने तथा जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने में नई टीम महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। उन्होंने उम्मीद जताई कि नागरिक सुविधाओं के विस्तार, आधारभूत ढांचे के विकास और आम लोगों की समस्याओं के समाधान के लिए प्रभावी कदम उठाए जाएंगे। विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में जनता का विश्वास सबसे बड़ी ताकत होता है और चुवाड़ी की जनता ने जिस विश्वास के साथ अपने प्रतिनिधियों का चयन किया है, उस पर खरा उतरना नई टीम की प्राथमिक जिम्मेदारी होगी। उन्होंने नगर पंचायत के सर्वांगीण विकास और क्षेत्र की प्रगति के लिए सभी जनप्रतिनिधियों से मिलकर कार्य करने का आह्वान भी किया।

अंत में कुलदीप सिंह पठानिया ने नीतिका जम्वाल और सुरेंद्र सिंह चाडक के सफल, प्रभावी एवं जनहितकारी कार्यकाल की कामना करते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में चुवाड़ी विकास और सुशासन का नया उदाहरण स्थापित करेगा।

## भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री तरुण चुग को राज्यसभा भेजना समर्पित कार्यकर्ताओं का सम्मान : अक्षय शर्मा

**अमृतसर (साहिब दयाल)** अमृतसर उत्तरी विधानसभा क्षेत्र से भाजपा नेता अक्षय शर्मा ने भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री तरुण चुग को मध्य प्रदेश से राज्यसभा उम्मीदवार बनाए जाने पर खुशी व्यक्त करते हुए इसे पार्टी के समर्पित और जमीनी कार्यकर्ताओं का सम्मान बताया है। अक्षय शर्मा ने कहा कि तरुण चुग का राजनीतिक जीवन भाजपा की कार्यकर्ता-आधारित राजनीति का जीवंत उदाहरण है। उन्होंने छात्र जीवन से संगठन में कार्य करते हुए बूथ इंचार्ज से लेकर राष्ट्रीय महामंत्री और अब राज्यसभा उम्मीदवार तक का सफर तय किया है। यह दर्शाता है कि भाजपा में मेहनत, समर्पण और संगठन के प्रति निष्ठा रखने वाले कार्यकर्ताओं को उचित सम्मान और अवसर मिलता है। उन्होंने कहा कि अमृतसर की धरती से निकलकर राष्ट्रीय राजनीति में अपनी पहचान बनाने वाले तरुण चुग ने देश के विभिन्न राज्यों में संगठन को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

पार्टी नेतृत्व द्वारा उन्हें राज्यसभा भेजने का निर्णय लाखों भाजपा कार्यकर्ताओं के लिए प्रेरणास्रोत है। अक्षय शर्मा ने कहा कि तरुण चुग के पास संगठनात्मक कार्य का लंबा अनुभव है और राज्यसभा में उनकी उपस्थिति पंजाब के हितों, सीमावर्ती क्षेत्रों, उद्योग, युवाओं और विकास से जुड़े मुद्दों को राष्ट्रीय स्तर पर मजबूती से उठाने में सहायक होगी। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष तथा केंद्रीय नेतृत्व का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि पार्टी ने एक ऐसे नेता को राज्यसभा भेजने का निर्णय लिया है जिसने अपना पूरा जीवन संगठन को समर्पित किया

### हिमाचल सरकार का बड़ा फैसला

## राजीव राणा को सचिव स्तर की सुविधाएं एवं प्रोटोकॉल मंजूर

### ओबीसी आयोग के सदस्य राजीव राणा को मिला सचिव स्तर का दर्जा

» प्रथम न्यूज । शिमला

04 जून (एएम नाथ)

हिमाचल प्रदेश सरकार ने राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग (ओबीसी आयोग) के सदस्य राजीव राणा को सचिव स्तर का दर्जा प्रदान किया है। सरकार द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार उन्हें सचिव स्तर के समकक्ष सभी सुविधाएं, प्रोटोकॉल तथा अन्य सेवा संबंधी लाभ उपलब्ध होंगे।

सरकार के इस निर्णय को राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग की संस्थागत मजबूती और पिछड़ा वर्ग समाज के प्रभावी प्रतिनिधित्व की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। माना जा रहा है कि इस प्रशासनिक मान्यता से आयोग की कार्यक्षमता और प्रभावशीलता में वृद्धि होगी तथा समाज से जुड़े मुद्दों को शासन-प्रशासन के उच्च स्तर तक अधिक प्रभावी ढंग से पहुंचाया जा सकेगा। इस अवसर

पर राजीव राणा ने मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू और प्रदेश सरकार का आभार व्यक्त किया।

उन्होंने कहा कि यह सम्मान केवल उनकी व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं, बल्कि प्रदेश के लाखों पिछड़ा वर्ग परिवारों की आकांक्षाओं, अधिकारों और सम्मान का प्रतीक है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि वे सामाजिक न्याय, समान अवसर और पिछड़ा वर्ग समाज के संवैधानिक अधिकारों की रक्षा के लिए पूरी निष्ठा के साथ कार्य करते रहेंगे।

राजीव राणा ने कहा कि शिक्षा, रोजगार, सामाजिक सुरक्षा और राजनीतिक भागीदारी जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर आयोग निरंतर कार्य कर रहा है। भविष्य में भी पिछड़ा वर्ग समाज के हितों और मांगों को सरकार के समक्ष मजबूती से रखा जाएगा।

राजनीतिक और सामाजिक क्षेत्रों में सरकार के इस निर्णय का व्यापक स्वागत किया जा रहा है। जानकारों का मानना है कि इससे पिछड़ा वर्ग समाज की आवाज और अधिक प्रभावशाली तरीके से शासन-प्रशासन तक पहुंचेगी तथा आयोग की भूमिका को नई दिशा और मजबूती मिलेगी।

## जालंधर - 1984 के शहीदों की स्मृति में शनिवार को होगा हवन यज्ञ एवं श्रद्धांजलि कार्यक्रम

**शहीदों का बलिदान भुलाया नहीं जा सकता - काला बाबा जी**

**जालंधर (डोगरा)** - 1984 के शहीदों की स्मृति में हवन यज्ञ एवं श्रद्धांजलि कार्यक्रम जालंधर में शिव सेना उत्तर भारत द्वारा करवाया जा रहा है। ये जानकारी शिव सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष दीपक कंबोज व काला बाबा जी ने दी। बता दें कि हर साल की तरह इस साल भी 1984 के शहीदों की याद में शिव सेना उत्तर भारत द्वारा हवन यज्ञ करवाया जा रहा है। हवन यज्ञ 6 जून दिन शनिवार को सुबह 10 बजे मिट्ठा बाजार, जालंधर में होगा। इस मौके पर काला बाबा जी ने कहा कि शहीदों का बलिदान भुलाया नहीं जा सकता। शिव सेना उत्र भारत सदैव उनकी स्मृति को जीवित रखने के लिए प्रतिबद्ध है। काला बाबा जी ने सभी शिव सैनिकों, समाजसेवियों व आम जनता से अपील की है कि सभी शनिवार सुबह 10 बजे मिट्ठा बाजार में आयोजित हवन यज्ञ में पहुंच कर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करें तथा शांति सद्भावना और एकता का संदेश दें।

### हिमाचल कांग्रेस को बड़ा झटका

# उपाध्यक्ष नीरज भारती ने दिया इस्तीफा

### कार्यकर्ताओं की उपेक्षा से नाराज नीरज भारती ने छोड़ा प्रदेश उपाध्यक्ष पद

**सुक्खू सरकार की कार्यशैली पर सवाल उठाते हुए नीरज भारती का इस्तीफा**

» प्रथम न्यूज । शिमला

04 जून (एएम नाथ)

हिमाचल प्रदेश कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष पद से नीरज भारती ने इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने अपना त्यागपत्र प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष एवं विधायक विनय कुमार को भेजते हुए संगठनात्मक जिम्मेदारियों से तत्काल प्रभाव से स्वयं को अलग करने की घोषणा की है। उनके इस्तीफे को पार्टी संगठन के लिए एक महत्वपूर्ण राजनीतिक घटनाक्रम माना जा रहा है। अपने त्यागपत्र में नीरज भारती ने कहा कि यह निर्णय उनके लिए आसान नहीं था, क्योंकि उन्होंने हमेशा भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के एक समर्पित और निष्ठावान कार्यकर्ता के रूप में संगठन को मजबूत करने के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ काम किया। उन्होंने कहा कि हजारों कांग्रेस

कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर उन्होंने भारतीय जनता पार्टी के खिलाफ संघर्ष किया और कांग्रेस को सत्ता में वापस लाने के लिए दिन-रात मेहनत की। हालांकि, उन्होंने वर्तमान राज्य सरकार की कार्यशैली पर गंभीर असंतोष जताया है। नीरज भारती ने कहा कि पिछले साढ़े तीन वर्षों में सरकार उन मेहनती और समर्पित कार्यकर्ताओं की अपेक्षाओं पर खरी नहीं उतर पाई, जिन्होंने कठिन परिस्थितियों में पार्टी का झंडा बुलंद रखा और सरकार बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने आरोप लगाया कि जमीनी स्तर के अनेक निष्ठावान कार्यकर्ता आज स्वयं को उपेक्षित, अनसुना और हाशिये पर महसूस कर रहे हैं।

त्यागपत्र में उन्होंने कहा कि जिन कार्यकर्ताओं ने पार्टी के लिए संघर्ष किया और जनता के बीच कांग्रेस की लड़ाई लड़ी, आज वही कार्यकर्ता निराशा और हताशा का सामना कर रहे हैं। उनके अनुसार सरकार और संगठन के जमीनी कार्यकर्ताओं के बीच बढ़ती दूरी पार्टी के लिए चिंता का विषय है।

नीरज भारती ने कहा कि वर्तमान परिस्थितियों में वह स्वयं को संगठनात्मक दायित्वों के साथ सामंजस्य स्थापित करने में असमर्थ पा रहे हैं, इसलिए उन्होंने पद छोड़ने का निर्णय लिया है। साथ ही उन्होंने पार्टी नेतृत्व और सहयोगियों का आभार व्यक्त करते हुए उम्मीद जताई कि भविष्य में समर्पित कार्यकर्ताओं की भावनाओं और समस्याओं को गंभीरता से सुना जाएगा। उनके इस्तीफे के बाद प्रदेश कांग्रेस की राजनीति में नई चर्चाएं शुरू हो गई हैं।

प्रथम न्यूज
राष्ट्रीय हिंदी दैनिक
राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय
Website : www.prathamnews.in

## संक्षिप्त न्यूज

### घरेलू विवाद के बाद मां ने बेटे संग उठाया खौफनाक कदम, महिला की मौत, बच्चा गंभीर

**ऊना ( ब्यूरो )**- हिमाचल प्रदेश के ऊना जिले के झलेड़ा क्षेत्र से एक हृदयविदारक मामला सामने आया है। घरेलू विवाद से परेशान एक महिला ने अपने 10 वर्षीय बेटे के साथ कथित रूप से आत्मघाती कदम उठा लिया। घटना में महिला की मौत हो गई, जबकि उसका बेटा गंभीर हालत में पीजीआई चंडीगढ़ में उपचाराधीन है।

जानकारी के अनुसार, बुधवार को महिला का परिवार के सदस्यों के साथ किसी बात को लेकर विवाद हो गया था। विवाद के बाद उसका पति घर से बाहर चला गया। इसके कुछ समय बाद महिला और उसके बेटे की तबीयत अचानक बिगड़ गई। परिजनों और स्थानीय लोगों ने दोनों को तत्काल क्षेत्रीय अस्पताल ऊना पहुंचाया।

अस्पताल में चिकित्सकों ने महिला को मृत घोषित कर दिया। वहीं, बच्चे की गंभीर स्थिति को देखते हुए उसे प्राथमिक उपचार के बाद पीजीआई चंडीगढ़ रेफर कर दिया गया, जहां उसका इलाज जारी है।

घटना की सूचना मिलते ही ऊना पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी। पुलिस ने महिला के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले से जुड़े सभी पहलुओं की जांच की जा रही है। बताया जा रहा है कि घटना के बाद से मृतका का पति घर से लापता है। पुलिस उसकी तलाश में संभावित ठिकानों पर छापेमारी कर रही है। एएसपी संजीव भाटिया ने बताया कि प्रारंभिक जांच में मामला घरेलू कलह से जुड़ा प्रतीत हो रहा है। हालांकि, पुलिस सभी तथ्यों की गहनता से जांच कर रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच पूरी होने के बाद ही घटना के वास्तविक कारणों का खुलासा हो सकेगा।

### तरुण चुग को राज्यसभा के लिए नामित किया जाना भाजपा कार्यकर्ताओं के लिए गौरव का क्षण : राजेश कपूर

**जालंधर, 4 जून ( शैली अल्बर्ट )** भारतीय जनता पार्टी जालंधर के जिला महामंत्री राजेश कपूर ने भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री तरुण चुग को राज्यसभा सदस्य के लिए नामित किए जाने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उन्हें हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। राजेश कपूर ने कहा कि तरुण चुग ने एक समर्पित कार्यकर्ता के रूप में संगठन को मजबूत बनाने, पार्टी की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने तथा राष्ट्रहित के मुद्दों पर प्रभावी नेतृत्व प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

राज्यसभा के लिए उनका नामांकन उनकी वर्षों की मेहनत, निष्ठा और संगठनात्मक क्षमता का सम्मान है।

उन्होंने कहा कि केंद्रीय चुनाव समिति द्वारा लिया गया यह निर्णय न केवल भाजपा कार्यकर्ताओं का सम्मान है, बल्कि यह उन सभी समर्पित कार्यकर्ताओं के लिए प्रेरणा भी है जो पार्टी की विचारधारा और संगठन के लिए निरंतर कार्य कर रहे हैं। राजेश कपूर ने इस अवसर पर भाजपा की केंद्रीय चुनाव समिति, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन तथा केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि पार्टी नेतृत्व ने एक योग्य, अनुभवी और जनप्रिय नेता को राज्यसभा भेजने का निर्णय लेकर संगठन के प्रति अपने विश्वास को पुनः स्थापित किया है। उन्होंने विश्वास जताया कि तरुण चुग राज्यसभा में राष्ट्रहित, जनहित और पंजाब के महत्वपूर्ण मुद्दों को मजबूती से उठाते हुए भाजपा की विकासोन्मुखी और जनकल्याणकारी नीतियों को नई दिशा प्रदान करेंगे।

### सनौली के पास संदिग्ध मांस से भरा ट्रक पकड़ा, जांच में जुटी पुलिस गौमांस होने की आशंका से क्षेत्र में हलचल

**चंडीगढ़/जीरकपुर, 4 जून ( पुनीत महाजन )**- सनौली गांव के समीप उस समय हड़कंप मच गया जब ढकोली पुलिस ने एक ट्रक को रोककर अपने कब्जे में लिया, जिसमें बड़ी मात्रा में संदिग्ध मांस होने की सूचना प्राप्त हुई। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार उक्त खेप सप्लाई के लिए ले जाई जा रही थी।

स्थानीय लोगों ने बरामद मांस को लेकर गौमांस होने की आशंका व्यक्त की है, जिसके चलते क्षेत्र में चर्चा का माहौल बना हुआ है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और ट्रक को कब्जे में लेकर आवश्यक जांच प्रक्रिया शुरू कर दी। पुलिस अधिकारियों के अनुसार मामला जीरकपुर क्षेत्र से संबंधित होने के कारण ट्रक और चालक को आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए जीरकपुर पुलिस के हवाले किया जा रहा है। वहीं पशुपालन विभाग एवं संबंधित एजेंसियों की सहायता से बरामद मांस के नमूने जांच के लिए भेजे जाने की प्रक्रिया भी शुरू की जा रही है।

अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि फिलहाल बरामद मांस के गौमांस होने की कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। जांच रिपोर्ट आने के बाद ही वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सकेगी। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि वे किसी भी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान न दें और केवल आधिकारिक जानकारी पर ही भरोसा करें। पुलिस का कहना है कि मामले की गंभीरता को देखते हुए सभी पहलुओं की गहन जांच की जा रही है तथा जांच रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

# परिसीमन पर मोदी सरकार राजनीतिक सहमति बनाने में जुटी

## 2029 के चुनावों से पहले नया विधेयक लाने की तैयारी

**» प्रथम न्यूज । नई दिल्ली**
**04 जून ( ब्यूरो )**

केंद्र सरकार ने परिसीमन के लिए राजनीतिक सहमति बनाने पर काम शुरू कर दिया है। सरकारी सूत्रों ने एनडीटीवी को बताया कि सरकार एक नया विधेयक लाकर 2029 के लोकसभा चुनावों से पहले परिसीमन प्रक्रिया पूरी करने की संभावना तलाश रही है। इस कदम से दशकों में पहली बार संसदीय निर्वाचन क्षेत्रों का बड़े स्तर पर पुनर्गठन हो सकता है।

सरकारी सूत्रों के अनुसार, मोदी सरकार उन राज्यों की चिंताओं को भी समझ रही है, जिन्होंने जनसंख्या वृद्धि को सफलतापूर्वक नियंत्रित किया है और व्यापक राजनीतिक स्वीकृति प्राप्त करने के लिए एक फॉर्मूला तैयार करने पर काम कर रही है।

सूत्रों के मुताबिक, सरकार का आकलन है कि परिसीमन को राजनीतिक रूप से विभाजनकारी मुद्दा बनने से बचाने के लिए आम सहमति पर आधारित दृष्टिकोण महत्वपूर्ण होगा, इसलिए चर्चा निष्पक्ष प्रतिनिधित्व के सिद्धांत को बनाए रखते हुए चिंताओं को दूर करने पर केंद्रित है।

**केंद्र सरकार की किन राज्यों से हुई बात :** सूत्रों ने बताया कि सरकार ने कई क्षेत्रीय दलों से परामर्श शुरू कर दिया है और कोई भी विधायी कदम उठाने से पहले राजनीतिक क्षेत्र के सभी हितधारकों से बातचीत कर रही है। जिन दलों से परामर्श किया गया है, उनमें डीएमके और तृणमूल कांग्रेस शामिल हैं। साथ ही अन्य क्षेत्रीय दलों से भी चर्चा जारी है।

यह प्रयास एक महत्वपूर्ण मोड़ पर किया जा रहा है। लोकसभा सीटों का वर्तमान आवंटन 1971 की जनगणना के बाद स्थिर किए गए जनसंख्या आंकड़ों पर आधारित है। लोकसभा में वर्तमान में 543 निर्वाचित सदस्य हैं, लेकिन संवैधानिक रोक हटने के बाद किसी भी परिसीमन प्रक्रिया से राज्यों के बीच प्रतिनिधित्व संतुलन में बदलाव आने की आशंका है।

### गुरु नानक पुरा की गलियों में ओवरफ्लो हुआ सीवरेज का पानी, दूषित पानी पी रहे इलाका वासी

**लोगों ने निगम प्रशासन खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया**

**अमृतसर ( साहिब दयाल )** गुरु नानक पुरा के अंतर्गत आने वाले क्षेत्र राम नगर कलोनी और प्रेम नगर की गलियों में सीवरेज जाम होने के कारण लोग बेहद परेशान हैं। भाजपा के जिला स्पोक्सपर्सन तिलक राज शर्मा, कृष्णा, गीता देवी, निशा, रेशम, पूजा, ज्योति, मंजू, कमला रानी, सोनू, सोनिया, पिंकी, अंजू , मनजीत सिंह, भूपिंदर कुमार, राजेश, मोनू, अमित कुमार, नीलम, नीना, बैजनाथ सिंह , बलदेव राज और गोपी ने निगम प्रशासन खिलाफ विरोध प्रदर्शन करते हुए बताया कि पिछले कई दिनों से सीवर के मैनहोल से पानी बाहर निकलने के कारण गलियां गंदे पानी से भर गई हैं। इसके चलते लोगों को अपने घरों से आने-जाने के दौरान गंदे पानी से होकर गुजरना पड़ रहा है। वहीं पीने वाले दूषित पानी की समस्या से भी इलाका वासी बेहद परेशान हैं। उन्होंने कहा कि यह समस्या बार-बार हो रही है। क्षेत्र के निवासी नारकीय जीवन जीने को मजबूर हैं। उन्होंने नगर निगम के अधिकारियों से मांग की कि इस गंभीर समस्या का स्थायी समाधान किया जाए। इस संबंध में, नगर निगम आयुक्त बिक्रम सिंह ने कहा कि यह समस्या अंदरूनी सीवर लाइन में किसी तरफ से रुकावट आने के कारण पैदा हुई है। क्षेत्र के जेई अथवा एसडीओ को सूचित कर दिया गया है। किसी भी समस्या का जल्द ही समाधान कर दिया जाएगा।

### तरुण चुग के राज्यसभा नामांकन से भाजपा कार्यकर्ताओं में उत्साह, संगठन को मिलेगा नई ऊर्जा : सुशील शर्मा

**» प्रथम न्यूज । जालंधर**
**04 जून ( शैली अल्बर्ट )**

भारतीय जनता पार्टी पंजाब के राष्ट्रीय महामंत्री तरुण चुग को राज्यसभा के लिए नामित किए जाने पर भाजपा कार्यकर्ताओं में खुशी और उत्साह का माहौल है। इस अवसर पर भाजपा जिला जालंधर के अध्यक्ष सुशील शर्मा ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए तरुण चुग को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। सुशील शर्मा ने कहा कि तरुण चुग का राज्यसभा के लिए चयन उनकी वर्षों की संगठनात्मक मेहनत, समर्पण और राष्ट्रहित के प्रति प्रतिबद्धता का सम्मान है। उन्होंने कहा कि तरुण चुग ने एक साधारण कार्यकर्ता से लेकर राष्ट्रीय स्तर के नेतृत्व तक का सफर अपनी कर्मठता और संगठन के प्रति निष्ठा के बल पर तय किया है, जो लाखों भाजपा कार्यकर्ताओं के लिए प्रेरणास्रोत है। उन्होंने कहा कि पंजाब भाजपा के लिए यह विशेष गौरव का क्षण है क्योंकि तरुण चुग ने हमेशा पंजाब के मुद्दों को राष्ट्रीय स्तर पर प्रमुखता से उठाया है और संगठन को मजबूत करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उनका राज्यसभा में जाना पंजाब की आवाज को और अधिक मजबूती प्रदान करेगा। सुशील शर्मा ने कहा कि भाजपा नेतृत्व ने एक अनुभवी, दूरदर्शी और जनसेवा के प्रति समर्पित नेता को राज्यसभा के लिए नामित कर कार्यकर्ताओं के सम्मान और मनोबल को बढ़ाने का कार्य किया है। इससे संगठन को नई ऊर्जा और दिशा मिलेगी।

उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन तथा पार्टी के शीर्ष नेतृत्व का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में भाजपा निरंतर योग्य और समर्पित कार्यकर्ताओं को आगे बढ़ाने का कार्य कर रही है।

अंत में सुशील शर्मा ने विश्वास व्यक्त किया कि तरुण चुग राज्यसभा में राष्ट्रहित, जनहित तथा पंजाब के विकास से जुड़े मुद्दों को प्रभावी ढंग से उठाकर भाजपा की विचारधारा को और अधिक मजबूती प्रदान करेंगे।

# आप सरकार में विकास के पोस्टर मजबूत, सड़कें बन गईं कमजोर

## ढप्पई निवासी पिछले कई सालों से नर्क भरी जिंदगी जीने को मजबूर

**» प्रथम न्यूज । अमृतसर**
**04 जून ( साहिब दयाल )**

बोहड़ी साहिब कोट खालसा होते हुए गुरु की वडाली छेहारटा के अनेकों गांवों को जोड़ने वाली वार्ड नंबर 71 ढप्पई रोड की मुख्य सड़क पूरी तरह जर्जर हो चुकी है। जगह-जगह बड़े-बड़े गड्ढे बन गए हैं, जिनमें बरसात का पानी भर गया है। इससे राहगीरों को आवाजाही में भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। इलाका वासी नरिंदर दवेसर, गोपाल दास, बूटा राम, बजरंग दास का कहना है कि सड़क की हालत इतनी खराब हो गई है। कहा कि पैदल चलना भी जोखिम भरा हो गया है। रोज कोई न कोई गड्ढों में फिसलकर गिर जाता है। स्कूली बच्चों, बुजुर्गों और गर्भवती महिलाओं के लिए यह सड़क एक बड़ी मुसीबत बन चुकी है। उन्होंनो बताया कि यह सड़क 2022 में बनवाई गई थी लेकिन निर्माण में गुणवत्ता का ध्यान नहीं रखा गया। नतीजतन कुछ ही महीनों में सड़क उखड़ने लगी और अब पूरी तरह से टूट चुकी है। उन्होंनो बताया कि सड़क टूटने से सरकार का 1.54 करोड़ रुपए का नुकसान हो गया है, जिसे 10 से 15 सालों बाद इंप्रूवमैंट ट्रस्ट ने बनवाया था। एक तरफ जहां आम जनता इन गड्ढों से परेशान है, तो वहीं, शासन प्रशासन इस ओर घोर लापरवाही की तरफ बढ़ता दिख रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि बरसात के मौसम में स्थिति और भी खराब हो जाती है। लेकिन कई बार शिकायत करने के बावजूद भी इस ओर कोई ध्यान नहीं दे रहा है। बड़े-बड़े गड्ढे होने से ढप्पई इलाके की स्थिति तो खराब हो ही रही है बल्कि आए दिन लोग हादसे का शिकार हो रहे हैं। आलम ये है कि, रोजाना सड़क किनारे दुकानदारों को गड्ढे में गिर रहे लोगों को उठा कर अस्पताल ले जाना पड़ रहा है, साथ ही दुकानदारों की दुकानदारी भी पूरी चौपट हो चुकी है। फिलहाल जनता तो केवल आस ही लगा सकती है, क्योंकि करने वाले जिम्मेदार नेता और अफसर कुंभकरण की नींद में सोए हुए हैं।

# एक दशक बाद चम्बा नगर परिषद में कांग्रेस की वापसी, विधायक नीरज नैय्यर ने जताया आभार

## 7-5 मतों से कांग्रेस की ऐतिहासिक जीत, विकास को मिलेगी नई गति : नीरज नैय्यर

**» प्रथम न्यूज । चम्बा**
**04 जून ( एएम नाथ )**

चम्बा नगर परिषद में एक दशक बाद कांग्रेस की वापसी पर विधायक नीरज नैय्यर ने नगरवासियों का आभार व्यक्त करते हुए इसे लोकतंत्र और जनविश्वास की बड़ी जीत बताया है। उन्होंने चम्बा के प्रबुद्ध नागरिकों को बधाई देते हुए कहा कि नगर परिषद में कांग्रेस को मिली यह सफलता जनता के समर्थन, कार्यकर्ताओं की मेहनत और विकास के प्रति लोगों की अपेक्षाओं का परिणाम है।

अपने संदेश में नीरज नैय्यर ने कहा कि चम्बा नगर इकाई में कांग्रेस की जीत पूरे क्षेत्र के लिए एक ऐतिहासिक उपलब्धि है। उन्होंने बताया कि अध्यक्ष पद के चुनाव में कांग्रेस समर्थित पक्ष को 7-5 मतों के अंतर से विजय प्राप्त हुई, जिससे नगर परिषद में पार्टी का नेतृत्व स्थापित हुआ है। उन्होंने इसे चम्बा की जनता के आशीर्वाद और विश्वास का प्रतिफल बताया।

विधायक ने नव निर्वाचित अध्यक्ष भावना गुलाटी और उपाध्यक्ष जितेन्द्र सूर्या को बधाई देते हुए विश्वास जताया कि उनके नेतृत्व में नगर परिषद जनहित और विकास के कार्यों को प्राथमिकता देगी। साथ ही सभी नव निर्वाचित पार्षदों को शुभकामनाएं देते हुए उन्होंने कहा कि जनता ने उन्हें बड़ी जिम्मेदारी सौंपी है, जिसे पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ निभाना होगा। नीरज नैय्यर ने कहा कि चम्बा के नागरिकों ने कांग्रेस पर जो भरोसा जताया है, उसे और अधिक मजबूत बनाने का समय आ गया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि अब सभी जनप्रतिनिधियों का एकमात्र लक्ष्य चम्बा को विकास की नई राह पर आगे बढ़ाना होगा। आधारभूत सुविधाओं के विस्तार, जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन और नगर के समग्र विकास के लिए सामूहिक प्रयास किए जाएंगे। उन्होंने समस्त चम्बा वासियों के प्रति श्रद्धा और स्नेह व्यक्त करते हुए कहा कि जनता का यह समर्थन उन्हें और अधिक जिम्मेदारी के साथ काम करने की प्रेरणा देता है। उन्होंने चम्बा के उज्ज्वल भविष्य और निरंतर विकास का संकल्प भी दोहराया।

### हिमाचल-पंजाब सीमा पर 'खालसा एंट्री टैक्स' विवाद से बढ़ा तनाव

**सरकार ने कार्रवाई की मांग की**

**शिमला ( एएम नाथ )**- हिमाचल प्रदेश की सीमा पर एंट्री टैक्स विवाद को लेकर आम जनता पिस रही है। सुक्खू सरकार ने एंट्री टैक्स में भारी इजाफा किया था और अब पंजाब की तरफ से निहंग सिखों ने 'खालसा एंट्री टैक्स' लगाया है। बुधवार से प्रदेश के नंबरों वाली गाड़ियों से कीरतपुर मनाली फोरलेन पर अवैध नाका लगाते हुए निहंग सिख वसूली कर रहे हैं। मामले को लेकर अब सीएम सुक्खू ने पंजाब से मुख्यमंत्री से बात की है और खालसा एंट्री टैक्स को गैर कानूनी कहा है। सीएम सुक्खू ने भगवंत मान से मामले में उचित कार्रवाई की मांग की है। कैबिनेट मंत्री जगत सिंह नेगी ने यह जानकारी दी है।

कैबिनेट मंत्री जगत सिंह नेगी ने कहा कि ये अकाली दल और भाजपा की सोची समझी साजिश है। जब भी टूरिस्ट सीजन शुरू होता है उसके बाद इस तरह की हरकत की जाती है। पहले कसोल में टूरिस्ट ने गोली चलाई और उसके बाद बॉर्डर पर से सब शुरू किया गया। नेगी ने कहा कि खालसा टैक्स गैर कानूनी है। मीडिया से बातचीत में श्री आनंदपुर साहिब के एसडीएम सुखपाल सिंह ने कहा कि हिमाचल के वाहनों को रोककर शुल्क वसूलना गैरकानूनी है।

**कीरतपुर के पास लगाया नाका**

सिख निहंगों की जत्थेबंदियों ने बुधवार को कीरतपुर मनाली फोरलेन पर गड़ा मोड़ के पास हिमाचल की गाड़ियों को रोका और पैसे उगाही की। हालांकि, इस दौरान जिसने पैसे नहीं दिए, उससे पैसे नहीं मांगे गए।

### तरुण चुग का राज्यसभा के लिए नामांकन भाजपा कार्यकर्ताओं के समर्पण का सम्मान : अशोक सरीन हिक्की

**» प्रथम न्यूज । जालंधर**
**04 जून ( शैली अल्बर्ट )**

भारतीय जनता पार्टी जालंधर के जिला महामंत्री अशोक सरीन हिक्की ने भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री तरुण चुग को राज्यसभा सदस्य के लिए नामित किए जाने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं।

अशोक सरीन हिक्की ने कहा कि तरुण चुग एक अनुभवी, समर्पित और जुझारू संगठनकर्ता हैं, जिन्होंने पार्टी को मजबूत बनाने और राष्ट्रवादी विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। राज्यसभा के लिए उनका नामांकन भाजपा नेतृत्व द्वारा उनकी निष्ठा, कार्यक्षमता और संगठन के प्रति समर्पण का सम्मान है। उन्होंने कहा कि तरुण चुग का राज्यसभा में जाना पंजाब सहित पूरे देश के भाजपा कार्यकर्ताओं के लिए गर्व और खुशी का विषय है। उनके अनुभव और नेतृत्व का लाभ अब संसद में भी देश और समाज को मिलेगा तथा वे जनहित और राष्ट्रहित के मुद्दों को प्रभावशाली ढंग से उठाएंगे।

अशोक सरीन हिक्की ने इस अवसर पर देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन तथा केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का विशेष रूप से आभार व्यक्त करते हुए कहा कि पार्टी नेतृत्व ने एक योग्य और कर्मठ कार्यकर्ता को यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी देकर संगठन के प्रति सम्मान और विश्वास को दर्शाया है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि तरुण चुग राज्यसभा में भाजपा की जनकल्याणकारी नीतियों, राष्ट्रहित के मुद्दों और पंजाब सहित देश के विकास से जुड़े विषयों को प्रभावी ढंग से उठाकर जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरेंगे।

### विधानसभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानिया ने डी.के. शिवकुमार को दी शुभकामनाएं

**कर्नाटक के नेतृत्व को लेकर विधानसभा अध्यक्ष का बधाई संदेश**

**» प्रथम न्यूज । शिमला**
**04 जून ( एएम नाथ )**

हिमाचल प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानिया ने डी.के. शिवकुमार के लिए शुभकामना संदेश जारी करते हुए उनके उज्ज्वल नेतृत्व और जनसेवा के प्रति समर्पण की सराहना की है।

अपने संदेश में कुलदीप सिंह पठानिया ने कहा कि डी.के. शिवकुमार लंबे समय से सार्वजनिक जीवन में सक्रिय रहते हुए लोगों के हितों के लिए कार्य करते रहे हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि उनके नेतृत्व और अनुभव का लाभ प्रदेश के विकास तथा जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन में मिलेगा।

विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि मजबूत नेतृत्व किसी भी राज्य की प्रगति का आधार होता है। उन्होंने आशा जताई कि कर्नाटक में विकास, सुशासन, सामाजिक समरसता और आर्थिक उन्नति को नई गति मिलेगी तथा आम जनता की अपेक्षाओं के अनुरूप कार्य किए जाएंगे। कुलदीप सिंह पठानिया ने अपने संदेश में डी.के. शिवकुमार के उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु और सफल सार्वजनिक जीवन की कामना करते हुए कहा कि जनसेवा के प्रति उनकी प्रतिबद्धता भविष्य में भी लोगों को लाभान्वित करती रहेगी। उन्होंने विश्वास जताया कि उनके अनुभव और दूरदर्शी सोच से राज्य के विकास को नई दिशा मिलेगी तथा जनता के हित सर्वोपरि रहेंगे।

अंत में उन्होंने डी.के. शिवकुमार को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित कीं।